जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 163 प्रभात चूरू, गुरूवार 9 अक्टूबर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'अगर हमें पंद्रह सीटों से भी कम सीटें दीं तो हम चुनाव नहीं लड़ेंगे?'

पूर्व मु.मंत्री जीतन राम मांझी ने एनडीए को साथ में यह भी विश्वास दिलाया कि वे फिर भी एनडीए का हिस्सा बने रहेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए के अंदर परेशानी के संकेत दिख रहे हैं। एनडीए के सहयोगी जीतन राम मांझी ने कहा है कि अगर उनकी पार्टी, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा को कम से कम 15 सीटें नहीं दी गईं तो पार्टी चुनाव नहीं लड़ेगी।

तथापि, पूर्व मुख्यमंत्री मांझी ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी एनडीए गठबंधन में ही बनी रहेगी। बताया जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने मांझी से बात कर उन्हें शांत करने की कोशिश की है।

मांझी ने कहा, "हम एनडीए नेताओं से प्रार्थना कर रहे हैं, क्योंकि हम अपमानित महसूस कर रहे हैं। हमें इतनी सीटें तो चाहिए कि हमारी पार्टी को पहचान मिल सके। अगर हमें प्रस्तावित सीटें नहीं दी गईं, तो हम चुनाव नहीं लड़ेंगे। हम एनडीए का समर्थन करेंगे, लेकिन चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। मुझे मुख्यमंत्री नहीं बनना है, बस हमारी पार्टी को मान्यता मिलनी चाहिए।"

अगले महीने होने वाले बिहार चुनाव के लिए एनडीए के सहयोगियों ने अभी तक सीटों के बंटवारे के फॉर्मूले की घोषणा नहीं की है। सूत्रों के अनुसार, जेडीयू और भाजपा 243 सीटों में से लगभग 100-100 सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं। चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) को लगभग 24 सीटें, मांझी की पार्टी को 10 और उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी को करीब छह सीटें दी जा सकती हैं। मांझी के अलावा, चिराग पासवान भी इस सीट-संख्या से खुश नहीं हैं और कम से कम 40 सीटों की मांग कर रहे हैं।

- मांझी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने यह निर्णय इसलिए लिया है कि इतनी कम सीटें मिलती हैं तो वो और पार्टी अपमानित महसूस करते हैं।
- मांझी ने राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर के काव्य ग्रंथ रश्मिरथी की निम्न पंक्तियाँ प्रस्तुत कीं, अपनी व्यथा उजागर करने के लिए। भगवान श्री कृष्ण ने महाभारत का युद्ध टालने की दृष्टि से अंतिम प्रयास में कौरवों से कहा था-

"हो न्याय अगर तो आधा दो
यदि उसमें भी कोई बाधा हो
तो दे दो केवल पंद्रह ग्राम
रखो अपनी धरती तमाम
हम वहीं खुशी से खाएंगे
परिजन पर असि न उठायेंगे"

दिनकर ने पांडवों के लिए पाँच ग्राम मांगे थे, मांझी ने परिवर्तन करके पंद्रह ग्राम की बात कही है।

सीटें, मांझी की पार्टी को 10 और उपेन्द्र कुशवाहा की पार्टी को करीब छह सीटें दी जा सकती हैं। मांझी के अलावा, चिराग पासवान भी इस सीट-संख्या से खुश नहीं हैं और कम से कम 40 सीटों की मांग कर रहे हैं।

इससे पहले, बिहार चुनाव के लिए एनडीए में सीट बंटवारे पर अपनी मांग का संकेत देते हुए, मांझी ने कवि रामधारी सिंह दिनकर की प्रसिद्ध कविता रश्मिरथी की पंक्तियों में बदलाव करते हुए कहा कि उन्हें "15 गाँव" यानी 15 सीटें चाहिए।

आज सुबह एक्स पर एक पोस्ट में मांझी ने दिनकर की कविता की पंक्तियाँ कुछ इस तरह लिखीं-"हो न्याय अगर तो आधा दो, यदि उसमें भी कोई बाधा हो, तो दे दो केवल 15 ग्राम, रक्खो अपनी धरती तमाम, हम वही खुशी से खायेंगे, परिजन पे असि न उठायेंगे।" इन पंक्तियों का अर्थ है- "हमें सिर्फ 15 गाँव दे दो, बाकी सब रख लो। हम खुश रहेंगे और अपने ही लोगों के खिलाफ हथियार नहीं उठाएंगे।"

मूल कविता में दिनकर ने पाँच पाण्डवों के लिये "5 ग्राम," यानी पाँच गाँव लिखे थे। मांझी ने इसे बदलकर '15' कर दिया।

कांग्रेस ने प्रमोद जैन भाया को अंता से प्रत्याशी बनाया

जयपुर, 08 अक्टूबर। राजस्थान में आगामी 11 नवंबर को होने वाले बारां जिले में अंता विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवार की बुधवार को घोषणा कर दी और पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया को चुनाव मैदान में उतारा है।

कांग्रेस के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने उम्मीदवार की घोषणा का पत्र जारी करते हुए बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उपचुनाव में पार्टी प्रत्याशी के रुप में भाया के नाम को मंजूरी दी है।

- कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने विधानसभा उपचुनाव के लिए उनके नाम की घोषणा की।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाया को उपचुनाव में उम्मीदवार बनाये जाने पर उन्हें शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्हें विश्वास है कि जनसेवा के प्रति उनके समर्पण एवं आमजन के मुद्दों को ताकत देने के लिए जनता उन्हें भरपूर आशीर्वाद देगी और कांग्रेस को विजयी बनायेगी।

उल्लेखनीय है कि अंता से पिछले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार के रुप में विधायक चुने गये कंवरलाल मीणा को एक मामले में न्यायालय द्वारा दोषी ठहराने के बाद उन्हें विधायक पद से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जैसे-जैसे चुनाव की तिथियाँ नज़दीक आ रही हैं बंगाल में चुनावी हिंसा भी बढ़ रही है

नवीनतम उदाहरण हैं, भाजपा सांसद खगेन मुर्मू, जो उत्तरी बंगाल के बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा कर रहे थे, उनके साथ भारी मारपीट हुई, प्रतिद्वंदी टीएमसी के कार्यकर्ताओं द्वारा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। जैसे-जैसे चुनावी मौसम करीब आ रहा है, पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का स्तर भी बढ़ता जा रहा है।

नवीनतम घटना के अन्तर्गत, सत्तारूढ़ दल के गुंडों ने उत्तर बंगाल के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर रहे वरिष्ठ भाजपा सांसद खगेन मुर्मू पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हथियारबंद लोगों ने उनके छोटे से काफिले पर धावा बोला और उनकी कार तोड़ डाली।

टीएमसी के लोगों ने मुर्मू को पहचान लिया और उन पर हमला कर दिया, जिससे वे लहूलुहान हो गए। उनके चेहरे पर चोटें आईं और बाएं गाल पर कई ज़ख़्म हुए। बताया गया कि उनकी कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उन्हें दूसरी गाड़ी से स्थानीय अस्पताल ले जाया गया।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि कुछ शरारती तत्वों ने मुर्मू के काफिले पर हमला किया, क्योंकि उन्हें लगा कि वे बाढ़ राहत कार्यों में बाधा डाल रहे हैं।

बाद में मीडिया से बात करते हुए खगेन मुर्मू ने कहा कि यह हमला पहले से सोची-समझी साजिश के तहत किया गया था, ताकि उन्हें बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा करने से रोका जा सके। वे इन क्षेत्रों की हालत देखने और राहत सामग्री का प्रबंध करने के लिए गए थे।

तथापि, टीएमसी नेताओं का कहना है कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में बहुत सारे नेताओं के आने से बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री समय पर नहीं पहुंच पा रही। उनका कहना है कि ये नेता बड़े-बड़े काफिलों के साथ जा रहे हैं, जिससे राहत कार्य बाधित हो रहे हैं।

तथापि, जानकार लोगों का मानना है कि राज्य विधानसभा चुनावों की जंग अब वास्तव में शुरू हो चुकी है। दोनों मुख्य दल विभिन्न इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिशों में जुटे हैं। राजनीतिक हलकों में यह माना जा रहा है कि टीएमसी, भाजपा नेताओं पर अपना गुस्सा निकाल रही है, क्योंकि भाजपा ने त्रिपुरा में टीएमसी के दफ्तर पर हमला कर उसे लगभग नष्ट कर दिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ममता बनर्जी ने घटना पर टिप्पणी करते हुए कहा कि स्थानीय लोगों ने मुर्मू के साथ मारपीट इसलिए की, क्योंकि उनके दौरे के कारण राहत सामग्री के वितरण में बाधा पहुँची थी।
- पर, जानकार सूत्रों का कहना है कि चुनावी सरगर्मी बढ़ने से राजनीतिक प्रतिद्वंदिता चरम पर पहुँच गई है और राजनीतिक दल एक दूसरे के क्षेत्र में गंभीरता से घुसपैठ करने लगे हैं, जो कालांतर में और तीव्र होगी।

कितागावा, रॉबसन व याघी को रसायन का नोबेल पुरस्कार घोषित

"मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क" के विकास क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए उनका चयन हुआ है

स्टॉकहोम, 08 अक्टूबर। रसायन विज्ञान का वर्ष 2025 का नोबेल पुरस्कार जापान के सुसुमू कितागावा, आस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और अमेरिका के उमर एम याघी को दिया जायेगा।

नोबेल पुरस्कार समिति ने बुधवार को यहां यह घोषणा की। समिति ने बताया कि इस साल का यह प्रतिष्ठित सम्मान क्योटो यूनीवर्सिटी जापान के वैज्ञानिक सुसुमू कितागावा, मेलबर्न विश्वविद्यालय आस्ट्रेलिया के रिचर्ड रॉबसन और बर्कले कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के उमर एम याघी को दिया जाएगा।

यह पुरस्कार "मेटल आर्गेनिक फ्रेमवर्क" के विकास क्षेत्र में उल्लेखनीय काम के लिए दिया जाएगा। नोबेल पुरस्कार समिति के अनुसार, इन वैज्ञानिकों ने बड़े अंतराल वाले आणविक ढ ांचे बनाने में सफलता हासिल की। इनमें गैसें और अन्य रसायन प्रवाहित हो सकते हैं।

- इन धातु-कार्बनिक ढांचों का उपयोग रेगिस्तान में हवा से पानी इकट्ठा करने, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने, विषाक्त गैसों को संग्रहित करने या रासायनिक प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है।

इन धातु-कार्बनिक ढ ांचों का उपयोग रेगिस्तान में हवा से पानी इकट्ठा करने, कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने, विषाक्त गैसों को संग्रहित करने तथा रासायनिक प्रतिक्रियाओं को उत्प्रेरित करने के लिए किया जा सकता है। इसमें आगे कहा गया है कि धातु-कार्बनिक ढ ाँचों के विकास के माध्यम से, पुरस्कार विजेताओं ने वैज्ञानिकों को हमारे सामने आने वाली कुछ चुनौतियों का समाधान करने के नए अवसर प्रदान किए हैं।

पिछले कुछ दशकों में धातु-कार्बनिक ढ ाँचों के क्षेत्र का तेज़ी से विस्तार हुआ है। इनके बारे में जानकारी पहले से थी, लेकिन ऐसी संरचनाओं को पूर्वानुमानित रूप से डिज़ाइन और संश्लेषित करने की क्षमता के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

यह विस्तार काफी हद तक सुसुमु कितागावा, रिचर्ड रॉबसन और उमर एम. याघी के मौलिक कार्यों शोध के कारण हुआ।

इन्होंने इस विकास को बढ ावा देने वाले कई महत्वपूर्ण योगदान दिए। इन योगदानों में न केवल विभिन्न संरचनाओं और अनुप्रयोगों के कई प्रभावशाली उदाहरण शामिल हैं, बल्कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बार-बार अपील करने पर सरकार पर जुर्माना लगा

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कर्मचारी को पे-स्केल देने का विवाद तय हो जाने के बाद, राज्य सरकार की ओर से वापस अपील दायर करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने उच्च शिक्षा विभाग पर दस हजार रुपए का हर्जाना लगाते हुए अपील को खारिज कर दिया है। जस्टिस अवनीश झिंगन और जस्टिस बीएस संधू ने ये आदेश राज्य सरकार की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मामले में साल 2013 में ही आदेश जारी हो चुके हैं और उसकी अपील भी अदालत खारिज कर चुकी है। ऐसे में विभाग की ओर से बार-बार अपील क्यों लगाई जा रही है।

मामले से जुड़े अधिवक्ता तरुण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाई कोर्ट ने कहा कि सन् 2023 में आदेश जारी हो चुके हैं, पर विभाग की ओर से बार-बार अपील क्यों लगाई जा रही है।

बिहार चुनाव में सभी सीटों पर उम्मीदवार खड़ा करेंगे केजरीवाल

केजरीवाल का यह निर्णय प्रशांत किशोर की पार्टी की सफलता से पैदा हुई असुरक्षा की भावना है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रशांत किशोर, यानी 'पीके फैक्टर' ने आम आदमी पार्टी (आप) को बिहार विधानसभा चुनाव में उतरने के लिए प्रेरित किया है।

पहले भी आम आदमी पार्टी ने अपने प्रभाव क्षेत्र से बाहर के क्षेत्रों में अपना विस्तार करने की कोशिश की है तथा गोवा, गुजरात और हरियाणा में चुनाव लड़ने के फैसले कर चुकी है। लेकिन दिल्ली में झटका लगने के बाद, पार्टी ने अपनी नीति बदल ली और दिल्ली व पंजाब में अपनी स्थिति मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित किया।

बिहार के मामले में, आप के संस्थापक अरविंद केजरीवाल ने अपवादस्वरुप राज्य की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और पहले चरण में 11 उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी है। हालांकि बिहार में आप की मौजूदगी से इस पूर्वी राज्य के चुनावी समीकरण पर कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है, लेकिन चुनाव लड़ने का फैसला इस असुरक्षा की भावना से उपजा प्रतीत होता है कि पार्टी के विकास मॉडल को प्रशांत किशोर की 'जन सुराज पार्टी' निगल सकती है।

बीते कुछ महीनों में यह अनिश्चितता बनी हुई थी कि आप बिहार चुनाव लड़ेगी या नहीं, जिसके चलते पिछले महीनों में पार्टी के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जन सुराज पार्टी में शामिल हो गए थे। इसलिए आप का यह फैसला आने वाले समय के लिए अपनी राजनीतिक संभावनाएँ जीवित रखने का प्रयास है, न कि इस चुनाव में कोई बड़ा असर डालने की कोशिश।

ऊपरी तौर पर, आप और जन सुराज पार्टी (जेएसपीयूआरए) में कुछ समानताएँ दिखती हैं। दोनों ही पार्टियाँ शासन का एक वैकल्पिक मॉडल पेश कर रही हैं, जो शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्था में सुधार और भ्रष्टाचार खत्म करने पर केन्द्रित है। दोनों ही पार्टियों की सोशल मीडिया पर भी मजबूत मौजूदगी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- दिल्ली में हारने के बाद केजरीवाल ने नीतिगत निर्णय लिया था कि कई राज्यों में पैर पसारने की बजाय वे दिल्ली व पंजाब पर ही फोकस रखेंगे। बिहार में यह निर्णय इस नीति का अपवाद है।
- केजरीवाल व प्रशांत किशोर की राजनीतिक गतिविधियों में काफी समानता नज़र आती है। दोनों ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत भ्रष्टाचार खत्म करने के नारे से की थी।
- शिक्षा, जल, स्वास्थ्य आदि पर सोच, दोनों की करीब-करीब एक सी है।
- केजरीवाल को डर लगा कि प्रशांत किशोर यह मंच उनसे छीन लेंगे। चाहे वर्तमान चुनावों में उनकी पार्टी को कोई खास लाभ नहीं मिलेगा, किन्तु अपनी पहचान जीवित रखने के लिए बिहार में सब जगह उम्मीदवार खड़े किये हैं।

एसआई पेपर लीक की सुनवाई 24 नवम्बर को

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने 859 पदों की एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में दायर अपीलों पर बुधवार को 24 नवंबर तक सुनवाई टाल दी है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से एजी राजेन्द्र प्रसाद ने खंडपीठ को सुप्रीम कोर्ट की ओर से रोक लगाने के आदेश की जानकारी दी। जिस पर खंडपीठ ने पक्षकारों से मामले को लेकर अपनी लिखित बहस पेश करने के आदेश देते हुए सुनवाई 24 नवंबर को तय की है। एक्टिंग सीजे एसपी शर्मा व जस्टिस बीएस संधू की खंडपीठ ने यह आदेश विक्रम सिंह पंवार व अन्य की अपीलों पर दिया।

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ए.जी. राजेन्द्र प्रसाद ने हाई कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के रोक लगाने के आदेश की जानकारी दी।

स्थानीय मान्यताएँ व इकोलॉजी को ध्यान में न रखने की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है कैलाश पर्वत पर

गत वर्ष कैलाश पर्वत की अछूती ऊँचाइयों को पयर्टन स्थल में परिवर्तित करने की कोशिश से लगभग पाँच सौ चीनी पर्यटकों का जीवन भारी हिमपात के कारण संकट में पड़ा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। चीनी अधिकारी बेहद असंवेदनशील तरीके से व्यवहार कर रहे हैं और हिमालय के पर्यावरणीय संतुलन को नुकसान पहुँचा रहे हैं, साथ ही लोगों को भयंकर ठंड में मौत के खतरे में डाल रहे हैं।

एक चीनी सरकारी मुखपत्र ने गर्व से बताया कि पिछले साल मैदानों से पाँच लाख से अधिक लोग ऊँचे हिमालयी क्षेत्रों में गए। इससे हिमालय पर भारी मानव गतिविधि का स्थायी असर पड़ेगा।

ऐतिहासिक रूप से, तिब्बती लोग ऊँचे पहाड़ों में लोगों को जाने की अनुमति देने में बहुत सावधान रहते थे। वे मानते थे कि हिमालय देवताओं और देवियों का निवास है और इसलिए हिमालय की उच्चतम चोटियों पर जाने से मना करते थे।

लेकिन जब से चीन ने तिब्बत और ऊँचे हिमालयी इलाक़ों पर कब्जा किया, सब कुछ बदल गया है। चीन ने अपने असंवेदनशील विकास मॉडल को थोपते हुए, तिब्बती पठार को हान चीनी आबादी से भर देने की कोशिश की है, ताकि सदियों पुरानी तिब्बती संस्कृति व इतिहास और हिमालय के प्रति उनकी श्रद्धा को मिटाया जा सके।

अब तिब्बत के हिमाचल क्षेत्र में चीन के इस असंवेदनशील पर्यटन प्रयास के परिणाम सामने आ रहे हैं।

माउंट एवरेस्ट की पूर्वी ढलानों पर लगभग 300 लोग बर्फ़ीले तूफ़ान में फँस गए हैं और बचाव अभियान जारी है। कई लोगों की मौत हो चुकी है और कई हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान गिरना) से पीड़ित हैं।

पर्यटकों के साथ यह हादसा पिछले शनिवार को उस समय शुरू हुआ, जब बर्फ़बारी शुरू हुई। टैंट के भीतर से लिए गए कुछ वीडियोज़ में स्पष्ट नज़र आ रहा था कि कैसे टैंट के बाहर बर्फ़ धीरे-धीरे बढ़ रही थी।

सोमवार को भी 16,000 फीट से ऊपर लगभग 200 और लोग फँसे हुए थे। ऊँची ढलानों पर पर्वतारोहण उपकरण और हाई-टेक गैजेट्स भी अत्यधिक ठंड और तूफ़ानों में काम नहीं आए।

कई पर्यटकों ने कहा कि तापमान इतना गिर गया था और तूफ़ान इतना तेज था कि टैंट के अंदर भी एक पल भी सो नहीं पा रहे थे। वो लोग भीग गए और ठंड से काँपने लगे। कई पर्यटकों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चीन के पर्यटन विभाग ने बड़े गर्व से ऐलान किया था कि चीन के मैदानी इलाकों से पाँच लाख पर्यटक भ्रमण करने गये थे। मूल तिब्बती कैलाश पर्वत को देवी-देवताओं का आवास मानते आये हैं, कोई घूमने की जगह नहीं। मॉउण्ट एवरेस्ट पर चढ़ना तिब्बतियों के अुनसार, लगभग निषेध था।
- तिब्बत की सरकार बारिश शुरु होने के बाद आम लोगों को वहाँ जाने के परमिट बंद कर देती है। ऐसा ही नेपाल भी करता आया है। चीन की सरकार ने तिब्बत की संवेदनशील सभ्यता को खत्म करने की नज़र से हान चीनियों को भारी संख्या में वहाँ भेजा।
- कैलाश पर्वत को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करना भी इसी दिशा में एक कदम था। बारिश के बाद कैलाश पर्वत पर मौसम अचानक कई बार बदलता है। तापमान माइनस तीस डिग्री तक जाता है और बर्फ से सबकुछ ढक जाता है। स्थानीय मौसम पर ध्यान न देने से सैंकड़ों चीनी पर्यटक बर्फ में दब गये और मुश्किल से निकाले गये।

हाई कोर्ट ने विवि रजिस्ट्रार को चेतावनी दी

जयपुर, 8 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को शपथ पत्र पेश कर यह बताने को कहा है कि विवि की ओर से आवंटित आवास को तय अवधि के बाद कितने लोगों ने खाली नहीं किया है। वहीं, ऐसे लोगों से जुर्माना वसूल करने के लिए नोटिस जारी किए गए हैं या नहीं। यदि इन्हें नोटिस जारी नहीं किए गए तो उन पर क्या कार्रवाई की गई है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि ऐसे मामले में कार्रवाई नहीं की गई है तो जुर्माना राशि के बराबर राशि रजिस्ट्रार के वेतन से वसूल की जाएगी। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश सुभाष राठी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अदालत ने पूछा कि जिन लोगों ने आवास खाली नहीं किया, उन पर क्या कार्यवाही की गई।

विचार बिन्दु

कर्म वह आईना है जो हमारा स्वरुप हमें दिखा देता है। इसलिए हमें कर्म का एहसानमंद होना चाहिए। –विनोबा

एसएमएस अस्पताल हादसे से लोगों में गुस्सा: आपराधिक लापरवाही के असली जिम्मेदार कौन ?

देश के बड़े अस्पतालों में शुमार राजधानी जयपुर के सरकारी अस्पताल सवाई मान सिंह (SMS) के ट्रॉमा सेंटर के आईसीयू वार्ड में रविवार रात करीब सवा ग्यारह बजे भीषण आग लग गई, जिससे 6 गंभीर मरीजों की मौत हो गई। अब तक 8 जनों की मौत होने का समाचार है जबकि कई मरीजों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के बाद वार्ड में फैले धुएं और जहरीली गैसों की भयावहता के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो ने से प्रदेश के लोग भयाक्रांत है। लोगों का कहना है राज के नाक के नीचे के अस्पताल की दुर्व्यवस्था देखकर प्रदेश के जिलों में अस्पतालों की व्यवस्था का सहज ही अंदाज लगाया जा सकता है। भीषण दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा देर रात अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मरीजों और डॉक्टरों से बात की। सरकार ने आग के कारणों, अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था और आपातकालीन प्रतिक्रिया की जांच के लिए 6 सदस्यीय कमिटी गठित की है। इस कमिटी की अध्यक्षता मेडिकल एजुकेशन के कमिश्नर इकबाल खान करेंगे और यह जल्द ही रिपोर्ट सौंपेगी। हादसे के बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए सरकार को कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि कहीं आग लग रही है, तो कहीं छत गिर रही है, यह क्या हो रहा है सरकारी इमारतों में? अदालत ने 9 अक्टूबर तक सभी जर्जर भवनों की मरम्मत का रोडमैप पेश करने का निर्देश दिया है।

राज्य सरकार ने अग्नि दुखांतिका में प्रत्येक मृतक के परिजन को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि देने की घोषणा की हैं। इसी बीच राज्य सरकार ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, ट्रोमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड को पद से हटा दिया है एवं एसएमएस में पदस्थापित अधिशाषी अभियंता श्री मुकेश सिंघल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही, फायर सेफ्टी के लिए नियोजित एजेंसी एसके इलेक्ट्रिक कम्पनी की निविदा निरस्त करते हुए उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज करवाने के निर्देश दिए हैं। सोमवार सवेरे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस के नेता घटना स्थल पर पहुंचे। इसी के साथ सियासत भी शरू हो गई। विपक्षी नेताओं सहित लोग पूछ रहे है आखिर आग कैसे लगी और इन मौतों का जिम्मेदार कौन है।

अस्पताल सूत्रों ने बताया समय समय पर विभिन्न व्यवथाओं में सुधार के लिए उच्चाधिकारियों को मौखिक और लिखित में जानकारी दी गई थी मगर जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हादसे से दो दिन पहले ही ट्रोमा सेंटर इंचार्ज ने अस्पताल अधीक्षक को पत्र लिखकर चेताया था कि छत पर चल रहे ऑपरेशन थियेटर के निर्माण के काम से बिजली के पैनल क्षतिग्रस्त होने का खतरा है। इसका मतलब आईने की तरह साफ़ है कि ट्रोमा सेंटर का ओटी कॉम्पलेक्स जिसमें आईसीयू है वह एक महीने से हादसे के इंतजार में था। ओटी कॉम्लेक्स में करंट दौड़ रहा था। पानी टपक रहा था। दीवारे गीली हो रही थी। बिजली पैनल में पानी जाने से करंट आने लगा। कहा जा रहा है कि यह पानी बिजली के बोर्ड में गया होगा जिससे शॉर्ट सर्किट हुआ।

इस हादसे से सबक लेकर प्रदेशभर के अस्पतालों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जाँच शुरू हो गई है। एसएमएस हादसे के बाद सभी सम्बध सरकारी विभागों में खलबली मची है और उन्होंने सतर्क होकर अपने-अपने जिम्मे विभिन्न कार्यों की जाँच पड़ताल शुरू कर दी है। सरकार ने भी देरी से ही सही विधुत निरीक्षकों से तत्सम्बन्धी रिपोर्ट मांगी है। साथ ही व्यवस्था प्रभारी और अधीनस्थ अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद भी उच्चाधिकारियों द्वारा कोई अपेक्षित कार्यवाही नहीं करने की जांच भी की जा रही है। लोगों का कहना है यदि निष्पक्ष जाँच होती है तो कई जिम्मेदार नपेंगे और सिस्टम की खराबियों का खुलासा होगा।

यह भी कहा जा रहा है ट्रॉमा सेंटर की बिल्डिंग ज्यादा पुरानी नहीं है, इसके बावजूद इतनी बड़ी और भयावह दुर्घटना से कई सवाल उठना लाजिमी है। पारदर्शी, जनप्रिय और संवेदनशील होने का दावा करने वाली सरकार से लोग पूछ रहे है कि व्यवस्था बदहाल थी तो जिम्मेदारों ने समय पर ध्यान क्यों नहीं दिया। बारिश में पानी भरने, पलस्तर उखड़ने, वायरिंग जलने आदि की आम शिकायतें तो मीडिया की सुर्खियां आये दिन बनती रहती है। ट्रॉमा सेंटर में आग पर काबू पाने के पर्याप्त संसाधन ही नहीं थे। अगर फायर फायटिंग सिस्टम आईसीयू के पास पर्याप्त संख्या में होते तो आग पर तुरंत काबू पाया जा सकता था। यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि फायर सेफ्टी की समय समय पर जाँच क्यों नहीं की गई। फायर सेफ्टी का ट्रायल कब हुआ था? किसे ट्रेनिंग दी गई थी। कागजी कार्यवाही कर कहीं खानापूर्ति तो नहीं की गई। हालाँकि ये सब अब जाँच रिपोर्ट से ही खुलासा होगा।

पुलिस के उच्च सूत्रों के मुताबिक, "प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट ही आग का कारण लगता है, लेकिन फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की जांच के बाद ही आग के सटीक कारण का पता चलेगा। आग स्टोर रूम से शुरू हुई, जहां कागज, मेडिकल उपकरण और ब्लड सैंपल ट्यूब्स रखे थे, जो जल्दी भड़क उठे। अस्पताल प्रशासन ने प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग का कारण बताया है, साथ ही अधिकारियों का कहना है कि अंतिम कारण की पुष्टि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही होगी। मिली जानकारी के अनुसार ट्रॉमा सेंटर की दूसरी मंजिल पर दो ICU हैं – ट्रॉमा ICU में 11 और सेमी ICU में 13 मरीज भर्ती थे। ट्रॉमा में शॉर्ट सर्किट से आग लगी, जो तेजी से फैली और जहरीली गैसें निकलने लगीं। शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में 2 महिलाओं सहित 8 जनों की मौत हो गई। बताया जाता है अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों के तीमारदारों ने मरीजों को बाहर निकाला। सूचना मिलने के बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और दो घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। वहीं प्रत्यक्षदर्शी परिजनों का कहना है, ICU शॉर्ट सर्किट में आग निकलने से पहले धुंवा निकलने लगा था, इसकी जानकारी वहां उपस्थित अस्पताल स्टाफ को दी गई मगर उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की। बाद में आग फैलते ही मौजूदा स्टाफ रफूचक्कर हो गया। परिजन अपने-अपने मरीजों को निकालने में जुट गए, उनमें कुछ को सफलता मिली और कुछ जहरीले धुंवे के शिकार हो गए। भयावह अफरा तफरी में लोग सड़कों पर मरीजों को लेकर आये जिनमें कुछ की तबियत उपचार नहीं मिलने से खराब हो गई।"

मृतकों के परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक परिजन पूरन सिंह ने बताया, "स्पार्क लगते ही सिलेंडर के पास आग लग गई। धुआं पूरे ICU में फैल गया, सब भागने लगे। कुछ लोग अपने मरीजों को बचा ले गए, लेकिन मेरा मरीज अकेला रह गया। डॉक्टर, कंपाउंडर और अन्य स्टाफ के लोग भाग गए, किसी ने कोई मदद नहीं की। अन्य परिजनों ने भी इससे मिलती-जुलती जानकारी दी। परिजनों का आरोप है, फायर अलार्म नहीं बजा और सेफ्टी उपाय पूरी तरह नाकाफी थे।"

इस हादसे से सबक लेकर प्रदेशभर के अस्पतालों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जाँच शुरू हो गई है। कई अस्पतालों में मॉक ड्रिल की गई है। सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरस्त किया जा रहा है। ध्यान देने की बात यह भी है कि अस्पतालों सहित प्रदेशभर की सरकारी इमारतों में समय-समय पर विधुत रखरखाव की निगरानी, पर्यवेक्षण की कोई सुचारु व्यवस्था नहीं है। एसएमएस हादेसे के बाद सभी सम्बध सरकारी विभागों में खलबली मची है और उन्होंने सतर्क होकर अपने-अपने जिम्मे विभिन्न कार्यों की जाँच पड़ताल शुरू कर दी है। सरकार ने भी देरी से ही सही विधुत निरीक्षकों से तत्सम्बन्धी रिपोर्ट मांगी है। साथ ही व्यवस्था प्रभारी और अधीनस्थ अधिकारियों की रिपोर्ट के बाद भी उच्चाधिकारियों द्वारा कोई अपेक्षित कार्यवाही नहीं करने की जांच भी की जा रही है। लोगों का कहना है यदि निष्पक्ष जाँच होती है तो कई जिम्मेदार नपेंगे और सिस्टम की खराबियों का खुलासा होगा।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

विश्व भक्ति एवं ज्ञान पर्व अंतर्राष्ट्रीय भक्तामर दिवस

भाग चन्द जैन मित्रपुरा

अंतरराष्ट्रीय भक्तामर प्रभावना संघ की पहल पर विश्व शांति एवं भक्ति में निहित शक्ति के उद्देश्य से 09 अक्टूबर को प्रति वर्ष अंतरराष्ट्रीय भक्तामर दिवस मनाया जाता है। यह महाकाव्य किसी पंथ, संप्रदाय एवं धर्म विशेष का प्रोत्साहन नहीं करता है। हालांकि प्रथम श्लोक में 'युगादौ' एवं द्वितीय श्लोक में 'प्रथमं जिनेन्द्रम्' शब्दों के उल्लेख से यह माना जाता है कि इस युग के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान की स्तुति इस महाकाव्य में की गई है। कदाचित इसी कारण से इसे आदिनाथ स्तोत्र भी कहा जाता है।

इस महाकाव्य की रचना के पीछे एक रोचक कथा है। तत्कालीन मालवा प्रांत की धारा नगरी में राजा भोज का राज था। वे साहित्य, कला, विद्या के साथ संस्कृत में विशेष रुचि रखते थे। उनके दरबार में अनेक विद्वानों के साथ कवि कालिदास भी थे। दरबार में कालिदास ने दिगम्बर मुनि मानतुंग के प्रति अपमान जनक शब्द कहे जो धनंजय कवि को सहन नहीं हुए एवं उन्होंने कालिदास को शास्त्रार्थ करने की चुनौती दी। शास्त्रार्थ में धनंजय के उत्तर – प्रत्युत्तर से कालिदास निरुत्तर हो गए एवं इस लज्जा से बचने के लिए गुरु मानतुंग से शास्त्रार्थ करने हेतु राजा से निवेदन किया। राज भोज को इस तरह के शास्त्रार्थ में विशेष रुचि थी अत: मानतुंगाचार्य को दरबार में बुलाने हेतु अपना दूत भेजा। दूत द्वारा निवेदन करने पर मुनिराज ने कहा कि हम मुनियों का राज दरबार से कोई संबंध नहीं है, यह कह कर दूत को राज दरबार में जाने से मना कर दिया। राजा ने मुनिराज के पास कई बार सेवक भेजे, लेकिन मुनिराज नहीं आए। इस पर कुपित होकर राजा ने मुनिराज को बलात दरबार में बुलाया। मुनिराज ने उपसर्ग जानकर मौन धारण कर लिया एवं राजा के अनुरोध पर भी नहीं बोले। इस पर राजा ने क्रोधित होकर मुनिराज के हाथ पैरो में बेड़ियां डलवाकर उन्हें 48 कोठरियों के भीतर बंदीगृह में कैद कर ताले लगवा दिए।

आचार्य ने इस बंधन को समतापूर्वक स्वीकार कर लिया और भगवान की भक्ति में डूब गए तथा बंदीगृह में ही उन्होंने भक्तामर स्तोत्र महाकाव्य की रचना की। इस अनुपम भक्तिकाव्य की महिमा से एक – एक काव्य की रचना के साथ एक एक ताले स्वत: ही टूटते गए और सभी 48 दरवाजे खुल गए तथा मुनिराज बाहर आ गए। मुनिराज के तप एवं भक्ति के इस प्रभाव को देखकर राजा चमत्कृत हो गए। इस पर कालिदास ने मुनिराज पर उपसर्ग के प्रयोजन से कालिका देवी प्रकट की। मुनिश्री के तप के प्रभाव से प्रकट चक्रेश्वरी देवी को देखकर कालिका मुनिराजन से क्षमा मांगकर अदृश्य हो गई।अंतत: मुनिश्री के प्रभाव को देखकर राजा भोज एवं कालिदास ने नतमस्तक होकर उनसे क्षमा मांगी और उनकी स्तुति की साथ ही राजा ने मुनिवर से श्रावक

के व्रत अंगीकार किए और राज्य में जैन धर्म की अद्वितीय प्रभावना हुई।

इस काव्य की रचना में उपमाओं एवं अलंकारों की बाहुल्यता एवं प्रत्येक पंक्ति में 14 पूर्णाक्षर होना इसकी विशेषता है। यह संस्कृत भाषा में वसंततिलका छंद में है। आराध्यदेव के गुणगान में मुनिवर निष्काम भावना ही निहित थी। मुनिवर ने बंदीगृह से मुक्ति या अन्य किसी भी तरह की याचना नहीं की थी। हम जानते है कि भगवान प्रत्यक्षत: कुछ नहीं देते, लेकिन भक्ति से अर्जित पुण्य से स्वहितार्थ सुख की प्राप्ति होती है एवं वह भय से मुक्त रहता है। भक्तामर स्तोत्र का एक एक श्लोक जीवन में व्याप्त सभी तरह की कठिनाइयों में हीलिंग का कार्य करता है। श्रद्धालुजन भक्तामर स्तोत्र को असाध्य रोगों में हीलिंग थेरेपी के रूप में अपना रहे है, इसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से इसकी रिसर्च जारी है।

संकलन : भाग चन्द जैन मित्रपुरा,
अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर

राजस्थान गैरकानूनी धर्मांतरण विधेयक : संविधान सभा की अभीप्सा साकार हो रही है

सूर्यप्रताप सिंह राजावत

राजस्थान विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025 की प्रस्तावना, मिथ्या निरूपण, भ्रामक सूचना, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, प्रलोभन, ऑनलाइन याचना, या किसी भी कपटपूर्ण तरीके से, या विवाह या विवाह के बहाने, एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध रूप से धर्म परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाने और उससे संबंधित सभी मामलों के लिए प्रावधान करती है। सभ्य समाज इस विधेयक 2025 का स्वागत करता है क्योंकि यह एक धर्म से दूसरे धर्म में धर्म परिवर्तन को दंडित करता है, जहाँ धर्म परिवर्तन स्वतंत्र सहमति से नहीं किया गया हो।

विश्व में विवाह को सभ्य समाज का एक महत्वपूर्ण पहलू माना जाता है जहाँ आपसी विश्वास और पवित्रता रिश्ते की नींव होती है। यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि विशेष विवाह अधिनियम, मुस्लिम विवाह अधिनियम, ईसाई विवाह अधिनियम, हिंदू विवाह अधिनियम आदि विवाह में धोखाधड़ी के तत्व को तलाक के वैध और कानूनी आधारों में से एक मानते हैं। कैविएट एम्प्टर के सिद्धांत का उपयोग विवाह के लिए नहीं किया जा सकता है। भारत में विवाह एक व्यक्तिगत कार्य नहीं है बल्कि इसमें परिवार के अन्य सदस्य भी शामिल होते हैं। इसलिए, विधेयक को पढ़ने से कानून का डर उनको पैदा होता है जो धोखाधड़ी और इसी तरह के कारकों के प्रभाव में विवाह के अनुष्ठान और धर्म परिवर्तन को लेकर बेईमानी से काम करते हैं। यदि विवाह केवल धर्मांतरण के उद्देश्य से किया जाता है, या इसके विपरीत धर्मांतरण विवाह के उद्धेश्य के लिए किया जाता है, विधेयक 2025 की योजना के अनुसार सक्षम न्यायालय द्वारा अमान्य घोषित किया जाएगा।

विधेयक 2025 का एक संक्षिप्त अवलोकन यह स्पष्ट करता है कि कुछ कृत्यों द्वारा अवैध धर्मांतरण की पहचान की गई है। ऐसी प्रक्रिया का प्रावधान किया गया है जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत की शर्तों को पूरा करती है। पंथनिरपेक्षता को बरकरार रखा गया है जो संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा है। हितधारकों को अपना पक्ष रखने के लिए पर्याप्त समय देते हुए, कानूनी प्रक्रिया का पालन करके मनमानी के तत्वों पर उचित नियंत्रण किया गया है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय की पाँच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने, भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची घ्घ के अंतर्गत आने वाली सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, धर्मांतरण विरोधी कानून बनाने की राज्य की विधायी शक्ति को बरकरार रखा है। इसी मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि प्रचार के अधिकार में किसी भी प्रकार से धर्मांतरण का अधिकार शामिल नहीं हो सकता।

विधेयक 2025 के बारे में गलत जानकारी फैलाना एक प्रयास है कि अवैध धर्मांतरण गैर-जमानती और संज्ञेय है, जो कठोर है। भारत का संविधान संघीय शासन व्यवस्था का प्रावधान करता है। राजस्थान राज्य अपनी बुद्धिमत्ता और विधायी शक्तियों के विभाजन के अनुसार इस विधेयक को पारित करने के लिए सक्षम है, जो एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध धर्मांतरण को रोकने का प्रयास करता है, इस आधार पर कि कानून और व्यवस्था स्थापित करना और बनाए रखना राज्य का संप्रभु कार्य है, सार्वजनिक व्यवस्था को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए। इसलिए, यह विधेयक भारत की राष्ट्रीय नीति के साथ संघर्ष में नहीं है विधेयक 2025 पर लगाया गया यह आरोप कि दंड अत्यधिक कठोर और अनुपातहीन है, तर्कसंगत नहीं है। आपराधिक न्यायशास्त्र श्रेणीबद्ध दंड का प्रावधान करता है , जहाँ तक सुबोध विभेदों पर आधारित उचित वर्गीकरण और प्राप्त किए जाने वाले उद्देश्य के बीच संबंध स्थापित किया जाना आवश्यक है। यह विधेयक समाज के कमजोर वर्गों जैसे नाबालिग, महिला, विकलांग व्यक्ति, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के सदस्यों से जुड़े अपराधों के लिए अधिक श्रेणीबद्ध और कठोर दंड का प्रावधान करता है, और न्यूनतम दंड जुर्माने के साथ प्रदान करता है। साथ ही, यह उन लोगों को रोकने के लिए भी है जो समाज विरोधी, राष्ट्र विरोधी हैं और भारत की इस प्राचीन भूमि की एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा करते हैं। यह विधेयक न तो निजता के अधिकार का उल्लंघन करता है और न ही व्यक्तिगत स्वतंत्रता का।

यह स्थापित कानून है कि न्यायिक समीक्षा व्यक्तिगत अधिकारों, स्वतंत्रता और लोकहित, जिसमें लोक व्यवस्था भी शामिल है, के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करती है। विधेयक 2025 की योजना में मनमानी के तत्व को विधिवत संबोधित किया गया है। निजता का अधिकार एक पूर्ण अधिकार नहीं है। इसकी सीमाएँ हैं और निजी स्थान में समलैंगिक संबंध के रूप में इसे अनुमति दी गई है। लेकिन अगर धोखाधड़ी का तत्व है, तो समलैंगिक संबंध भी कानून के तहत दंडनीय है। विवाह, जन्म, मृत्यु आदि का पंजीकरण कल्याणकारी समाज में योजनाओं, परियोजनाओं आदि की योजना बनाने के लिए एक मानदंड है। निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के उल्लंघन की आड़ में इस विधेयक को विफल करने का प्रयास किया जा रहा है।

भारत एक पंथनिरपेक्ष देश है, इसलिए ऐसे धर्मांतरण विरोधी कानून मूलत: पंथनिरपेक्षता की भावना के विरुद्ध नहीं हैं। पंथनिरपेक्षता को समझने के लिए हमें लगातार होने वाली संविधानसभा की बहसों का संदर्भ लेना होगा। यहाँ यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि 27 दिसंबर 1948 को संविधान सभा की बहस ने पंथनिरपेक्षता के वास्तविक स्वरूप को उजागर किया था। डॉ. अंबेडकर, 7 दिसंबर, 1948 को एक वाद-विवाद में अम्बेडकर ने उन धर्मों के वास्तविक चरित्र को रेखांकित किया जो भारतीय मूल के नहीं हैं। इन धर्मों के भाईचारे के दावे केवल उस विशेष धर्म के अनुयायियों तक ही सीमित हैं। बाहरी लोगों को नीची नज़र से देखा जाता है और उन्हें ईश्वरीय प्रसन्नता के योग्य नहीं माना जाता। इसलिए, पंथनिरपेक्षता की चयनात्मक, निहित और भेदभावपूर्ण व्याख्या के तहत धर्मांतरण के अधिकार का दावा नहीं किया जा सकता।

विधेयक 2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और संधियों के विपरीत नहीं है। कोई भी अंतर्राष्ट्रीय कानून अवैध धर्मांतरण को बढ़ावा नहीं देता है, जो समाज के सांप्रदायिक सद्भाव और कानून-व्यवस्था के विरुद्ध है।

वह संपत्ति जहाँ किसी व्यक्ति का एक धर्म से दूसरे धर्म में अवैध रूप से धर्म परिवर्तन का अपराध हुआ है, ज़ब्त कर ली जाएगी। यह ज़िला मजिस्ट्रेट या राज्य सरकार द्वारा नियुक्त राजपत्रित अधिकारी द्वारा जाँच के बाद होता है। अवैध धर्म परिवर्तन में शामिल पाई गई संपत्ति को राज्य विधान सभा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले कानून द्वारा ज़ब्त करने की अनुमति दी गई है। उक्त संपत्ति को विधेयक 2025 में विस्तार से उल्लिखित समय-सीमा और प्रक्रिया के अनुसार ध्वस्त किया जा सकता है।

आपराधिक न्यायशास्त्र में निर्दोषता साबित करने के लिए अभियुक्त पर सबूत और अपराध का भार डालना कोई नई बात नहीं है। पीसीपीएनडीटी, एनडीपीएस, पॉक्सो, निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट, दहेज मृत्यु, बीमा कानून, भ्रष्टाचार विरोधी कानून जैसे मौजूदा कानून ऐसे कुछ उदाहरण हैं जहाँ सबूत का भार अभियुक्त पर होता है। जब विशेष मुद्दों के समाधान के लिए कोई विशेष कानून होता है , तो कानून को दोषी साबित होने तक निर्दोषता के सामान्य सिद्धांत का पालन करने की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए विधेयक 2025 आपराधिक न्यायशास्त्र के साथ विरोधाभासी नहीं है।

अग्रिम सूचना देना भारत के संविधान के अनुच्छेद, 20(3) का उल्लंघन नहीं है। जो कोई भी अपना धर्म परिवर्तन करना चाहता है, उसे निर्धारित प्रारूप में पदनाम प्राधिकारी को कम से कम 90 दिन पहले घोषणा प्रस्तुत करनी होगी। इसी तरह, धर्म परिवर्तक और धार्मिक पुजारी जो धर्म परिवर्तन समारोह करते हैं, उन्हें निर्धारित प्रारूप में पदनामित प्राधिकारी को दो महीने की अग्रिम सूचना देनी होगी। जिला मजिस्ट्रेट उपर्युक्त सूचना प्राप्त करने के बाद आपत्तियां मांगने के लिए सार्वजनिक सूचना में ऐसी सूचना प्रकाशित/प्रदर्शित करवाएंगे। आपत्ति के 60 दिनों के बाद, यदि आवश्यक हो, तो आपत्ति के 10 दिनों के भीतर जांच की जाएगी। इस प्रावधान का उल्लंघन एक अवैध कृत्य माना जाता है। धर्म परिवर्तन के बाद, धर्म परिवर्तन के दिन से 72 घंटे के भीतर, धर्मांतरित व्यक्ति को उस जिले के जिला मजिस्ट्रेट को घोषणा प्रस्तुत करना आवश्यक है, जिसमें परिवर्तित व्यक्ति सामान्य रूप से रहता है।व्यक्ति की गोपनीयता की रक्षा के लिए, परिवर्तित होने के बाद, घोषणा, पुष्टिकरण और रजिस्टर से उद्धरण की प्रमाणित प्रतियां केवल उन पक्षों को प्रदान की जाएंगी जिन्होंने घोषणा की थी, इसलिए, यह प्रावधान गोपनीयता के अधिकार को रखता है, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 का हिस्सा है।

विधेयक 2025 सभी व्यक्तियों को अपने मूल धर्म, यानी पूर्वज /पैतृक धर्म में धर्मांतरण का समान अवसर प्रदान करता है। यह किसी भी दृष्टि से भेदभावपूर्ण नहीं है, क्योंकि यह सभी व्यक्तियों पर लागू होता है। चूंकि इसमें धर्म, जाति, लिंग, निवास स्थान आदि के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया है, इसलिए यह समानता, तर्कसंगतता और निष्पक्षता की संवैधानिक कसौटी पर खरा उतरता है। इसलिए यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि सुनवाई का अवसर, सार्वजनिक जांच, जांच में उचित समय, गोपनीयता की सुरक्षा, घोषणा और पुष्टि को ध्यान में रखते हुए विधेयक 2025, भारत के संविधान में मौलिक अधिकारों में निहित अनुच्छेद 14, 20, 21 और 25 की भावना और अक्षर को कायम रखते हुए, तर्कसंगतता, पारदर्शिता, समानता की संवैधानिक योजना को पारित करता है।

–सूर्यप्रताप सिंह राजावत,
अधिवक्ता, राजस्थान उच्च न्यायालय

भामाशाह ने बेड़च नदी के पुल की मरम्मत करवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। सरकारी तंत्र और अधिकारियों की निष्क्रियता के बीच समाज के लोगों ने यह दिखा दिया कि अगर इच्छाशक्ति हो तो कोई भी कार्य असंभव नहीं है। बरूंदनी-बड़लियास मार्ग पर बहने वाली बेड़च नदी पर बने पुराने पुल की हालत जर्जर हो चुकी थी। आए दिन इस पुल पर वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनायें सामने आ रही थी। स्थानीय लोगों ने कई बार प्रशासन को पुल की मरम्मत के लिए अवगत करवाया, लेकिन सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने कोई ध्यान नहीं दिया। ऐसे में सिंगोली बरून्दनी क्षेत्र के समाजसेवी और भामाशाह घनश्याम राठी आगे आए और उन्होंने इस समस्या को खुद सुलझाने की ठानी। राठी ने अपने खर्चे से पुल पर बने खड्डों की मरम्मत करवाने का निर्णय लिया। मंगलवार की सुबह वे स्वयं मजदूरों और राजमिस्त्री के साथ मौके पर पहुंचे और मरम्मत कार्य की शुरुआत की। सुबह नौ बजे से दोपहर बारह बजे तक चले इस अभियान में पुल पर बने गहरे खड्डों को सीमेंट-कंक्रीट से भरा गया। राठी खुद मरम्मत कार्य की निगरानी करते रहे और मजदूरों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते रहे।

मरम्मत कार्य को देखकर आसपास के ग्रामीण भी प्रेरित हुए और कई लोगों ने श्रमदान में भाग लिया। इस अवसर पर कोटड़ी के पूर्व प्रधान विजयसिंह के मार्गदर्शन में बड़लियास के पूर्व सरपंच सत्यनारायण काबरा, मयूर मिस्त्री, कालू लाल जायसवाल भी मौके पर पहुंचे और श्रमदान किया। इन्हें देखकर नानूराम गंवारिया, कालू लाल पालीवाल, ओमप्रकाश शर्मा, राजेश जायसवाल, और शंकर खटीक भी आए और पुल की मरम्मत में हाथ बंटाया। तीन घंटे की मेहनत में पुल के सभी प्रमुख खड्डे भर दिए गए और पुल फिर से वाहनों की आवाजाही के लिए सुरक्षित बन गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 9 अक्टूबर, 2025

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, भरणी नक्षत्र रात्रि 8:03 तक, वज्र योग रात्रि 9:32 तक, वणिज करण दिन 12:39 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 1:23 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-मेष, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-कुम्भ राशि में।

आज यमघट योग रात्रि 8:03 से सूर्योदय तक है। भद्रा दिन 12:39 से रात्रि 10:55 तक रहेगी। आज शुक्र कन्या में दिन 10:49 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:54 तक, चर 10:47 से 2:14 तक, लाभ-अमृत 2:14 से 3:08 तक, शुभ 4:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:27, सूर्यास्त 6:02

मेष
मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है। मन:स्थिति ठीक रहेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

वृष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

धनु
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

मीन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सार-समाचार

युवा महोत्सव की जिम्मेदारी सौंपी

नोहर, (निसं)। राजस्थान युवा बोर्ड (युवा मामले एवं खेल विभाग, राजस्थान सरकार) ने जिला स्तर पर आयोजित होने वाले युवा महोत्सव के लिए नोहर निवासी सक्रिय युवा समाजसेवी राहुल व्यास को हनुमानगढ़ जिले का जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जयपुर स्थित सवाई मानसिंह स्टेडियम से 8 अक्टूबर 2025 को जारी आदेश में उनकी नियुक्ति की पुष्टि की गई।राज्य सरकार की बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के बिंदु संख्या 13 के अंतर्गत प्रदेशभर में जिला, संभाग और राज्य स्तर पर युवा महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। इस आयोजन का उद्देश्य राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक कला विधाओं को संरक्षित करना तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढावा देना है। राहुल व्यास अब जिले में इस महोत्सव की तैयारियों का समन्वय करेंगे। वे युवाओं को पंजीकरण के लिए प्रेरित करेंगे और शिक्षा विभाग व स्थानीय संगठनों के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाने का कार्य करेंगे।युवा महोत्सव में लोक नृत्य, लोक गायन, पारंपरिक कला प्रदर्शन, विज्ञान एवं नवाचार आधारित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। राहुल व्यास की नियुक्ति से नोहर सहित जिले के युवाओं में उत्साह का माहौल है और यह उम्मीद जताई जा रही है कि उनके नेतृत्व में हनुमानगढ़ जिले का युवा महोत्सव उत्कृष्ट स्तर पर आयोजित होगा।

खाद्य सामग्री का निरीक्षण कर सैंपल लिये

नोहर, (निसं)। दीपावली के त्यौहार के मध्यनजर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत यहां खाद्य सामग्री का निरीक्षण कर पाँच सैंपल संग्रहित किए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने दीपावली पर्व के चलते खाद्य सामग्री का विक्रय करने वाले व्यवसाइयों को शुद्ध खाद्य सामग्री बनाने, बेचान करने एवं संस्थान पर साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं आमजन को भी जागरुक रहकर गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री बिल सहित क्रय करने की अपील की है। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि दीपावली त्यौहार के चलते बाजार में बड़ी मात्रा में दूध, मावा की मिठाइयां बनाकर विक्रय की जाती है। इसी के चलते आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण श्रीमती टी. शुभमंगला के निर्देशानुसार जिले में शुद्ध आहार-मिलावट पर वार अभियान के तहत नोहर में कई दुकानों की जांच कर सैम्पल संग्रहित किए गए। उन्होंने बताया कि नोहर में मैसर्स स्वामी स्वीट् हाउस से रसगुल्ला एंव मावा मैसर्स नवीन देषी घी भण्डार से घी (मदर बेस्ट ब्राण्ड) मैसर्स हरी स्वीट्स से मिल्क केक (मावा मिठाई) एंव बूंदी लड्डू (घी से निर्मित) के सैम्पल संग्रहित किए गए। निरीक्षण दल में एफएसओ रफीक मोहम्मद, एफएसओ सुदेश कुमार गर्ग, सहायक कर्मचारी हीरावल्लभ, गार्ड रणवीर शामिल रहे।

कॉफी पर कन्वर्सेशन कार्यक्रम आयोजित

सीकर (निसं)। एन एच 52 स्थित स्वामी केशवानन्द शिक्षण संस्थान समूह के आरबीएसई कैम्पस में एक नवीन पहल देखने को मिली। बोर्ड विद्यार्थियों के साथ शैक्षिक सुधार व गुणवता पूर्ण शिक्षा देने के लिए परिणाम में आये उत्कृष्ट विद्यार्थियों के साथ संस्थान निदेशक रामनिवास ढाका ने कॉफी के साथ विद्यार्थियों से उत्कृष्ट परिणाम में ओर सुधार व शिक्षण के दौरान आने वाली सूक्ष्म समस्याओं के निराकरण हेतु विद्यार्थियों के सुझाव लिये, एवम् उनके निराकरण हेतु आरबीएसई प्राचार्य डां. विजेन्द्र सिंह व बोर्ड कक्षाओं के इंचार्जो के साथ विस्तृत वार्ता की। निदेशक ने बताया कि आगामी आने वाले समय पर शिक्षण में सूक्ष्म सुधार करने से गुणवतापूर्ण शिक्षा दी जा सकती है। इस हेतु संस्थान संकल्पबद्ध है और नवीन तकनिकीयों के माध्यम से डिजीटल बोर्ड, ए आई का प्रयोग अतिआवश्यक हो गया है। जिसके लिए विद्यार्थी एवं शिक्षक दोनों को अपडेट होने की जरूरत है। जिससे कि परिणामों में धनात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। परिचर्चा के दौरान सभी उत्कृष्ट विद्यार्थियों ने अपनी समस्याओं व सुझावों से निदेशक को अवगत करवाया व कॉफी के साथ कन्वर्सेशन किया।

बच्चों को सर्दी के लिये कपड़े वितरित

झुंझुनूं, (निसं)। महावीर इंटरनेशनल सनराइज द्वारा संस्था संरक्षक वीर डॉ. एसके भार्गव के सौजन्य से स्वर्गीय अंजना भार्गव एवं कुशान भार्गव की स्मृति में राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढाणी व्यापारियान अफसाना जोहड के 40 जरूरतमंद बच्चों को सर्दी से बचाव के लिए गर्म कोट टोपी सहित वितरण किए गए। साथ ही स्नेक्स, बिस्किट, टोफिया वितरण की गई। बच्चों का गर्म कोट पहनकर खुशियों का ठिकाना नहीं रहा। कार्यक्रम में संस्था चेयरमैन डॉ. उम्मेदसिंह शेखावत, जोन चेयरमैन डॉ. एसएन शुक्ला, डॉ. एसके भार्गव, डॉ. नरेंद्रसिंह नरूका, निवर्तमान अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष जीसीएम श्यामसुंदर जालान, निवर्तमान जोन चेयरमैन जीसीएम नागरमल जांगिड, अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेश कुमार मूंड, राजेंद्रप्रसाद जोशी, देवेंद्र कुमार गौड, शिव प्रसाद महर्षि, प्रदीप कुमार शुक्ला, अशोक कुमार शर्मा, सीताराम सैनी, विद्यालय स्टाफ एवं काफी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

मेधावी गिलु का राज्य स्तर पर चयन

झुंझुनूं, (निसं)। स्थानीय राजस्थान पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय गणपति नगर झुंझुनूं के मेधावी छात्र गिलु पुत्र विक्रम पोसवाल कक्षा 8 का जिला मुख्यालय स्थित शहीद कर्नल जेपी जानूं उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय विज्ञान मेले में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विद्यालय में खुशी की लहर है। प्रधानाचार्य शुभकरण खीचड़ ने बताया कि गिलु शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ सहशैक्षिक गतिविधियों में भाग लेता रहा है। प्रतिभावान विद्यार्थी का जिला स्तरीय विज्ञान मेले में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन होने पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया, सचिव इंजी. पीयूष ढूकिया, शुभकरण खीचड़, निधि सिहाग ने प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। गिलु आगामी राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में झुंझुनूं का प्रतिनिधित्व राज्य स्तर पर करेंगे। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ मंगलाराम जांगिड, सुभाष बिलखीवाल, सुशील कुमार फगेड़िया उपस्थित थे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई

नोहर, (निसं)। यहां भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता सोनू सारसूत के नेतृत्व में आज मटोरिया भवन में महर्षि वाल्मीकि जयंती के उपलक्ष में कार्यक्रम हुआ जिसमें आये हुए वक्ताओं ने बताया की महर्षि वाल्मीकि रामायण के रचयिता थे, उनकी जयंती पूरे भारतवर्ष में मनाई जा रही है और वाल्मीकि मोहल्ले के अंदर भी रात्रि को जागरण रखा गया है, ऐसे महान संत के बताए गए मार्ग पर चलकर जीवन कै सार्थक कर पुण्य की प्राप्ति की जा सकती है। इस अवसर पर पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष वसंत तिवाड़ी, पार्षद छोटू लाल सेवग, बलजीत मलिक, पूर्व मंडल महामंत्री मोहनलाल डाबी, ओम प्रकाश लालवानी,पार्षद संतलाल रेगर पूर्व मंडल उपाध्यक्ष राकेश हिसारिया, रतनलाल रेगर, मोर्चा अध्यक्ष संजय बागडी, सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

फरार वारंटी गिरफ्तार

बीदासर (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव के निर्देशानुसार फरार अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत सुजानगढ़ एएसपी दिनेश कुमार डीएसपी प्रहलाद राय के निर्देशन में थानाधिकारी मुकुट बिहारी मीणा ने टीम का गठन कर एक फरार वांरटी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी मीणा के अनुसार वांरटी राजूराम पुत्र मोहन लाल कांजर निवासी सडू छोटी पुलिस थाना सांडवा जो काफी काफि समय से घर व निवास स्थान पर दबिश देने के बावजूद गिरफ्तार नही किया जा सका। गिरफ्तार हेतु परम्परागत तरिकों से आसूचना संकलन व साइबर सैल चूरू के सहयोग से बुधवार को गिरफ्तार किया है। वांरटी की गिरफ्तार में कांस्टेबल रामरतन, एचसी अविनाश, कांस्टेबल जयवीर, राजकुमार की विशेष भूमिका रही।

फसलों के नुकसान का जायजा लिया

बीदासर (निसं)। क्षेत्र में बेमौसम की हुई बरसात से बीदासर पंचायत समिति प्रधान संतोष मेघवाल ने बुधवार को पंचायत क्षेत्र के गांव बालेरा, रूपेली, दूंकर व बीदासर ग्रामीण क्षेत्र का दौरा कर अतिवृष्टि से खेतों में हुए फसलों के नुकसान का जायजा लिया और अतिवृष्टि से हुए किसानो के नुकसान के बारे में उच्चाधिकारियों को अवगत करवाया। प्रधान मेघवाल के साथ बीदासर भाजपा नगर अध्यक्ष राजेश सोनी, जिला प्रवक्ता अरूण तिवारी, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनिवास माली, मंडल महामंत्री ललित माली, पार्षद मांगीलाल प्रजापत, कमल माली, सुरेंद्र सुथार, श्रीकृष्ण तेजस्वी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता साथ थे।

हर ग्राम पंचायत में बनेगा खेल मैदान : यू.डी.एच. मंत्री खर्रा

सीकर, (निसं)। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि राज्य सरकार ने संपूर्ण राजस्थान की प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान आवंटित किए हैं। जिन ग्राम पंचायतों में अब तक खेल मैदान नहीं बने हैं, सरकार शीघ्र ही ऐसे ग्रामों में भी खेल मैदान निर्माण कार्य प्रारंभ करेगी। यूडीएच मंत्री खर्रा बुधवार को जिले के दांता में अंतर महाविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में बोल रहे थे। उद्घाटन मैच केम्ब्रीज पीजी गर्ल्स कॉलेज कांवट ओर ग्रामीण पीजी कॉलेज सीकर के मध्य खेला गया जिसमें ग्रामीण पीजी कॉलेज सीकर ने 7 पोइंट से मैच जीता।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगरीय विकास एवं स्वायत शासन राज्य मंत्री खर्रा ने कहा कि खेल को सदैव खेल की भावना से खेलना चाहिए तथा जीत और हार को समान भाव से स्वीकार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीत प्रेरणा देती है और हार हमें सीखने का अवसर प्रदान करती है।

यूडीएच मंत्री खर्रा ने कहा कि शहरी सेवाओं से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए राज्य सरकार ने पहले ही गाइडलाइन जारी कर दी है। यदि कोई अधिकारी विकास कार्यों में बाधा डालता है, तो उसके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बार आयोजित शहरी सेवा शिविरों का उद्देश्य

नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने दांता में अंतर महाविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

कमजोर आर्थिक वर्ग के वास्तविक पात्र लोगों को लाभ पहुंचाना है, न कि धनाढ्य वर्ग को फायदा देना हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में नगरपालिकाओं में रिक्त चल रहे अधिशाषी अधिकारी पदों को लेकर बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग से चयनित 111 अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जो 20 अक्टूबर तक पूरा हो जाएगा। इसके बाद प्रत्येक नगरपालिका में नियमित अधिकारी पदस्थापित कर दिए जाएंगे।

यूडीएच मंत्री खर्रा ने बताया कि राज्य सरकार ने जर्जर भवनों के नवीनीकरण का निर्णय लिया है तथा जो भवन अत्यधिक खराब स्थिति में हैं, उन्हें अन्यत्र स्थानांतरित करने की स्वीकृति दी गई है। अब प्रत्येक वर्ष सरकारी भवनों की सुरक्षा जांच कराई जाएगी। साथ ही सरकारी एवं निजी अस्पतालों में फायर सेफ्टी जांच अनिवार्य रूप से की जाएगी।

खंडेला विधायक सुभाष मील ने कहा कि आज का दौर कड़ी स्पर्धा का दौर है, खिलाडियों को जब भी मौका मिले खेल में अनुशासन के साथ अपना शत-प्रतिशत योगदान देते हुए निश्चित लक्ष्य लेकर आगे बढे जिससे सफलता आपके कदम चूमेगी। इस अवसर पर कॉलेज निदेशक सुरेश शर्मा, धोद विधायक गोवर्धन वर्मा, राजेंद्र सिंह खाचरियावास, दांतारामगढ़ प्रधान प्रतिनिधि प्रभु सिंह शेखावत, दांतारामगढ़ एसडीएम मोनिका सामौर, तहसीलदार महिपाल सिंह राजावत, पुलिस उपाधीक्षक कैलाश कंवर राठौड सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मंच संचालन पी डी कुमावत तथा पवन शर्मा ने किया।

ब्रह्मोत्सव कार्यक्रम धूमधाम से मनाया

खिरोड़, (निसं)। धार्मिक तीर्थ स्थल लोहार्गल धाम में चल रहे ब्रह्मोत्सव कार्यक्रम के दौरान प्रमुख उत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर के महंत स्वामी अश्विनी आचार्य ने बताया कि इस धार्मिक कार्यक्रम का प्रमुख उत्सव कल्याण उत्सव के रूप में मनाया गया। इस दौरान भगवान श्री वेंकटेश की खास चौक से श्री वेंकटेश बालाजी मंदिर में धूमधाम से बारात निकाली गई। इसके बाद लक्ष्मी-वेंकटेश व गोदा-रंगनाथ का पानी ग्रहण संस्कार संपन्न हुआ। इस दौरान संत महात्माओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लोहार्गल धाम के सूर्य मंदिर के महंत अवधेशाचार्य महाराज, महावीर जती महाराज, कोट बांध की साध्वी डॉ. योगश्री नाथ महाराज, राम प्रपन्नाचार्य महाराज, गोपालदास महाराज सहित विभिन्न संत महात्माओं का सम्मान किया गया।

साक्षरता से लोकतंत्र सशक्त होगा : एडीएम

सीकर (निसं)। अतिरिक्त जिला कलेक्टर रतन कुमार ने जिला स्तरीय साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में कहा कि साक्षरता कार्यक्रम जन चेतनाका कार्यक्रम हैं।

साक्षरता को व्यावहारिक जीवन में जीना चाहिये। स्वयंसेवकों को चाहिये कि लर्नर्स को नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्धारित विषय साक्षर होना, पढना लिखना और संख्या ज्ञान जैसे बुनियादी आवश्यकता के साथ-2 लोकतंत्र में सहभागिता व सामाजिक चेतना, वृद्वजनों का मान-सम्मान व सामाजिक सरोकार बढायें। उन्होंने कहा कि डिजीटल एजूकेशन में बच्चों को गलत ऐप से बचाने व वृद्वजनों को साइबर फ्रॉड से सुरक्षित रखने के लिए अभिभावकों को प्रेरित करें।

कार्यक्रम संयोजक जिला साक्षरता एवं सतत् शिक्षा अधिकारी डॉ. चन्द्र प्रकाश महर्षि ने बताया कि हमारे शिक्षार्थी कार्यकुशल, अनुभवी एवं शब्द भण्डार वाले है। उनका सम्मान करते हुए उन्हें गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिये।

उन्होंने कहा कि नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थय शिक्षा, मताधिकार प्रयोग जागरूकता, कानूनी जानकारी, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता एवं लोक जीवन की शिक्षा के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण एवं गरिमामय जीवन जीने का मार्ग प्रशस्त करता है।

जिला शिक्षा अधिकारी प्रांरभिक सुरेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि शिक्षार्थियों को नव भारत साक्षरता कार्यक्रम से शिक्षित होने पर से मा.शिक्षा की परीक्षा से सहभागिता कर उच्च शिक्षा व व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिये।

राकेश कुमार लाटा एडीपीसी ने उद्बोधन में ईचवन-टीचवन के माध्यम से गाँव-गाँव गली-गली तक पहुंचकर साक्षरता की अलख जगाने के लिए कार्ययोजना पर चर्चा की।

कार्यशाला में दक्ष प्रशिक्षक रवि कुमार जोशी पिपराली व अभिषेक वर्मा दांतारामगढ़ ने उपस्थित समस्त प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण दिया। मुकेश कुमार ने लर्नर्स के नामांकन, परिणाम व कार्यालय पद्धित पर प्रकाश डाला।

वित्तीय प्रावधानों की जानकारी दिनेश सैनी ने दी व महात्मा गांधी पुस्तकालय की उपयोगिता व रख-रखाव के बारे में बताया। राजेन्द्र महला व भारत सैन ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार जेमन, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (प्रा) सज्जन सिंह व समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, उनके प्रतिनिधि, बी.सी. तथा दक्ष प्रशिक्षक उपस्थित रहें।

सांसद विधायक ने लाछड़सर में विकास कार्यों का उद्घाटन किया

राजलदेसर (निसं)। राजलदेसर कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत लाछडसर में एक करोड़ 10 लाख रुपए के विकास कार्यों का उद्घाटन लोकसभा सांसद राहुल कस्वां, रतनगढ़ विधायक पूसाराम गोदारा, सरपंच धापू देवी के कर कमलो से उद्घाटन समारोह का आयोजन हुआ।

जिसमें सिटी पार्क ग्राम पंचायत की ओर से 50 लाख रुपए की लागत से, सार्वजनिक डिजिटल लाइब्रेरी 20 लाख रुपए की लागत से, सांसद कोटे से शहीद भगत सिंह स्टेडियम में कमरा हाल का निर्माण 10 लाख रुपए की लागत से, विधायक कोटे से शहीद भगत सिंह स्टेडियम में हाई मार्क्स लाइट एवं मेघवाल शमशान भूमि की चार दिवारी निर्माण 11 लाख रुपए की लागत से, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कमरा हॉल निर्माण पंचायत समिति की ओर से, स्वर्गीय लिछमादेवी रामेश्वर लाल सहू की स्मृति में 10 लाख रुपए की लागत से राजकीय चिकित्सालय में एंबुलेंस उपलब्ध करवाई आदि विकास कार्यों का उद्घाटन किया गया । इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चूरू सांसद राहुल कस्वां ने कहा कि युवा सरपंच ने ग्राम पंचायत में जो विकास कार्य करवाए हैं उनको आने वाली पीढियां हमेशा याद रखेगी।

सांसद ने कहा पंचायत में जो कार्य किए हैं इनको देखकर लगता है शायद

ग्राम पंचायत लाछडसर में एक करोड़ 10 लाख रुपए के विकास कार्यों का उद्घाटन सांसद राहुल कस्वां, विधायक पूसाराम गोदारा, सरपंच धापू देवी के द्वारा किया गया।

कहीं बड़ी जगह के अंदर यह विकास कार्य हुए हैं उन्होंने कहा मेरे लायक जो भी कार्य होगा हमेशा तैयार रहूंगा। साथ ही सडक निर्माण को लेकर उन्होंने कहा मैंने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी से व्यक्तिगत मुलाकात की है। साथ ही जिला कलेक्टर को भी अवगत करवा दिया गया है। इसके लिए पूरा प्रयास किया जाएगा एवं शानदार सड़क का निर्माण करवाया जाएगा।

इस अवसर पर रतनगढ विधायक पूसाराम गोदारा ने कहा युवा सरपंच धापू देवी के द्वारा जो ग्राम पंचायत में विकास कार्य करवाए गए हैं इसके लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है। साथ ही मेरे द्वारा इस पंचायत में अपने विधायक कोटे की धनराशि से नवनिर्मित विकास कार्यों का उद्घाटन किया है। इस अवसर पर उन्होंने शहीद भगत सिंह स्टेडियम में एक बडी हाई मार्क्स के लाइट लगाने की और घोषणा की। इसके अलावा मेघवाल बस्ती में चारदीवारी निर्माण कार्य की घोषणा की। इसके अलावा एक पीने के पानी का ट्यूबवेल लगाने की घोषणा की। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि गोपाल सहू, जगदीश सहू ने 5 साल के कार्यकाल के अंदर हुए विकास कार्यों के बारे में अवगत करवाया एवं बच्चों को खेलने के लिए शानदार स्टेडियम का निर्माण करवाया जो की राजस्थान में पंचायत क्षेत्र में बहुत ही शानदार स्टेडियम देखने को आपको मिल रहा है आने वाले समय में इसको और अच्छा लुक देने की पूरी कोशिश करेंगे। इस अवसर पर आए हुए अतिथियों का साफा, प्रतीक चिन्ह, माला पहनाकर स्वागत किया।

कार्यक्रम में कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंद्राज खीचड, पूर्व प्रधान गिरधारी लाल बांगडवा, चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर सारिका चौधरी,भानी राम मेघवाल, मनफूल टांडी, जिला परिषद सदस्य मालीराम सारस्वत, उप सरपंच अंजू देवी राव, पंचायत समिति सदस्य मंजू देवी सहू, भगवान दास स्वामी, सुल्ताना राम राव, श्रवण सहू सहित सैकड़ों ग्राम वासी उपस्थित थे।

बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का शुभारंभ

सीकर (निसं)। श्री कल्याण राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सीकर में तीन दिवसीय जिला स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का शुभारंभ बुधवार को हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पिलानी के निदेशक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक पी.सी. पंचारिया रहे। इस अवसर पर पूर्व विधायक रतन जलधारी, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश जैमन, अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक राकेश लाटा, संयुक्त निदेशक संपत सिंह, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पिपराली दुर्गा, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जयदेव सिंह राठौड, सहायक निदेशक समसा राकेश गढवाल, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक सुरेंद्र सिंह शेखावत, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक सज्जन सिंह तथा जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक विक्रम सिंह उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। मुख्य वक्ता पी.सी. पंचारिया ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि विद्यालय शिक्षा में विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को शोध, प्रयोग और नवाचार की दिशा में मोडना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों में निहित कल्पनाशक्ति को प्रोत्साहित कर यदि उन्हें प्रयोगों के अवसर दिए जाएँ, तो वे भविष्य में विज्ञान के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारतीय वैज्ञानिक परंपरा अत्यंत समृद्ध रही है और आज आवश्यकता है कि प्राचीन विज्ञान के तथ्यों को आधुनिक अनुसंधान के माध्यम से पुनः स्थापित किया जाए।

विज्ञान भारती सीकर के जिला संयोजक मनोज कुमार पारीक एवं उनकी टीम ने पंचारिया का दुपट्टा और पुस्तक भेंट कर सम्मान किया। मेला प्रभारी रितु बाजिया ने जानकारी दी कि इस तीन दिवसीय विज्ञान मेले में कुल 375 बाल वैज्ञानिकों ने पंजीकरण कराया है। मेले में क्विज, मॉडल और सेमिनार प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनसे 18 प्रतिभागियों का चयन प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। विद्यालय के प्रधानाचार्य विवेक जांगिड ने सभी अतिथियों को दुपट्टा और पुस्तक भेंट करते हुए उनका स्वागत कर कहा कि ऐसी प्रदर्शनियाँ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार एवं खोज की भावना को विकसित करती है।

सार-समाचार

नगर पालिका का घेराव किया

नोहर, (निसं)। नगर पालिका की ओर से अतिक्रमण के नाम पर कथित तौर पर गरीबों के आशियाने हटाने के विरोध में तथा रेहडी वालों को रोजगार के लिए जगह देने सहित चार सूत्री मांग पत्र को लेकर बुधवार को नगर पालिका का घेराव किया गया। इससे पूर्व आंदोलनकारी यहां भगवान महावीर पार्क में एकत्रित हुए। यहां से नारेबाजी करते हुए सभी नगर पालिका कार्यालय पहुंचे। यहां आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि नगर पालिका प्रशासन अतिक्रमण हटाने के नाम पर गरीबों के आशियाने तोड़ रहा है यही नहीं, प्रशासन द्वारा हाथ रेडी चालकों को भी अतिक्रमण के नाम पर उजाड़ा जा रहा है, जिसके चलते उनके समक्ष पिछले 15 दिनों से रोजगार का संकट आ खड़ा हुआ है। वक्ताओं ने कहा कि प्रशासन जहां अतिक्रमण की बात कह रहा है वहां गरीब मजदूरों ने पैसे देकर प्लाट खरीदे हैं, जिनके नगर पालिका द्वारा पट्टे भी बनाए गए हैं। उन्होंने प्रशासन पर गरीबों को प्रताडित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिन्होंने प्लांट बेचे हैं उनके विरुद्ध भी कार्रवाई होनी चाहिए। इसके अलावा वक्ताओं ने रेलवे स्टेशन व शिवाजी बस स्टैंड के आसपास रेहडी लगाने वाले मजदूरों का पक्ष रखते हुए कहा कि प्रशासन उन्हें भी सड़क चौड़ी करने के नाम पर हटा दिया गया है, जिसके चलते उन गरीबों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट आ खड़ा हुआ है। एक ओर जहां दीपावली त्यौहार की तैयारियां चल रही है वहीं दूसरी ओर इन मजदूरों के सामने रोजी रोटी का संकट आ खड़ा हुआ है। वक्ताओं ने प्रशासन से रेहडी चालकों को यथा स्थान पर जगह आवंटित करने की मांग की। इस मौके पर महेश कौशिक, पार्षद कामरेड इरफान रावण, नियामत अली, आरिफ टाक आदि ने सभा को संबोधित किया। इसके बाद उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव से इन मांगों पर वार्ता भी हुई जो कि सहमति न बनने के कारण बेनतीजा रही।

प्रतियोगिता में छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

नोहर, (निसं)। यहां के श्रीमती नर्बदा देवी बिहानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की छात्राओं का शानदार प्रदर्शन रहा। महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता सत्र 2025-26 में श्रीमती नर्बदा देवी बिहानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, नोहर की छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया। महाविद्यालय की निशा (53 किलोग्राम वर्ग) ने बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता। जबकि मनीषा (50 किलोग्राम वर्ग) ने शानदार प्रदर्शन कर कांस्य पदक अपने नाम किया। इसी क्रम में आयोजित महिला खो-खो प्रतियोगिता में भी महाविद्यालय की टीम ने उम्दा खेल भावना और टीमवर्क का परिचय देते हुए तीसरा स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया। महाविद्यालय परिवार ने सभी विजेता छात्राओं को उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ अमर सिंह मनपुरिया ने छात्राओं के इस प्रदर्शन को महाविद्यालय की खेल प्रतिभाओं के परिश्रम और समर्पण का परिणाम बताया और उन्हें आगे राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर डॉ अमर सिंह मनपुरिया, डॉ. सबलानिया, डॉ. बलदेवा राम महर्षि,, डॉ. कृष्ण कांसोटिया, खेल प्रभारी सुरेश बामणिया, विक्रम सिंह नुईयां, सुनीता अरोड़ा, अनीश शक्रवाल, राजेश पारीक, राजेश चारण, किशन सैनी, सागर,अनिल,आदि मौजूद रहे।

एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

नोहर, (निसं)। कस्बे की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर उपखंड अधिकारी राहुल श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने से पहले सभी कार्यकर्ता बिहाणी स्टेडियम में एकत्रित हुई और सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए रैली के रूप में उपखंड कार्यालय पहुंची। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि अगर उनकी जायज मांगों का समाधान जल्द नहीं किया गया, तो वे चरणबद्ध आंदोलन की राह अपनाने को मजबूर होंगी। उन्होंने कहा कि वे वर्षों से बच्चों और माताओं के पोषण, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े संवेदनशील कार्यों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभा रही हैं, लेकिन सरकार उनकी मेहनत का उचित मूल्य नहीं दे रही। ज्ञापन में कहा गया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता जनगणना, सर्वेक्षण, चुनाव, टीकाकरण जैसे सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, फिर भी उन्हें न्यूनतम मानदेय पर काम करना पड़ता है। बढ़ती महंगाई के इस दौर में यह मानदेय अत्यंत अपर्याप्त है। कार्यकर्ताओं ने यह भी मांग की कि सेवा पूरी होने के बाद उन्हें पेंशन या आर्थिक सहायता जैसी सुविधाएं दी जाएं तथा नियमित कर्मचारी का दर्जा प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने जल्द सकारात्मक कदम नहीं उठाए, तो प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा।इस अवसर पर ऊमा, माया, मोहिनी, रोशनी, सोना देवी, कृष्णा, लिछमा, प्रतिभा सहित अनेक आंगनबाडी कार्यकर्ता उपस्थित रही।

बालीवॉल प्रतियोगिता 12 अक्टूबर को

सीकर (निसं)। जिला बालीवॉल संघ में जिला स्टेडियम एवं लांबा स्टेतडियम में 12 अक्टूबर को पुरूष/महिला की जिला स्तररीय एक दिवसीय बालीवॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।संघ का अध्यक्ष ईश्वर सिंह एवं सचिव हुलास तिवाड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी मूल आधार कार्ड, निवास प्रमाण पत्र एवं मार्कशीट की कॉपी साथ लेकर आये नहीं तो इनके अभाव में जिले की टीम में चयन नहीं होगा। प्रतियोगिता में अपनी टीम के भाग लेने की सूचना 11 अक्टूबर को साय काल तक जलदाय विभाग के मदन लाल शर्मा, खेल अधिकारी प्रकाश गोदारा, चन्दकीराम सामोता को खेल मैदान पर देनी होगी। प्रमाण पत्रों के अभाव में कोई भी खिलाड़ी भाग नहीं ले सकेगा। उपरोक्ती प्रतियोगिता में चयनित खिलाडी चूरू में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेगा जो खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग लेंगे वे जिले की निवासी होना जरूरी है।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ़ (राज)

क्रमांक -न.पा.रा./भू./2025/ दिनांकः 08/10/2025

आपति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मन्जू पत्नि श्री मनोहर लाल जाति मेघवाल साकिन वार्ड नं.31 रावतसर जिला हनुमानगढ़ ने बैयनामा से प्राप्त भूखण्ड के दस्तावेजों की फोटोप्रति प्रस्तुत कर आवासीय भूखण्ड साईज 2167.50 वर्गफुट का नामान्तरण अपने नाम से पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है। जिसका मूल पट्टा नगरपालिका रावतसर द्वारा श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री गुरदयाल सिंह जाति जटसिख के नाम से साईज 2167.50 वर्गफुट का जारीशुदा है। श्री बलजीत सिंह ने उक्त भूखण्ड जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 28.08.2025 द्वारा श्रीमती मंजू पत्नि श्री मनोहरलाल को बैचान कर दिया। जिसका प्रार्थीया अपने नाम से नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाना चाहती है। अतः उक्त आवासीय आवासीय भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपती पर कोई विचार नही किया जावेगा।

रजनीश चौधरी,
अधिशाषी अधिकारी,
नगरपालिका रावतसर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर जिला हनुमानगढ़ (राज)

क्रमांक -न.पा.रा./भू./2025/ दिनांकः 08/10/2025

आपति सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती संतोष पत्नि श्री कुलदीप जाति अरोड़ा निवासी वार्ड नं.12 रावतसर जिला हनुमानगढ़ ने बैयनामा से प्राप्त भूखण्ड के दस्तावेजों की फोटोप्रति प्रस्तुत कर सैक्टर इन्दिरा मार्केट भूखण्ड सं.05 साईज 10' गुणा 10' यानि 100 वर्गफुट का नामान्तरण अपने नाम से पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन किया है। जिसका मूल पट्टा नगरपालिका रावतसर द्वारा श्री जयराम पुत्र श्री रूपाराम जाति मेघवाल के नाम से साईज 10' गुणा 10' फुट का जारीशुदा है। श्री जयराम ने उक्त भूखण्ड जरिये वपंजीकृत बैयनामा दिनांक 31.01.2011 द्वारा उक्त भूखण्ड श्रीमती संतोष पत्नि श्री कुलदीप को बैचान कर दिया। जिसका प्रार्थीया अपने नाम से नामान्तरण पालिका रिकोर्ड में दर्ज करवाना चाहती है। अतः उक्त व्यवसायिक भूखण्ड का नामान्तरण दर्ज करने में अगर किसी को कोई आपति हो तो इस सूचना के समाचार पत्र में प्रकाशन होने के 07 दिवस की अवधि में अपनी आपति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त आपती पर कोई विचार नही किया जावेगा।

रजनीश चौधरी,
अधिशाषी अधिकारी,
नगरपालिका रावतसर

कार्यालय नगरपरिषद, चूरू (राजस्थान)

क्रमांक : न.प./चूरू/ भूमि शाखा/2025-26/18038290 दिनांक : 28.09.2025

सार्वजनिक विज्ञप्ति (आपति आमन्त्रण-पत्र)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न लिखित आवेदकगण द्वारा निम्नांकित विवरण-पत्र में अपने नाम के सम्मुख अंकित कार्यो की स्वीकृति हेतु इस कार्यालय को अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है, अतः इस संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था/हितधारक को कोई आपति् हो तो उक्त सार्वजनिक विज्ञप्ति के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर उपर्युक्त साक्ष्य सहित अपनी लिखित आपति् निम्न अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पर प्राप्त आपति्यों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार प्रकरण का निस्तारण संबंधित आवेदकगण के पक्ष में कर दिया जावेगा :-

क्र. सं.	पत्रावली क्रमांक	नाम आवेदक/आवेदिका	आवेदित भूमि की अवस्थिति	भूखण्ड का क्षेत्रफल	खसरा नं.	प्लाट संख्या	अपेक्षित स्वीकृति
01	4886	श्रीमती संगीता पत्नी श्री विकास दनेवा	सैक्टर प्रथम घनश्याम विहार चूरू	185.87 वर्गमीटर	807	भूखण्ड संख्या 228	कृषि नियमन
02	4887	श्रीमती संगीता पत्नी श्री विकास दनेवा	सैक्टर प्रथम घनश्याम विहार चूरू	185.87 वर्गमीटर	807	भूखण्ड संख्या 241	कृषि नियमन
03	4890	श्री राधेश्याम पुत्र श्री मुमनाराम	भूतिया बास चूरू	444.23 वर्गमीटर	330	-	कृषि नियमन
4	4891	श्री श्यामसुन्दर सैनी पुत्र श्री राधेश्याम सैनी	भूतिया बास चूरू	443.92 वर्गमीटर	330	-	कृषि नियमन
5	4898	श्री सांवताराम पुत्र श्री शेराराम	भूतिया बास चूरू	371.75 वर्गमीटर	356,357	-	कृषि नियमन
6	4899	श्री मनोज कुमार जांगिड़ पुत्र श्री लिखमाराम	सैक्टर प्रथम घनश्याम विहार पुनियां कॉलोनी चूरू	185.87 वर्गमीटर	818	-	कृषि नियमन
7	239660	श्रीमती किरण कंवर पत्नी श्री उत्तम सिंह शेखावत	ओम कॉलोनी चूरू	185.87 वर्गमीटर	1041,1766/1040	-	कृषि नियमन
8	241637	श्री बनवारीलाल जांगिड पुत्र श्री मुकनाराम जांगिड	सैक्टर प्रथम घनश्याम विहार, चूरू	185.87 वर्गमीटर	818	-	कृषि नियमन
9	250999	श्रीमती शकुन्तला पत्नी श्री कमल सिंह	जैन कॉलोनी, चूरू	325.27 वर्गमीटर	1928/823	भूखण्ड संख्या 29 ए	कृषि नियमन
10	242867	श्री हनुमान सिंह सहारण पुत्र श्री खीवाराम सहारण	ओम कॉलोनी, चूरू	178.44 वर्गमीटर	1033	-	कृषि नियमन
11	248844	श्री हनुमान सिंह सहारण पुत्र श्री खीवाराम सहारण	ओम कॉलोनी, चूरू	178.44 वर्गमीटर	1033	-	कृषि नियमन
12	252655	श्री नोरगलाल पुत्र श्री गणपतराम	भूतिया बास रोही चूरू	371.74 वर्गमीटर	356,357	-	कृषि नियमन
13	251112	श्री भंवरलाल सैनी पुत्र श्री परतुराम	मनसा स्कूल एरिया के पास चूरू	133.82 वर्गमीटर	1362/823	-	कृषि नियमन
14	235610	श्री पाबुदान सिंह पुत्र श्री गिरवर सिंह	सैक्टर -2 घनश्याम विहार चूरू	185.87 वर्गमीटर	818	-	कृषि नियमन
15	235635	श्री पाबुदान सिंह पुत्र श्री गिरवर सिंह	सैक्टर -2 घनश्याम विहार चूरू	185.87 वर्गमीटर	818	-	कृषि नियमन
16	239688	श्रीमती अन्नु कंवर राठौड पत्नी श्री [illegible] सिंह राठौड	भूतिया बास	243.96 वर्गमीटर	1810,1345/347	-	कृषि नियमन

राज.संवाद/सी/25/11614 आयुक्त

राज्य सरकार ने ओपीजेएस यूनिवर्सिटी चूरू में नये प्रवेशों पर प्रतिबंध लगाया

फर्जी डिग्रियों और शैक्षणिक फर्जीवाड़े पर सख्त कार्रवाई की शुरुआत

- यूजीसी ने पहले ही ओपीजेएस सहित झुंझुनूं की जेजेटी यूनिवर्सिटी, अलवर की सनराइज यूनिवर्सिटी व अन्य को पीएचडी प्रवेश पर प्रतिबंधित किया था
- प्रतिबंधों के कारण हजारों छात्र असमंजस में हैं, कई विद्यार्थियों ने पहले से प्रवेश लिया हुआ है, और अब उनकी डिग्रियों की वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं

झुंझुनूं, (निसं)। प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था में चल रहे कथित फर्जीवाड़े और अनियमितताओं पर सरकार ने अब बड़ा कदम उठाया है। राज्य के उच्च शिक्षा विभाग ने तीन अक्टूबर को जारी आदेश में झुंझुनूं-चूरू बॉर्डर पर स्थित ओपीजेएस यूनिवर्सिटी अर्थात ओमप्रकाश जोगेंद्रसिंह विश्वविद्यालय चूरू में नए प्रवेशों पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश में विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्रियों, शोध पंजीकरण और अध्यापन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं की जांच के भी निर्देश दिए गए हैं।

फर्जी डिग्रियों और शैक्षिणक अनियमितताओं का जाल :- पिछले कुछ वर्षों में राज्य के कई निजी विश्वविद्यालयों पर कागजों पर पढ़ाई, बिना पढ़ाई/बैक डेट डिग्री वितरण और फर्जी शोध प्रमाणपत्रों के आरोप लगते रहे हैं। कई मामलों में ऐसे भी प्रकरण सामने आए हैं, जहां बिना कक्षाओं के संचालन, बिना शोध पर्यवेक्षण और बिना विवेचना समिति की अनुमति के पीएचडी डिग्रियां जारी की गई। उच्च शिक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार ओपीजेएस यूनिवर्सिटी के खिलाफ प्राप्त शिकायतों में बिना मान्यता वाले कोर्सों में प्रवेश और फर्जी डिग्रियां जारी करना, बाहरी परीक्षाओं के माध्यम से शोध डिग्री जारी करना और छात्रों से फर्जीवाड़े के माध्यम से वसूली जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

यूजीसी पहले ही दिखा चुका है सख्ती :- इससे पहले विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने 2025 में ओपीजेएस सहित राजस्थान की चार निजी विश्वविद्यालयों श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला यूनिवर्सिटी चुड़ैला झुंझुनूं, सनराइज यूनिवर्सिटी अलवर, सिंघानिया यूनिवर्सिटी झुंझुनूं पर पांच वर्षों (2025-2030) तक पीएचडी प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। यूजीसी की जांच समिति ने इन विश्वविद्यालयों के शोध कार्यक्रमों में गंभीर शैक्षिणक उल्लंघन, नकली पर्यवेक्षण, और नियम विहीन प्रवेश प्रक्रिया को चिह्नित किया था।

शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति केवल संस्थागत विफलता नहीं बल्कि उच्च शिक्षा की आत्मा पर गहरा प्रहार है। राजस्थान में बीते वर्षों में कई ऐसे विश्वविद्यालयों के नाम सामने आए, जिनका ध्यान डिग्री बेचने की दिशा में अधिक रहा, न कि शोध और ज्ञान निर्माण की ओर। शिक्षाविद् और समाजसेवी डॉ. सागर कछावा का कहना है कि फर्जी डिग्रियां और अनियमित शोध न केवल शिक्षा की गरिमा को नष्ट करते हैं बल्कि समाज की नैतिक नींव को भी कमजोर करते हैं। अब समय आ गया है कि राज्य सरकार शिक्षा को व्यवसायिक दृष्टिकोण से बाहर निकालकर उसे सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में पुनर्स्थापित करे।

छात्रों के भविष्य पर प्रभाव :- इन प्रतिबंधों के कारण हजारों छात्र असमंजस में हैं। कई विद्यार्थियों ने पहले से प्रवेश लिया हुआ है, और अब उनकी डिग्रियों की वैधता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यूजीसी और उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार ने ऐसे छात्रों को सलाह दी है कि वे प्रवेश से पहले विश्वविद्यालयों की मान्यता और मानक की स्थिति की आधिकारिक जांच अवश्य करें, ताकि भविष्य में रोजगार या उच्च शिक्षा में कठिनाई न हो।

राजस्थान सरकार का यह कदम शिक्षा में पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्ता बहाल करने की दिशा में एक निर्णायक शुरुआत माना जा रहा है। सरकार अब ऐसे सभी विश्वविद्यालयों की आंतरिक समीक्षा, वित्तीय लेखा-परीक्षा और शोध मानक मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। शिक्षा विभाग के एक अधिकारी के अनुसार हमारा उद्देश्य किसी संस्था को बंद करना नहीं है, बल्कि उन्हें शिक्षा के असली मापदंडों की ओर वापस लाना है। ताकि शिक्षा प्रणाली में विश्वास बहाल हो सके।

आगे का रास्ता :- अब नजर इस बात पर है कि प्रतिबंधित विश्वविद्यालय अपनी साख बहाल करने के लिए कौन से सुधारात्मक कदम उठाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इन संस्थानों में यूजीसी मानकों के अनुरूप शोध प्रणाली, प्रवेश में पारदर्शिता, स्थाई तथा योग्य शिक्षकों की नियुक्ति और नियमित अकादमिक ऑडिट लागू किए जाते हैं, तो यह शिक्षा जगत के लिए एक नई शुरुआत साबित हो सकती है। राजस्थान सरकार की यह सख्ती केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा के भविष्य को दिशा देने वाला निर्णायक कदम है। फर्जी डिग्रियों, नकली शोध और शिक्षा के व्यवसायीकरण की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाकर सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि शिक्षा अब कमाई का साधन नहीं बल्कि ज्ञान और नैतिकता का माध्यम होगी।

लेपर्ड की आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत

करौली, (निसं.) करौली-कैला देवी मार्ग पर स्थित मामचारी गांव और उसके आसपास के क्षेत्र में एक लेपर्ड और उसके शावकों की लगातार आवाजाही से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीण रात में अकेले बाहर निकलने से कतरा रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग और पुलिस को दी है, जिसके बाद वन विभाग ने क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी है और लोगों से सावधान रहने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से मामचारी क्षेत्र में लेपर्ड और उसके शावकों को देखा जा रहा है। उनकी उपस्थिति से क्षेत्र के निवासी गहरे भय में हैं। खासकर शाम ढलने के बाद और रात के समय ग्रामीण घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह लेपर्ड और उसके बच्चे लगातार खेतों और आबादी वाले इलाकों के करीब नजर आ रहे हैं, जिससे उनके जान-माल का खतरा बढ़ गया है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग के अधिकारियों और पुलिस को पूरे मामले की सूचना दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सक्रिय हो गए हैं। वन अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे किसी भी तरह के खतरे से बचने के लिए सतर्क रहें और अकेले घर से बाहर न निकलें। इसके साथ ही लेपर्ड के मूवमेंट को ट्रैक करने और उसकी सही स्थिति का पता लगाने के लिए वन कर्मियों ने मामचारी गांव के आसपास के कई संभावित स्थानों पर ट्रैप कैमरे भी लगाए हैं। इन कैमरों की मदद से लेपर्ड के व्यवहार और क्षेत्र की जानकारी जुटाकर उसे आबादी से दूर भेजने या नियंत्रित करने की आगामी रणनीति बनाई जाएगी।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय केन्द्रीय पुस्तकालय में फर्नीचर आपूर्ति मय स्थापना हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन GSU2526GLOB00043 हैं। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/11685 वित्त नियंत्रक

RAJASTHAN SAMWAD

Department of Information and Public Relations, Government Secretariat, Jaipur-302005
(Telephone & Fax No. 0141- 2227325, E-mail id :- rajasthansamwad2002@gmail.com)

NOTICE INVITING BIDS
NIB No. 80 Date : 08/10/2025

Bids for Supply of **Desktop Computer, All in One Computer, Multi Functional Printer, Printer, Scanner & Tablet etc for Head Office & Subordinate District Offices** are from interested bidders up to 06:00 PM Dated 29/10/2025. The approximate value of the Procurement is Rs. 1.50 Crore. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (**http://sppp.raj.nic.in**) of the state; and **https://dipr.rajasthan.gov.in/**.

UBN : IPR2526GLRC00021 Managing Director
Raj.Samwad/C/25/11734 Rajasthan Samwad, Jaipur

राजस्थान आवासन मण्डल

क्रमांक :- 1033 **निविदा सूचना संख्या 01/2025-26** दिनांक :- 07/10/2025

राजस्थान आवासन मण्डल की ए.आई.एस. रेजीडेंसी (फेज-द्वितीय), सेक्टर-17, प्रताप नगर, जयपुर आवासीय योजना के अन्तर्गत सी.सी.टी.वी. उपलब्ध करवाने एवं लगवाने के कार्य के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 08.10.2025 से 24.10. 2025 को सायं 6.00 बजे तक राजस्थान सरकार के पोर्टल **(http://epoc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in)** व मण्डल की वेबसाईट **http://rhb.rajasthan.gov.in** पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

यू.बी.एन. न.:- RHB2526WSOB00228

राज.संवाद/सी/25/11731 आवासीय अभियंता, खण्ड-पंचम्, जयपुर

कार्यालय नगर परिषद बून्दी

क्रमांकः— 18165186 दिनांकः— 07.10.2025

-:: निविदा सूचना ::-

नगर परिषद बून्दी द्वारा जारी निविदा सं0: न0प0ब0/निर्माण/2025-26/7020 दिनांक 26/09/2025 की निविदा दिनांक 07/10/2025 से दिनांक 16/10/2025 18.00 बजे तक ऑनलाईन विक्रय की जावेगी। निविदा दिनांक 17/10/2025 को 15.00 बजे तक प्राप्त की जावेगी तथा निविदा दिनांक 17/10/2025 को 16.00 बजे ऑनलाईन खोली जावेगी। विस्तृत शर्तें व विवरण निविदा **sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in** पर **DLB2526WSOB20723** तथा कार्यालय समय मे किसी भी कार्यदिवस को नगर परिषद मे देखा जा सकता है।

आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/11627 नगर परिषद, बून्दी

राजस्थान सरकार
कार्यालय चिकित्सा अधीक्षक,
प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.)
सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर

क्रमांक-ए.जी.एच./लेखा (क्रय)/2025/31292 दिनांक-27.09.2025

अल्पकालीन ई-बोली आमंत्रण सूचना (Stt. E-NIB NO. 17/2025-26)

प्रिंस बिजय सिंह मेमोरियल (पी.बी.एम.) सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर के रक्तकोष विभाग मे काम आने वाले टेस्ट किट्स रिजेन्ट्स, एन्टीसेरा व कन्ज्यूमेबल के क्रय हेतु आमंत्रित निविदा (दोहरी बिड पद्धति) मे इच्छुक बोलीदाता दिनांक 04.10.2025 से 13.10.2025 सायं 05.00 बजे तक निविदा डाउनलोड/अपलोड कर सकते है। बोली आमंत्रण सूचना की महत्वपूर्ण शर्तें व पूर्ण विवरण "http://eproc.rajasthan.gov.in" तथा "http://sppp.rajasthan.gov.in" पर देखी जा सकती है। ई-बोली की अनुमानित लागत 300 लाख है।

UBN NO. MCB2526GLRC00167

चिकित्सा अधीक्षक
प्रिंस बिजय सिंह मोमोरियल (पी.बी.एम.)
DIPR/C/14617/2025 सम्बद्ध चिकित्सालय वर्ग, बीकानेर

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/राजकाज 18129514 दिनांक :- 04/10/2025

अल्पकालीन ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 19/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में एए श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 01 कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्तें, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेवसाईट **http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur** एवं **http://sppp.raj.nic.in** portal पर देखा जा सकता है।

निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन **http://eproc.rajasthan.gov.in** एवं **http://sppp.raj.nic.in** portal का अवलोकन करें।

UBN विवरण :- WAQ2526WLOB00239 अधिशाषी अभियन्ता - प्रथम
राज.संवाद/सी/25/11662 भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान

राजीव गांधी भवन, दादाबाड़ी गैदान, सी.ए.डी. सर्किल, कोटा
Email : nnksouth@gmail.com, Website : www.urban.rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142

क्रमांक :- नगनिको(द.)/उद्यान/2025/9548 - 57 दिनांक :- 08/10/2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

नगर निगम कोटा दक्षिण द्वारा विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री क्रय किये जाने हेतु खेल सामग्री के मूल/विक्रेता/निर्माताओं एवं आपूर्तिकर्ता से ई-निविदा पद्धति द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा का प्रकार कार्य की अनुमानित राशि 1,38,00,000/- (अक्षरे एक करोड़ अडतीस लाख रूपये) है। निविदा आमंत्रित की दिनांक 09.10.2025 से 15.10.2025 तक प्राप्त करने एवं अन्य शर्तें नगर निगम कोटा की वेबसाईट **www.kotamc.org, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।

UBN No. - DLB2526WSRC21010 उपायुक्त प्रथम
राज.संवाद/सी/25/11713 नगर निगम कोटा दक्षिण

बीकानेर नगर निगम

नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org

क्रमांक/निर्माण/2025-26/16829 दिनांक 03.10.2025

ई- निविदा-सूचना सं0 125/2025-26

नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट **www.bikanermc.org** Web site **www.SPPP.raj.nic.in** से व **http://eproc.rajasthan.gov.in** पर देखा जा सकता है।

निविदा की कुल लागत 36.17 लाख

UBN Number DLB2526WSOB20524 आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/11693 नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति, मोहनगढ़

नई अनाज मण्डी, सुथार वाला रोड़, ग्राम मोहनगढ़ जिला जैसलमेर
E-Mail id : kums.mohangarh@rajasthan.gov.in Website - http://www.rsamb.rajasthan.gov.in/

Notice Inviting Bid (NIB 02/2025-26)

E-Bids are invited from manufacturers/ directimporters/ Authorized Dealer upto 06.00P.M. of 16.10.2025 for procurement of IT EQUIPMENTS on Tender on behalf of office of the Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Mohangarh Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti, Mohangarh or State Public Procurement Portal website **sppp.raj.nic.in** or **https://eproc.rajasthan.gov.in** or website **https://agriculture.rajasthan.gov.in/dam**. The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 1180/-(1000+18% GST) through banker's cheque/demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti, Mohangarh, payable at Mohangarh Details of bid are following: -

Sr. No.	Bid Title	NIB No.	UBN No.	Est. Cost
1	IT EQUIPMENTS	DAM2526A0486	DAM2526GLOB00877	11.00 Lac

Secretary,
Raj.Samwad/C/25/11696 Krishi Upaj Mandi Samiti Mohangarh

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास पंचशील-लोहागल मार्ग, अजमेर (राजस्थान)
फोन नं. 0145-2429971, 2429920

क्रमांक :-MEW/2025-26/1290 दिनांकः- 06.10.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या 37/2025-26 ::

नगर निगम अजमेर की ओर से नगर निगम अजमेर एवं राजकीय विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवं दूरसंचार, रेलवे या अन्य राज्य सरकार, केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनो जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो (निविदा पात्रता पंजीकरण के नियमो के अनुसार मान्य) जो निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल निर्माण कार्यो हेतु ऑनलाईन ईनिविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा कार्यो की कुल लागत	राशि 56.89 लाख (02 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	Date 07.10.25 से 16.10.25 को 6.00 PM तक
Technical निविदा खोलने की तिथि व समय	Date 17.10.25 को 10.30AM पर
Financial निविदा खोलने की तिथि	सफलतम निविदादाता को उचित माध्यम के द्वारा सूचित कर दिया जावेगा।

विस्तृत विवरण वेबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in** एवं **http:/www.eproc.rajasthan.gov.in** पर एवं नगर निगम के निर्माण विभाग के कार्यालय में भी देखी जा सकती है।

Nib Code :-ANN2526A0124
UBN NO. ANN2526WSOB00164, ANN2526WSOB00165
राज.संवाद/सी/25/11697 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम अजमेर

बागोड़ा पुलिस थाना के एएसआई पचास हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

- एएसआई द्वारा 35 हजार रूपये पूर्व में प्राप्त कर 65 हजार रूपये और मांग कर परेशान किया जा रहा था
- एएसआई ने परिवादी के रिश्तेदार के विरूद्ध प्रकरण में आरोपी द्वारा दो व्यक्तियों का चालान नहीं करने एवं प्रकरण में मदद करने की एवज में रिश्वत मांगी

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. जालोर इकाई ने बुधवार को कार्रवाई करते हुये बागोड़ा पुलिस थाना के सहायक पुलिस निरीक्षक कल्याण सिंह को पचास हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

आरोपी एएसआई।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि ए. सी.बी. जालोर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी से आरोपी कल्याण सिंह सहायक उप निरीक्षक पुलिस थाना बागोड़ा जिला जालोर द्वारा परिवादी के रिश्तेदार के विरूद्ध प्रकरण में आरोपी द्वारा दो व्यक्तियों का चालान नहीं करने एवं प्रकरण में मदद करने की एवज में 35 हजार रूपये पूर्व में प्राप्त कर 65 हजार रूपये रिश्वत राशि की और मांग कर परेशान किया जा रहा है, जिस पर जोधपुर रेंज के उपमहानिरीक्षक भुवन भूषण यादव के सुपरवीजन में ए.सी.बी. चौकी जालोर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मांगीलाल राठौड़ ने बुधवार को मय टीम के ट्रेप कार्रवाई करते हुए आरोपी एएसआई पुलिस थाना बागोड़ा कल्याण सिंह द्वारा दौराने ट्रेप कार्रवाई परिवादी से पचास हजार रूपये रिश्वत राशि मांग कर प्राप्त करते हुये रूबरू स्वतंत्र गवाह के रंगे हाथों गिरफतार कर रिश्वत राशि पचास हजार रूपये बरामद किये गये। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

एसीबी टीम ने आरोपी एएसआई को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही थाने में संबंधित प्रकरणों की फाइलें, दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड जब्त कर लिए गए हैं। टीम यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी ने इसी तरह अन्य मामलों में भी अवैध वसूली की है।

हाइवे पर ट्रक में कार घुसी, तीन श्रद्धालुओं की मौत

- पांचों युवक टैक्सी से श्रीगंगानगर में चानणा धाम बालाजी के दर्शन करने जा रहे थे

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां चानणा धाम बालाजी के दर्शन करने जा रहे श्रद्धालुओं की कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार तीन श्रद्धालुओं ने मौके पर दम तोड़ दिया। दो गंभीर रूप से घायल हैं। शव गाड़ी में बुरी तरह फंस गए थे। टैक्सी काटकर तीनों बॉडी को बाहर निकाला गया।

हादसा श्रीगंगानगर जिले के जैतसर में सूरतगढ़-अनूपगढ़ स्टेट हाइवे-94 पर गांव 5 जीबी पुलिया के पास हुआ। घायलों को एम्बुलेंस से श्रीगंगानगर के जिला हॉस्पिटल भेजा गया। बताया जा रहा है कि ट्रक अनूपगढ़ से सूरतगढ़ की तरफ जा रहा था। कार में पांच युवक सवार थे। पांचों युवक टैक्सी से श्रीगंगानगर में चानणा धाम बालाजी के दर्शन करने जा रहे थे। सूचना के बाद जैतसर पुलिस ने मौके से दोनों गाड़ियों को सड़क से साइड में करवाकर हाइवे पर यातायात शुरू करवाया। मृतकों की पहचान सुरेंद्र (20) पुत्र पप्पूराम, नरेश कुमार (20) पुत्र बुधराम, कालूराम (18) के रूप में हुई है। तीनों अनूपगढ़ के रहने वाले थे। सुखदेव (19) पुत्र श्रवण राम और जगदीश कुमार (28) पुत्र मुन्नीराम गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल जगदीश गाड़ी चला रहा था। सुखदेव प्लम्बर का काम करता है। कालूराम और नरेश चचेरे भाई थे सभी अविवाहित थे।

कार-बाइक की टक्कर में एक की मौत

बरौनी थानान्तर्गत बरौनी-शिवाड़ सड़क मार्ग पर हुआ हादसा

निवाई, (निसं)। बरौनी थानान्तर्गत बरौनी-शिवाड़ सड़क मार्ग पर एक कार ने आगे चल रही मोटरसाइकिल के पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर मृतक के पास एक मोबाइल मिला है। थानाधिकारी बृजेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि बुधवार की दोपहर करीब 12 बजे मोबाइल से सूचना मिली कि बरौनी शिवाड़ रोड पर गांव नाहरवाडी मोड़ के पास एक कार ने मोटरसाइकिल के टक्कर मार दी जिससे बाइक चालक घायल हो गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बाइक चालक को एंबुलेंस की सहायता से उप जिला अस्पताल निवाई में उपचार के लिए भर्ती करवाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक के पास से मिले मोबाइल की सिम मनराज मीणा पुत्र मोरपाल मीणा निवासी जैतपुरा थाना मित्रपुरा के नाम है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया।

हथियारबंद बदमाशों ने बस पर हमला कर यात्रियों से डकैती का प्रयास किया

बस में सवार यात्रियों ने शोर मचाया, जिसके बाद बदमाश भाग निकले

- बस रुकते ही बदमाश लाठियां और तलवारें लेकर कार से बाहर निकले और यात्रियों को डराया
- बदमाशों की कार और कुछ संदिग्धों का वीडियो भी रिकॉर्ड किया है

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में बदमाशों के हौसले एक बार फिर हौसले बुलंद नजर आए। दोवड़ा थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात हथियारबंद बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में एक ट्रेवल्स बस को रोककर यात्रियों से डकैती का प्रयास किया। घटना के दौरान बस में सवार यात्रियों ने शोर मचाया, जिसके बाद बदमाश मौके से भाग निकले। पूरी वारदात का एक वीडियो भी सामने आया है।

घटनाक्रम के अनुसार बस चालक देवकुमार मीणा रोजाना डूंगरपुर से इंदौर के बीच ट्रेवल्स बस चलाते हैं। मंगलवार शाम बस डूंगरपुर से इंदौर के लिए रवाना हुई थी। रात के समय जब बस डूंगरपुर-आसपुर मार्ग पर पुनाली घाटा पहुंची, तब एक इको कार में सवार 7-8 हथियारबंद बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में बस को ओवरटेक कर आगे रोक लिया। बस रुकते ही बदमाश लाठियां और तलवारें लेकर कार से बाहर निकले और यात्रियों को डराने लगे।

इस दौरान चालक ने तत्काल केबिन की लाइट जला दी। यात्रियों के चिल्लाने और हंगामा करने पर बदमाश घबरा गए और अपनी गाड़ी में बैठकर भाग निकले। ड्राइवर देवकुमार मीणा ने बताया कि बदमाश लूटपाट और तोड़फोड़ की नीयत से आए थे, लेकिन बस में स्थानीय यात्री सवार होने और उनके विरोध करने से वारदात टल गई। घटना की जानकारी तुरंत बस मालिक और दोवडा थाना पुलिस को दी गई। बस चालक ने बताया कि उसने बदमाशों की कार और कुछ संदिग्धों का वीडियो भी रिकॉर्ड किया है, जिसे पुलिस को सौंप दिया गया है। फिलहाल दोवड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में सर्च अभियान चला रही है।

फर्जी आरटीओ बनकर अवैध वसूली करते एक को पकड़ा, पांच जने फरार

- आरोपी रिफ्लेक्टर टेप लगाने के नाम पर वाहनों चालकों से प्रति वाहन 300 रूपये की अवैध वसूली कर रहे थे

सादुलपुर, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर गांव लसेड़ी के पास फर्जी परिवहन विभाग अधिकारी बनकर अवैध वसूली करने के मामले में परिवहन विभाग के उप परिवहन निरीक्षक रोबिन सिंह ने फर्जी मामले का पर्दाफाश करते हुए बुधवार को कपिल सवालिया नामक एक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले किया है, जबकि पांच अन्य आरोपी फरार होने में सफल हो गए।

परिवहन विभाग के उप परिवहन निरीक्षक रोबिन सिंह ने फर्जी परिवहन विभाग अधिकारी बनकर अवैध वसूली करने के मामले में एक को पकड़कर पूछताछ की।

जानकारी के अनुसार आरोपी रिफ्लेक्टर टेप लगाने के नाम पर वाहनों चालकों से प्रति वाहन 300 रूपये की अवैध वसूली कर रहे थे तथा नकली रसीदें काटकर गत एक सप्ताह में 1000 से ज्यादा वाहनों चालकों से ठगी की है। परिवहन उप निरीक्षक रोबिन सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर परिवहन विभाग के नाम से अवैध वसूली और फर्जी रसीद काटने का मामला गत 7-8 दिनों से चल रहा था। उन्होंने बताया जांच के दौरान फर्जी रसीद भी बरामद की गई है। परिवहन उपनिरीक्षक रोबिन सिहं ने बताया कि कुछ लोगों द्वारा परिवहन विभाग के अधिकारी बनकर चालकों से रिफ्लेक्टर टेप लगाने के नाम पर 300 की वसूली की जा रही थी। सूचना मिलने पर बाईपास पर जांच के लिए एक वाहन चालक को रोककर पूछताछ की तो चालक ने बताया कि कुछ देर पहले ही कुछ लोगों ने खुद को परिवहन विभाग का कर्मचारी बताते हुए 300 की रसीद काटी और उसे एक रिफ्लेक्टर टेप दिया। जब टीम ने वह रसीद और रिफ्लेक्टर टेप देखा, तो यह स्पष्ट हो गया कि यह पूरी तरह से फर्जी है और कोई निजी गिरोह चालकों से जबरन वसूली कर रहा है।

उन्होंने बताया कि लसेडी टोल के पास छानबीन की, जहां छह लोगों का एक समूह सक्रिय पाया गया। वाहन चालकों को रोककर उनसे जबरदस्ती पैसे वसूल रहे थे और बदले में घटिया गुणवत्ता की रिफ्लेक्टर टेप देकर रवाना कर रहे थे। पूछताछ के दौरान आरोपी कपिल सवालिया नामक व्यक्ति को पकड़कर पुलिस को सौंपा है तथा आरोपी ने स्वीकार किया कि वह पिछले 7-8 दिनों से इस काम में शामिल है तथा घटिया रिफ्लेक्टर टेप को काम में लिया जा रहा था। चालकों को लगे कि यह सरकारी जांच है। उन्होंने बताया की परिवहन विभाग ने पूरे मामले को गंभीर आर्थिक अपराध व सरकारी नाम के दुरुपयोग के तहत लेते हुए संबंधित गिरोह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश जारी किए हैं।

सुजान गंगा नहर में एक व्यक्ति का शव मिला

भरतपुर, (निसं)। सुजान गंगा नहर में एक व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एसडीआरएफ टीम के सहयोग से सबको बाहर निकलवाया और आरबीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस द्वारा शव की शिनाख्त करने पर पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

राम सिंह ने बताया कि मेरा भाई गंगाराम (52) निवासी पथेना गांव थाना भुसावर 4 दिन पहले घर निकला था। वह भरतपुर में एक बैंड वाले के यहां काम करता था। वह घर से कहकर निकला था कि वह बैंड वाले से पैसे लेने जा रहा है। तब से वह घर नहीं लौटा। गंगाराम के जबडे में कैंसर था। उसका 15 दिन पहले ही ऑपरेशन हुआ था। गंगाराम को डॉक्टर ने फिर से ट्रीटमेंट के लिए बुलाया था, लेकिन वह डॉक्टर को दिखाने के लिए नहीं गया। गंगाराम की शादी भी नहीं हुई थी। गंगाराम जब घर नहीं लौटा तो, परिजनों ने स्थानीय थाने में उसके गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस को दी थी। बुधवार को उसका शव सुजान गंगा नहर में मिला तो गंगाराम के परिजनों से संपर्क किया और शव की शिनाख्त की गई।

एल.पी.जी. गैस सिलेंडर ब्लास्ट में टैंकर चालक जिंदा जला, कई लोग घायल

जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात ट्रक और टैंकर में भिड़ंत के बाद हुआ था भयावह हादसा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले मौजमाबाद थाना इलाके जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात हुए ट्रक और टैंकर में भिडंत से हुए एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट हादसे के बाद बुधवार सुबह तक हालात सामान्य नहीं हो पाए थे। बुधवार सुबह 9 बजे की स्थिति यह थी कि गिदानी से सावरदा तक हाईवे पर करीब दो किलोमीटर तक का लंबा ट्रैफिक जाम रहा है। अजमेर से जयपुर की ओर दूदू से 5 किलोमीटर तक जाम लगा हुआ है। वहीं पुलिस क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर ट्रैफिक सुचारू करने की कोशिश में लगी रही। वहीं फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम भी मौके पर पहुंची और हादसे के साक्ष्य जुटाए। इधर बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने कहा कि भगवान का आशीर्वाद रहा कि यहां कोई बड़ी घटना नहीं हुई। 1-2 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रशासन ने स्थिति पर काबू पा लिया।

जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश ने बताया कि हादसे में टैंकर का ड्राइवर रामराज मीणा (35) जिंदा जल गया। जबकि कुछ लोग घायल हैं। झुलसी हुई हालत में चार लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया था। वहीं एक घायल सद्दाम को दूदू से भांकरोटा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एलपीजी ट्रक के पास खड़ी 5 गाड़ियां भी जल गईं। वहीं मौके पर पहुंचीं दमकल की 12 गाड़ियों ने करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि टैंकर में भरे केमिकल ने आग नहीं पकड़ी थी। बुधवार सुबह जब इसे हटाया जा रहा था तभी इसमें से रिसाव शुरू हो गया।

जयपुर-अजमेर नेशनल हाईवे पर मंगलवार देर रात एलपीजी गैस सिलैण्डरों से भरे ट्रक और टैंकर की भिडंत के बाद भयावह हादसा हो गया।

इस हादसे में दोनों वाहन ऐसे पिघल गये जैसे, लोहा नहीं प्लास्टिक हो।

पुलिस और एफ.एस.एल. टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए।

मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने एलपीजी गैस से भरे कुछ सिलैण्डरों को घटना स्थल से दूर रखकर उनकी आग बुझाई।

- 12 दकमलों ने करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू
- बुधवार सुबह तक जारी रहा बेंजीन टैंकर कूलिंग ऑपरेशन

बुधवार सुबह 20 कि.मी. लंबा ट्रेफिक जाम था

यह जाम बुधवार सुबह 7 बजे महला से सावरदा तक करीब 20 किलोमीटर तक लगा हुआ था। इस हादसे के बाद प्रशासन ने रात भर कड़ी मशक्कत की और अधिकांश ट्रैफिक को नासनोदा से मौजमाबाद होते हुए डायवर्ट कर दिया। इसी वजह से 20 किलोमीटर का लंबा जाम अब सिमटकर महज 2 से 5 किलोमीटर का रह गया है। लेकिन यह 2 किलोमीटर का हिस्सा ही इस वक्त सबसे बड़ी चुनौती भरा रहा।

छह घंटे बाद बहाल हुआ यातायात

जयपुर जिला कलेक्टर जितेन्द्र सोनी के निर्देश पर सुबह 4:30 बजे हाईवे दोनों ओर से यातायात के लिए खोल दिया गया। हादसा मंगलवार रात करीब 10 बजे के बाद हुआ था, जिसके बाद 6 घंटे तक मार्ग बंद रहा। हादसे के तुरंत बाद एसएमएस अस्पताल को अलर्ट मोड पर रखा गया। प्लास्टिक सर्जन सहित पूरा स्टाफ इमरजेंसी में तैनात रहा और आईसीयू बेड टेकओवर किए गए। हादसे में जले व्यक्ति का शव देर रात दो बजे प्लास्टिक बैग में मोर्चरी लाया गया।

सुबह तक चला बेंजीन टैंकर कूलिंग ऑपरेशन

हादसे के करीब 7 घंटे बाद तक केमिकल टैंकर का तापमान कम नहीं हुआ था। इसके चलते सुबह तक उस पर पानी का छिड़काव जारी रहा। आग पर काबू पाने के बाद जले हुए सिलेंडरों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया। मौजमाबाद तहसीलदार सुरेंद्र विश्नोई ने बताया कि टैंकर में बेंजीन केमिकल भरा था,पेट्रो केमिकल के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। टैंकर गुजरात जा रहा था। यह एक रसायन है, जो रंगहीन, ज्वलनशील तरल है और कच्चे तेल और गैसोलीन का प्राकृतिक घटक है। इसका उपयोग विलायक के रूप में, विभिन्न रसायनों, जैसे दवाएं, प्लास्टिक और डिटर्जेंट के उत्पादन में एक प्रारंभिक पदार्थ के रूप में किया जाता है।

टैंकर व ट्रक में टक्कर से हुआ हादसा

यहां पर केमिकल टैंकर और एलपीजी सिलेंडरों से भरा ट्रक टक्कर के बाद जलकर खाक हो गए थे। जहां एक तेज रफ्तार टैंकर ने हाईवे किनारे खड़े एलपीजी ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक में आग लग गई और एलपीजी सिलेंडरों में लगातार धमाके होने लगे। ये धमाके इतने ज़ोरदार थे कि दो सौ मीटर दूर तक सिलेंडर उछलकर गिरे।

तीन दर्जन दमकलें पहुंची आग बुझाने

आग पर काबू पाने के लिए किशनगढ़ (अजमेर), सांभर (जयपुर), फुलेरा (जयपुर), जयपुर शहर और मुहाना (जयपुर) से तीन दर्जन से भी अधिक दमकल की गाड़ियां पहुंची थीं। अग्निशमन अधिकारी, एसडीआरएफ और आरएसी का जाब्ता भी मौके पर तैनात किया गया। साथ ही मेडिकल टीम भी मौके पर मौजूद रही। अब वहां हालात सामान्य हैं। केमिकल से भरे टैंकर को सुरक्षित तरीके से हटाया गया।

एस.एम.एस. अस्पताल छावनी में तब्दील

हादसे में घायलों के इलाज के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल में अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं । हादसे की सूचना मिलते ही सवाई मानसिंह अस्पताल प्रशासन पूरी तरह से एक्टिव हो गया। एसएमएस थाना पुलिस और अस्पताल प्रशासन ने मोर्चा संभाला। अस्पताल को छावनी में तब्दील कर दिया गया।

इमरजेंसी में अतिरिक्त चिकित्सक लगाए गए

एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के उप अधीक्षक डॉक्टर जगदीश मोदी ने बताया कि गैस सिलेंडर से भरे ट्रक और ट्रेलर की भिड़ंत के बाद भीषण आग लगने से जयपुर अजमेर हाईवे पर बड़ा हादसा होने की सूचना मिली थी। घायल मरीजों के इलाज के लिए एसएमएस अस्पताल प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड पर रहे। मरीजों की वैकल्पिक व्यवस्था के लिए एसएमएस अस्पताल अधीक्षक ने इमरजेंसी में अतिरिक्त चिकित्सक लगाए हैं। इसके साथ ही अतिरिक्त नर्सिंग स्टाफ भी लगाया गया है। वहीं एसएमएस अस्पताल की रात्रिकालीन प्रभारी डॉक्टर अरविंद पालावत, अतिरिक्त अधीक्षक डॉ. प्रदीप शर्मा, हेमंत तिवाडी समेत सभी डॉक्टर अस्पताल में मौजूद हैं।

इसके साथ ही प्लास्टिक सर्जिंग यूनिट हेड को भी निर्देशित किया गया है कि वह अपने प्लास्टिक सर्जन वार्ड के बेड खाली करके मरीजों के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करें। ताकि आने वाले मरीजों का इलाज तुरंत प्रभाव से हो सके। इसके अतिरिक्त संबंधित दवाइयों की भी व्यवस्थाएं की गई हैं। मरीजों के लिए आईसीयू में भी अतिरिक्त व्यवस्था की गई है।

दिसंबर-2024 में भी ऐसे ही हादसे में 20 से ज्यादा जानें गईं थीं

गौरतलब है कि जयपुर-अजमेर हाईवे पर भांकरोटा के पास दिसंबर 2024 में एलपीजी गैस से भरे टैंकर में ब्लास्ट होने के बाद लगी भीषण आग से 20 लोगों की मौत हो गई थी। यू टर्न लेते समय एक ट्रक ने टैंकर को टक्कर मार दी थी। नोजल टूटने से गैस लीक होने के कारण उस समय तेज धमाके के साथ आग लग गई थी।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों की देखभाल व शिक्षा के लिए एम.ओ.यू.

निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के लिए बुधवार को गैर सरकारी संस्थाओं के साथ तीन एमओयू किए गए।

जयपुर । निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा कार्यक्रम के सुदृढ़ीकरण के लिए बुधवार को गैर सरकारी संस्थाओं के साथ तीन एमओयू किए गए।

आईसीडीएस निदेशक वासुदेव मालावत ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित भामाशाह योजना के तहत विभाग द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं एवं योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन व मानिटरिंग हेतु 3 गैर सरकारी संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये हैं। इन एमओयू के तहत आईसीडीएस द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल वं शिक्षा(ईसीसीई) कार्यक्रम को और अधिक सुदृढ करने की कार्य योजना है।

आईसीडीएस निदेशक ने तीनों एमओयू के तहत होने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि रॉकेट लर्निंग संस्था द्वारा 3 से 6 वर्ष के बच्चों के अभिभावको व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का डिजिटल मीडिया समूह के माध्यम से डिजिटल ईसीसीई गतिविधियां भिजवाने के साथ-साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को खेल आधारित शिक्षण, शिक्षण प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्रदान करेगा। बारां जिले में सैसमे वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का क्षमता वर्धन एवं वाश कार्यक्रम के अंतर्गत सहयोग प्रदान करेंगे व बारां जिले की चिन्हित 500 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को शाला पूर्व किट भी उपलब्ध कराएंगे। बाल रक्षा भारत (सेव द चिल्ड्रन) द्वारा राजसमंद, पाली और जोधपुर जिले की चिन्हित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आधारभूत सुविधाओं को विकसित करने, नियमित ईसीसीई गतिविधियों के संचालन तथा पंजीकृत बच्चों की माताओ के समूह बनाकर स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में कार्य किया जाएगा।

लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण पर वैश्विक संवाद

जयपुर । बारबाडोस की राजधानी ब्रिजटाउन में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के 68वें वार्षिक सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ।

इस वैश्विक आयोजन में लोकतंत्र, संवाद और साझा मूल्यों के माध्यम से समावेशी एवं सतत विकास को लेकर व्यापक चर्चा की जा रही है। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में विश्वभर के अनेक देशों एवं राज्यों के संसदीय प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। भारत से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी सहित कई राज्यों के विधानसभाओं के अध्यक्षों ने सक्रिय भागीदारी की।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सम्मेलन को 'प्रेरणादायक अनुभव' बताया। उन्होंने कहा कि, "68वें कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन में भागीदारी करना एक गर्व का विषय है। इस मंच पर लोकतांत्रिक मूल्यों के आदान-प्रदान से एक अधिक न्यायपूर्ण और समावेशी वैश्विक समाज के निर्माण की दिशा में सार्थक पहल होगी।" देवनानी ने यह भी कहा कि भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, उसकी मजबूत संसदीय परंपरा और लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता इस मंच पर स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रही है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल की सक्रिय उपस्थिति, भारत की वैश्विक भूमिका को और अधिक सुदृढ़ करती है। इस वर्ष सम्मेलन का केंद्रीय विषय 'कॉमनवेल्थ: एक वैश्विक साझेदार' रखा गया है, जिसमें संसदीय संवाद, सहयोग, और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन पर विशेष बल दिया गया। सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधि वैश्विक चुनौतियों के समाधान हेतु संयुक्त प्रयासों की संभावनाओं पर विचार कर रहे हैं।

डॉ. रूमादेवी ने किया सुमंगल-दीपावली मेले का भ्रमण

जयपुर । सुमंगल-दीपावली मेला-2025 में बुधवार को प्रसिद्ध लोककला विशेषज्ञ डॉ. रूमादेवी ने मेले का भ्रमण किया और राजीविका की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा प्रदर्शित कलाकृतियों की सराहना की।

उन्होंने महिला कलाकारों के कौशल, नवाचार और पारंपरिक कला को एक साथ प्रस्तुत करने के प्रयास को अत्यंत सराहनीय बताया और कहा कि इस प्रकार के मंच ग्रामीण महिला कलाकारों को पहचान और सशक्तिकरण के अवसर प्रदान करते हैं। मेले में विदेशी आगंतुकों ने भी भ्रमण किया और राजीविका की महिला सदस्यों द्वारा प्रदर्शित हस्तशिल्प उत्पादों एवं स्थानीय व्यंजनों में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के कौशल, उत्पादों की गुणवत्ता एवं पारंपरिक कला की विविधता की प्रशंसा की और भारतीय संस्कृति को नज़दीक से समझने में गहरी रुचि व्यक्त की।

ग्रामीण आजीविका विकास परिषद् (राजीविका) द्वारा आयोजित सुमंगल-दीपावली मेला-2025 में आज पारंपरिक लोक कला और चित्रकला को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसने आगंतुकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। मेले में स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों द्वारा निर्मित चित्रकला का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसमें जयपुर की मंडला आर्ट, प्रतापगढ़ की मंडना कला, अजमेर की बनी ठनी एवं पिचवाई पेंटिंग, तथा जयपुर की हैंड पेंटिंग प्रमुख रूप से प्रदर्शित की गईं।

इन चित्रकलाओं में ग्रामीण परंपरा, कलात्मकता और सूक्ष्मता का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। राजीविका की महिला कलाकारों द्वारा की गई बारीक नक्काशी और कलात्मक शिल्प को मेले में आए विशिष्ट अतिथियों और आगंतुकों ने सराहा। आगंतुकों ने इन चित्रों में निहित पारंपरिक सौंदर्य, रंगों का संयोजन तथा रचनात्मकता की खुले शब्दों में प्रशंसा की।यह प्रदर्शनी न केवल ग्रामीण कला को एक सशक्त मंच प्रदान कर रही है, बल्कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की सृजनशीलता एवं आत्मनिर्भरता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

राजस्थान शिक्षा विभाग के नवाचारों को मिली राष्ट्रीय स्तर पर सराहना

जयपुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली स्थित सुषमा स्वराज भवन में आयोजित वित्त वर्ष 2025-26 की द्वितीय समीक्षा बैठक में राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा किए गए नवाचारों और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की सराहना की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता सचिव संजय कुमार ने की। राजस्थान की ओर से बैठक में शासन सचिव, स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल तथा राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल ने भाग लिया। कुणाल ने राज्य की शिक्षा योजनाओं, कार्यक्रमों और नवाचारों की विस्तार से जानकारी प्रस्तुत की।

राजस्थान के प्रतिनिधित्व के दौरान समग्र शिक्षा, स्टार्स परियोजना, पीएम श्री स्कूल, विकसित भारत बिल्डाथॉन, पीएम पोषण, डिजिटल एजुकेशन, परख, निपुण भारत, उल्लास, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, एसएमसी तथा 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' जैसे अभियानों की प्रगति, उपलब्धियों और नवाचारों की जानकारी दी गई। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा जमीनी स्तर पर की जा रही इन पहलों के क्रियान्वयन, विद्यार्थियों तक उनके प्रभाव और सतत प्रयासों को लेकर केंद्रीय मंत्रालय ने विशेष प्रशंसा व्यक्त की।

बैठक में देशभर के सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा सचिवों और राज्य परियोजना निदेशकों ने भाग लिया और अपने-अपने राज्यों की शिक्षा योजनाओं व अनुभवों को साझा किया। राजस्थान शिक्षा विभाग की ओर से प्रस्तुत किए गए नवाचार अब अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहे हैं। बैठक के दौरान विभिन्न प्रतिनिधियों ने इन पहलों में रुचि दिखाई और कई योजनाओं को अपने राज्यों में लागू करने की इच्छा भी जताई।

गहलोत और डोटासरा ने पेपर लीक और भर्ती घोटाले से राजस्थान को गर्त में पहुंचाया था : मदन राठौड़

- कांग्रेस की राजनीति सस्ती बयानबाज़ी और खोखले नारों तक सिमटी : भाजपा प्रदेशाध्यक्ष
- मदन राठौड़ ने कटाक्ष करते हुए कहा कि "कांग्रेस में जिलाध्यक्ष चयन से अभिनव प्रयोग नहीं, बल्कि पार्टी की अंदरुनी खींचतान उजागर हो रही है"

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस नेता गोविंद सिंह डोटासरा और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिए गए अनर्गल बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

कांग्रेस की राजनीति सस्ती बयानबाज़ी और खोखले नारों तक सिमट कर रह गई है। राठौड़ ने कहा कि गोविंद डोटासरा द्वारा जयपुर-अजमेर हाईवे हादसे और एसएमएस अस्पताल की दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर दिया गया बयान पूरी तरह राजनीतिक स्वार्थ और झूठे दावों से प्रेरित है। कांग्रेस खुद उस शासन का हिस्सा रही है जिसने पेपर लीक, भर्ती घोटाले और प्रशासनिक लापरवाही से प्रदेश को गर्त में पहुंचाया था। कांग्रेस जब सत्ता में थी, तब न मुआवज़ा दिया, न दोषियों पर कोई कार्रवाई की। आज भाजपा सरकार त्वरित कार्रवाई कर रही है, उच्चस्तरीय जांच करवा रही है और पीड़ितों को न्याय देने के लिए प्रतिबद्ध है।

राठौड़ो कहा कि कांग्रेस का यह कहना कि सबूत मिटा दो, खानापूर्ति कर दो, आरोप नहीं, प्रोपेगेंडा है। अगर डोटासरा के पास कोई ठोस सबूत हैं, तो वे सार्वजनिक करें।

राजनीति की जगह समाधान सुझाएं,अगर वास्तव में संवेदनशील हैं तो ? राठौड़ ने बिहार चुनाव और राहुल गांधी की यात्रा को लेकर अशोक गहलोत के बयानों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस नेताओं की यह आत्ममुग्धता और भ्रम से भरी बयानबाज़ी अब अप्रासंगिक हो चुकी है। अगर राहुल गांधी की यात्राओं का इतना असर होता, तो कांग्रेस एक के बाद एक राज्य क्यों हारती जा रही है? बिहार में भाजपा और एनडीए की पकड़ मजबूत है और कांग्रेस को वहां भी जनता पूरी तरह नकार चुकी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर बेबुनियादी आरोप लगाना सिर्फ नकारात्मकता फैलाने के हथकंडे हैं, जिनका लोकतंत्र से कोई लेना-देना नहीं। गहलोत जिलाध्यक्ष चयन को अभिनव प्रयोग बता रहे है, जबकि इनकी पार्टी में जमकर अंदरुनी खींचतान चल रही है।

कांग्रेस में लोकतंत्र नहीं, गुटबाजी का संतुलन साधने का प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस की यह कवायद अवसरवादी नियुक्तियों और गांधी परिवार को खुश करने तक सीमित है। न पारदर्शिता है, न कोई जवाबदेही तय है।

गहलोत का यह दावा कि देश को जोड़ने की ताकत केवल कांग्रेस में है, पूरी तरह तथ्यों से परे और विडंबनापूर्ण है। सच्चाई यह है कि कांग्रेस ने दशकों तक जातिवाद, तुष्टिकरण और क्षेत्रवाद के ज़रिए देश को बांटने का काम किया। भाजपा की "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की नीति ने जम्मू-कश्मीर से लेकर नॉर्थ ईस्ट तक एकता और विकास का नया रास्ता खोला है।

भीलवाड़ा में पूर्व सी.एम. शिवचरण माथुर और सुशीला देवी की मूर्ति का अनावरण

स्व. शिवचरण माथुर का राजनीतिक जीवन पूरी तरह जनसेवा को समर्पित रहा : सचिन पायलट

भीलवाड़ा,(निसं)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं असम के राज्यपाल रहे स्व. शिवचरण माथुर और उनकी धर्मपत्नी स्व. सुशीला देवी माथुर की मूर्तियों अनावरण का बुधवार को महिला आश्रम, पथिक नगर कैंपस में किया गया। कार्यक्रम में ए.आई.सी.सी. महासचिव सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री एमएम पल्लम राजू, एआईसीसी मीडिया डिपार्टमेंट चेयरमैन पवन खेड़ा, पूर्व मंत्री बी.डी.कल्ला, पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी, दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा, शिवचरण माथुरजी की पुत्री वंदना माथुर, पीसीसी सचिव विभा माथुर और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये सचिन पायलट ने कहा कि मैं सबसे पहले जन्मशताब्दी पर माथुर साहब को श्रद्धांजलि देता हूं। आज इस संस्था की शुरुआत करने के लिए आप सब यहां मौजूद हैं। माथुर साहब की आपने जीवनी देखी मैं इतना कहना चाहूंगा जो लोग आज राजनीति में हैं, शासन करते हैं, वो देखे जब माथुर साहब का कार्यकाल रहा, उन्होंने यह बात स्थापित करी संस्कार के साथ पढ़ाई-लिखाई के साथ सोच विचार के साथ जनता की भलाई के लिए योजनाएं और परियोजना लाते हैं। उससे बहुत लंबे समय तक जनता को लाभ मिलता है। उस प्रकार के संस्कार उस प्रकार की सोच और पढ़ने-लिखने वाले लोग जब शासन को संभालेंगे तभी देश और प्रदेश का भाग्य बदलेगा। सचिन पायलट ने उन्हें नारी शिक्षा और सशक्तिकरण की अग्रदूत बताते हुए कहा कि उन्होंने समाज सुधार के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों और स्वावलंबन की दिशा में जो पहल की, वह आज भी समाज के विकास में मार्गदर्शक बनी हुई है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं असम के राज्यपाल रहे स्व. शिवचरण माथुर और उनकी धर्मपत्नी स्व. सुशीला देवी माथुर की मूर्तियों का अनावरण किया। उन्होंने स्व. माथुर की जीवनी पर तैयार पुस्तिका का भी विमोचन किया।

- सचिन पायलट ने कहा "स्व.शिवचरण माथुर नारी शिक्षा और सशक्तिकरण की अग्रदूत थे। उन्होंने समाज सुधार के क्षेत्र में जो कार्य किए, वे राजस्थान ही नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणादायक हैं।"

पायलट ने कहा कि शिवचरण माथुर का राजनीतिक जीवन पूरी तरह जनसेवा को समर्पित रहा। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बताया कि प्रदेश एवं भीलवाड़ा जिले के विकास में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा है। भीलवाड़ा डेयरी की स्थापना, वस्त्र नगरी का विकास, मांडलगढ़ में बांधों का तंत्र, रेलवे योजनाएँ और अनेक लोककल्याणकारी कार्य उनके दूरदर्शी नेतृत्व के उदाहरण हैं। जनता आज भी उन्हें उनके सरल स्वभाव और ज़मीनी जुड़ाव के लिए याद करती है। भीलवाड़ा के बाद मांडलगढ़ में शिवचरण माथुर विकास एवं सेवा संस्थान, मांडलगढ़ कार्यालय के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया।

बनास नदी में हो रहे अवैध बजरी खनन को लेकर किसानों का प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के कई इलाकों से गुजर रही बनास नदी को अवैध बजरी खनन से जुड़े माफियाओं ने छलनी करके रख दिया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुर्जर के नेतृत्व में प्रभावित किसानों ने हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंच प्रदर्शन कर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि उच्च न्यायालय जयपुर की ओर से सिविल पिटीशन 4250/2012 में खनन पर प्रतिबंध होने के बावजूद लीजधारक महादेव इन्क्लेव प्रा. लि. खुलेआम इनका इस्तेमाल कर रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि बनास नदी के ब्लॉक नंबर 7 में 8 से 10 मीटर गहरा खनन किया जा रहा है, जबकि अनुमति केवल 0.5 मीटर की है। इससे सरकार को प्रतिदिन करोड़ों रुपये का राजस्व नुकसान हो रहा है। लीजधारक कंपनी द्वारा चरागाह भूमि पर रास्ते बना दिए गए पेड़ों को काट दिया गया। नदी के बहाव क्षेत्र को अवरुद्ध कर दिया गया है। इससे चरागाह की घास नष्ट हो गई और मवेशी भूखे मरने की स्थिति में हैं। कंपनी ने न तो पर्यावरण स्वीकृति के तहत पेड़ लगाए और न ही सीमा निर्धारण के पिलर लगाए। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस और माइनिंग विभाग पर लीजधारक से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा भी किया।

प्रभावित किसानों ने हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में सवार होकर भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया।

- हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना के खिलाफ किसान भीलवाड़ा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा
- ग्रामीणों ने बताया कि बनास नदी के ब्लॉक नंबर 7 में 8 से 10 मीटर गहरा खनन किया जा रहा है, जबकि अनुमति केवल 0.5 मीटर की है

आरोप है कि पुलिस द्वारा डंपर की सुरक्षा में बजरी निकाली जा रही है और विरोध करने पर ग्रामीणों को डराया धमकाया जा रहा है। ठेकेदार के कुछ कर्मचारियों पर अवैध हथियार रखने और हिस्ट्रीशीटर होने के आरोप भी लगाए गए। राष्ट्रीय सचिव गुर्जर ने कहा कि अगर अवैध खनन नहीं रुका तो बनास की गहराई कुओं से अधिक हो जाएगी जिससे सिंचाई और पेयजल संकट खड़ा होगा, किसानों और मवेशियों का जीवन खतरे में आ जाएगा। ब्लॉक नंबर 7 की लीज तुरंत निरस्त करने, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की सख्ती से पालना करने, अवैध मशीनों और डंपरों पर कार्रवाई करने, माइनिंग विभाग और लीजधारक के बीच की मिलीभगत की जांच की करने और पर्यावरण और चरागाह भूमि की बहाली की व्यवस्था की सहित हाथ से बजरी निकालने की मांग की है।

बिजली कंपनी एमडी ने दो इंजीनियर सहित तीन को सस्पेंड किया

नोखा के काकड़ा गांव में बिजली चोरी मामले में कार्रवाई नहीं करने पर कार्रवाई की

बीकानेर, (निसं)। जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल ने बुधवार को जिला वृत्त अधिकारियों की बैठक के दौरान दो इंजीनियर सहित तीन को सस्पेंड कर दिया। नोखा के काकड़ा गांव में बिजली चोरी मामले में कार्रवाई नहीं करने पर ये कार्रवाई की गई।

तीन इंजीनियर को चार्जशीट जारी करने के आदेश दिए। जोनल चीफ इंजीनियर ऑफिस में हुई बैठक के दौरान ये कार्रवाई की। नोखा के काकड़ा गांव में एक साथ 8 अवैध ट्रांसफार्मर से बिजली चोरी पर हुई कार्रवाई की जानकारी दी गई। बिजली चोरी के प्रति लापरवाही पर नाराजगी जाहिर करते हुए प्रबंध निदेशक ने क्षेत्र के जूनियर इंजीनियर अजयपाल सिंह व तकनीकी कर्मचारी राजेंद्र कुमार के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही की गई। इसके साथ लक्ष्य के अनुरूप कार्य नहीं करने वाले असिस्टेंट इंजीनियर नापासर, सहायक अभियंता (ग्रामीण) नोखा, जूनियर इंजीनियर भामटसर के खिलाफ चार्जशीट के निर्देश निदेशक (तकनीकी) को दिए गए। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को टारगेट पूरे करने के आदेश दिए। फील्ड स्तर पर टीम भावना से काम करने और नियमित मॉनिटरिंग के आदेश दिए। उन्होंने कृषि कनेक्शन शीघ्र जारी करने के आदेश दिए। कृषि कनेक्शनों में लापरवाही पर असंतोष जताया। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को रबी सीजन से पूर्व सभी लंबित कनेक्शन जारी करने के निर्देश दिए। विजिलेंस लक्ष्यों की पूर्ति नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए विजिलेंस टीम बनाकर उपभोक्ताओं से बकाया वसूली की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग कनेक्शनों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में निदेशक (तकनीकी) वी के छंगाणी, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मुख्यालय) अशोक गोयल, अधीक्षण अभियंता जिला वृत्त भूपेंद्र भारद्वाज एवं जिले के समस्त अधिशासी एवं सहायक अभियंता उपस्थित रहे।

आपसी कहासुनी में दो जनों को चाकू मारा

भीलवाड़ा, (निसं)। छोटी-छोटी बातों को लेकर पड़ोसियों के बीच कभी-कभी जुबानी जंग हमले में बदल जाती है। इसका नतीजा बड़ी वारदात के रूप में भी कभी-कभी सामने आता है। ऐसा ही मामला पुर के चौबे मोहल्ले से सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसारयहां एक व्यक्ति के मकान का काम चल रहा था तो पड़ोस के ही प्रकाश, सुनील और अनुराग गहलोत ने आपत्ति की। यहां तक कि गाली देने लगे और उनको गिरा दिया।

इस बीच अनुराग अंदर से चाकू लेकर आया। हाल यह रहा कि दो व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। दीपक पाठक ने बताया कि घायलों को एमजी अस्पताल के ट्रोमा वार्ड में भर्ती करना पड़ा। इधर आरोपी के खिलाफ पुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही पुलिस ने एमजी अस्पताल पहुंचकर घायलों और पीड़ितों से भी बयान लिए हैं। आगे की कार्रवाई जारी है।

जेजेटी यूनिवर्सिटी की नर्सिंग पीएचडी डिग्रियों की वैधता पर संदेह!

झुंझुनूं, (निसं)। चुड़ैला स्थित श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला (जेजेटी) विश्वविद्यालय ने अब तक 4000 से अधिक पीएचडी डिग्रियां जारी की हैं, जिनमें नर्सिंग विषय की 400 से अधिक डिग्रियां भी शामिल हैं, लेकिन हाल ही में डॉ. सागरसिंह कछावा के आरटीआई के जवाब में भारतीय नर्सिंग परिषद (आईएनसी) ने स्पष्ट कर दिया है कि इस विश्वविद्यालय द्वारा संचालित नर्सिंग पीएचडी कार्यक्रम को कानूनी मान्यता प्राप्त नहीं है।

- 400 से अधिक नर्सिंग पीएचडी डिग्रियां जारी, आरटीआई में भारतीय नर्सिंग काउंसिल का मान्यता से इनकार

भारतीय नर्सिंग परिषद के अनुसार यह डिग्री भारतीय नर्सिंग काउंसिल अधिनियम, 1947 की धारा 10 के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है। यानी इस विश्वविद्यालय से प्राप्त नर्सिंग पीएचडी डिग्री को मान्यता नहीं मिली है, जिसने हजारों छात्रों के भविष्य को अनिश्चितता में डाल दिया है। अभ्यर्थियों ने अपनी डिग्री की वैधता और कॅरिअर विकल्पों को लेकर चिंता व्यक्त की है। क्योंकि मान्यता न मिलने की स्थिति में वे सरकारी सेवाओं, शैक्षिणक कार्य या शोध कार्यों में समस्या का सामना कर सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह की डिग्रियां शिक्षा क्षेत्र की गुणवत्ता और विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं। इस मामले में विश्वविद्यालय और संबंधित उच्च शिक्षा नियामक संस्थाओं से इस स्थिति की जांच कर उचित कदम उठाने की मांग की जा रही है। साथ ही, नर्सिंग और अन्य विषयों में डिग्री प्राप्त करने वाले छात्रों से सतर्क रहने और मान्यता सत्यापित करने की अपील की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा भी इस संबंध में निगरानी बढ़ाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने पर जोर दिया जा रहा है ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति से बचा जा सके और छात्रों के हितों की रक्षा की जा सके। यह मामला न केवल विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है बल्कि पूरे शैक्षिणक तंत्र में विश्वास के मुद्दे को भी उजागर करता है, जिसके लिए ठोस और पारदर्शी कार्रवाई आवश्यक है।

महाजन फायरिंग रेंज में भारत और रूस के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास "इंद्रा" शुरू

भारत और रूस के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास की शुरुआत 2003 से हुई थी

बीकानेर, (निसं)। महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत और रूस के बीच युद्धाभ्यास "इंद्रा" शुरू हो गया। 15 अक्टूबर तक चलने वाले इस युद्धाभ्यास के उद्घाटन समारोह में रूसी सेना के मेजर जनरल आंद्रे कोजलोव और भारतीय सेना की गांडीव डिवीजन के कमांडर मेजर जनरल संजय चंद्र कांडपाल सहित दोनों देशों की सैन्य टुकड़ी शामिल हुई।

- इंद्रा एक्सरसाइज का उद्देश्य, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई सहित दोनों देशों की सेनाओं के बीच समन्वय और सामंजस्य बढ़ाना है

गौरतलब है कि भारत और रूस के बीच संयुक्त युद्धाभ्यास की शुरुआत 2003 से हुई थी। साल 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से इंद्रा एक्सरसाइज को रोक दिया गया था। इंद्रा एक्सरसाइज का उद्देश्य, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई सहित दोनों देशों की सेनाओं के बीच समन्वय और सामंजस्य बढ़ाना है। एक्सरसाइज के जरिए दोनों देशों की सेनाएं, आतंकवाद रोधी अभियानों की रणनीति में सुधार करना भी शामिल है। एक्सरसाइज के जरिए दोनों देशों की सेनाएं परिचालन क्षमता बढ़ाने और आधुनिक युद्ध के संदर्भ में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान करने पर विशेष ध्यान देंगी। साथ ही अभ्यास का उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग मजबूत करना और साझा सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए संयुक्त क्षमता विकसित करना है। एक्सरसाइज के जरिए भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने में मदद मिलेगी।

नवजात बच्चों को फैंकने की घटनाओं पर रालसा ने संज्ञान लिया

भीलवाड़ा, (निसं)। पिछले दिनों भीलवाड़ा के बिजौलियां में 15 दिन के शिशु को मुंह में पत्थर ठूस फेंकने के मामले ने पूरे प्रदेश को झंकझोर दिया था। ऐसी घटनाओं की पुनरावर्ती रोकने के लिए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण,जयपुर (राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर) द्वारा ऐसी घटनाओं पर संज्ञान लिया गया एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को जिलों में स्थित पालना गृहों के निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया।

- पालना गृह का सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने निरीक्षण किया

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधीकरण,जयपुर के निर्देशों की पालना में बुधवार को विशाल भार्गव (अपर जिला न्यायाधीश) सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भीलवाड़ा ने भीलवाड़ा जिले में स्थापित दो पालना गृह, महात्मा गांधी चिकित्सालय ,भीलवाड़ा एवं राजकीय दत्तक ग्रहण ऐजेंसी, राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह पालड़ी का निरीक्षण किया एवं उपस्थित अधिकारी से पालना गृहों का निर्धारित मानकों के अनुसार संचालन किया जा रहा है या नहीं व सुरक्षित छोड़े गये नवजातों के लिए उपलब्ध सुविधाओं, स्वास्थय तथा उनको दी जा रही अन्य चिकित्सा सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली एवं आवश्यक निर्देश दिये। विशाल भार्गव ने तालुका स्तर पर भी पालना गृह स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टर व निदेशक समाज कल्याण विभाग को पत्र प्रेषित किया।

सड़क हादसे में एक की मौत

निवाई, (निसं)। मंगलवार की रात में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बरथल तिराहे के समीप एक अज्ञात वाहन ने एक कार के टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कार में सवार तीन जने घायल हो गए जिनमें से उपचार के दौरान जयपुर में एक की मौत हो गई। बरोनी थाना प्रभारी बृजेंद्रसिंह ने बताया कि मंगलवार की रात को अज्ञात वाहन ने एक कार के टक्कर मार दी। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बृजेश पुत्र भंवरलाल सैन निवासी बूंदी गोठड़ा थाना डबलाना, जिला बूंदी, भरत सिंह पुत्र राम सिंह निवासी सरसोवा, जिला बूंदी व सीताराम पुत्र कल्याणमल चंदेल निवासी डबलाना को घायलावस्था में निवाई अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां से चिंताजनक हालत में तीनों को जयपुर रैफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि उपचार के दौरान जयपुर में भरत सिंह की मौत हो गई।

बंदी फरार

बीकानेर, (निसं)। यहां खुली जेल में बंद सजायाफ्ता बंदी बीती शाम फरार हो गया। अपने बेहतर आचरण के चलते उसे खुली जेल में रखा गया था, जहां से वो मंगलवार की शाम फरार हो गया। जेल प्रशासन ने अब बीछवाल पुलिस थाने में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। महाराष्ट्र के मुरैना का रहने वाला रूप सिंह मंगलवार को सुबह खुली जेल में था। वो दिनभर वहां काम करता और शाम को भी खुली जेल में सोता था। यहां के सभी बंदियों की सुबह और शाम हाजिरी होती है। मंगलवार शाम करीब सात बजे हाजिरी ली गई तो उसमें रूप सिंह नहीं था। खुली जेल में सभी जगह रूप सिंह की तलाश की गई, लेकिन वो नहीं मिला।उसके गायब होने से बंदीगृह के सुरक्षाकर्मियों के होश उड़ गए। तुरंत इधर-उधर ढूंढा गया लेकिन रूप सिंह नहीं मिला। बुधवार को भी उसकी तलाश की गई लेकिन वो फरार ही रहा। अब बीछवाल पुलिस ने उसके घर के साथ ही परिचितों के यहां भी जांच बढ़ा दी है। बीछवाल थाने में बीएनएस की धारा 262 के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच हेड कॉन्स्टेबल सुरेंद्र कुमार को सौंपी गई है।

चोरी करने वाली अंतर्राष्ट्रीय गैंग का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। अपराधी इतने शातिर हो चुके हैं कि दूसरे के कागज लगा कर ट्रक ड्राईवर की नौकरी हासिल करते और रास्ते में ही लाखों के सामान को पार कर लेते। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में ऑनलाइन ठगी, सेक्सटॉर्शन, ओएलएक्स, म्यूल अकाउंट, फर्जी सिम आदि फ्रॉड के विरुद्ध नेकीराम पुलिस निरीक्षक, पुलिस थाना लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर के निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए फिल्पकार्ट कम्पनी के ट्रक में से कीमती मोबाईल फोन व अन्य कीमती सामान चोरी करने वाली अन्तर्राष्ट्रीय गैंग का पर्दाफाश करते हुए चोरी किये गये एपल कम्पनी के 27 मोबाइल फोन सहित तीन आरोपी गिरफ्तार किये गये।

पुलिस ने सामान चोरी के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- फ्लिपकार्ट कंपनी के ट्रक से 226 मोबाइल फोन व अन्य सामान चुराया था

घटना अनुसार परिवादी लखनपाल सिंह निवासी भोराकला बिलासपुर थाना बिलासपुर जिला गुड़गांव हरियाणा ने एक रिपोर्ट इस आशय की पेश कि की मेरी ट्रांसपोर्ट कम्पनी अमृतसिंह मोटर के वाहन को फर्जी दस्तावेज पेश कर प्राप्त कर भिवण्डी महाराष्ट्र में फ्लिपकार्ट वेयर हाउस से माल भरकर लाया गया और उक्त वाहन में से 234 आईटम गायब हुए हैं, जिनमें 221 आईफोन, 16, वीवो फोन, 1 सेमसंग गेलेक्सी, 2 रेडमी फोन, 1 हैड फोन आदि सामान थे। इस तरह दोनों ड्राईवर नासिर खान व चाहत खान ने लोड वाहन ट्रक में से मुम्बई व दिल्ली के बीच पड़ने वाले रास्ते में 234 आइटम चुरा लिये। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि नासिर खान व चाहत खान नाम के व्यक्तियों ने अपने फर्जी दस्तावेज पेश किये थे औऱ नासिर खान व चाहत खान नाम के दोनों व्यक्ति इस नाम के ना होकर क्रमशः अफजल व असलम निवासी गोठडीगुरु के हैं।

इस पर मुकदमा दर्ज कर जांच की। जांच के दौरान अफजल निवासी गोठडीगुरु थाना लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर, असलम निवासी गोठडीगुरु थाना लक्ष्मणगढ जिला अलवर, सुधीर यादव निवासी असलीमपुर की ढाँणी तिजारा थाना तिजारा जिला खैरथल तिजारा को गिरफ्तार किया गया व 27 एप्पल कम्पनी के मोबाइल फोन बरामद किये गये हैं।

शोभायात्रा के साथ दो दिवसीय "थार महोत्सव" शुरू

विभिन्न प्रतियोगताएं आकर्षण का केन्द्र रही, नक्षत्री थार सुन्दरी और धमेन्द्र डाबी थारश्री बने

बाड़मेर, (नि.सं.)। जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में बाड़मेर जिला मुख्यालय पर राजस्थानी कला, संस्कृति, लोक गायकी और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय थार महोत्सव का आगाज जिला कलेक्टर टीना डाबी ने गांधी चौक पर शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर किया। यह भव्य शोभायात्रा मुख्य बाजार, स्टेशन रोड़, नेहरू नगर होते हुए करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर तय करते हुए आदर्श स्टेडियम पहुंची।

- दादा-पोता दौड़ में 67 साल के मूलाराम और 14 साल के पोते महिपाल ने रेस जीती
- दंपती दौड़ में सरकारी अध्यापक सवाईराम अपनी पत्नी का हाथ पकड़कर दौड़े और रेस जीती

थार महोत्सव का जिला कलेक्टर टीना डाबी ने शोभायात्रा को हरी झंडी दिखाकर आगाज किया।

थारश्री बने धर्मेन्द्र डाबी।

इस यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश लिए गांधी चौक से रवाना हुईं। शाही लवाजमे के साथ निकली शोभायात्रा में विभिन्न क्षेत्रों से आए दलों ने प्रस्तुतियां दी। ऊंट, घोड़े, ऊंट गाड़ी पर सवार लोक कलाकारों ने गीतों की प्रस्तुतियां दी। शोभायात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। इस बार महोत्सव में कार्यक्रमों की थीम रंग रेगिस्तान पर रखी गई है। शोभायात्रा के आदर्श स्टेडियम पहुंचने पर थार महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। यहां गेर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। यहां जिला कलक्टर टीना डाबी, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार, बाड़मेर उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर, आईएएस छाया सिंह, अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेन्द्रसिंह चांदावत ने हाइड्रोजन बैलून छोड़कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उनका उत्साह देखते ही बन रहा था। इस दौरान समाजसेवी दीपक कड़वासरा, रमेशसिंह इंदा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जसाराम बोस समेत विभिन्न विभागीय अधिकारी, कार्मिक, गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इस दौरान थार श्री एवं थार सुन्दरी प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से निर्णायक मंडल ने मुंबई के सोफिया कॉलेज में पढ़ने वाली नक्षत्री को थार सुन्दरी चुना। वहीं बाड़मेर में मैकेनिक का काम करने वाले धर्मेन्द्र डाबी ने परंपरागत पोषाक, आभूषण, व्यक्तित्व के आधार पर थारश्री का खिताब जीता। घुड़सवारी प्रतियोगिता में बाड़मेर शहर निवासी रूपसिंह अपने घोड़े श्याम को लेकर पहुंचे। इस दौरान दादा-पोता दौड़ में 67 साल के मूलाराम और 14 साल के पोते महिपाल ने रेस जीती। इसी तरह दंपती दौड़ में सरकारी अध्यापक सवाईराम अपनी पत्नी का हाथ पकड़कर दौड़े और रेस जीती। वहीं महिलाओं ने सिर पर मटका लेकर दौड़ लगाई। इस मटका दौड़ में बिशाला की रतनी विजेता रही। इस दौरान साफा बांधने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान प्रशासन और मीडिया के बीच रस्साकस्सी का रोचक मुकाबला हुआ, जिसमें जिला प्रशासन की टीम विजेता रही और मीडिया टीम उप विजेता रही। इन टीमों को जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि कुमार और बाड़मेर उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर ने ट्रॉफी प्रदान की।

थार महोत्सव के प्रथम दिन आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में ढोल वादन में सैफ अली खान विजेता, पनिहारी मटका दौड़ रतनी, परमेश्वरी, सुशीला, मेहंदी प्रतियोगिता में प्रियंका, लक्ष्मी, गंगा, रंगोली में सुनील, मनु, संतोष विजेता रहे। बास्केटबाल प्रतियोगिता शहीद उगमसिंह क्लब एवं मल्लीनाथ क्लब के मध्य हुआ। इसमें 41-55 से मल्लीनाथ क्लब से मुकाबला जीता। दादा पोता दौड़ में विजेता मूलाराम-महिपाल, रस्सा कस्सी महिला में ग्रामीण महिला विजेता, सुंदर मूंछ प्रतियोगिता में खेताराम, साफा बांधो प्रतियोगिता में दीपसिंह भाटी, सुंदर साफा में अशोक शेरा, दंपति दौड़ में सवाईराम एवं लता विजयी रहे।

श्रीगंगानगर में छाई धुंध, विजिबिलिटी 100 मीटर

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने के साथ ही सर्दी का असर लगातार बढ़ रहा है। पिछले 3 दिनों में न्यूनतम तापमान में 5 डिग्री तक गिरावट रिकॉर्ड की गई है। सुबह-शाम सर्दी बढ़ने लगी है और बारिश के बाद मौसम ठंडा होने लगा है। बुधवार को ग्रामीण इलाकों में धुंध के कारण विजिबिलिटी 100 मीटर रही। कृषि अनुसंधान केंद्र, श्रीगंगानगर पर बुधवार सुबह का न्यूनतम पारा 19.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 20.2 और अधिकतम तापमान 27.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। सोमवार को न्यूनतम तापमान 25 डिग्री व अधिकतम तापमान 37 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अगले 4 से 5 दिन जिले में मौसम ड्राई रहेगा और धूप रहेगी। किसानों ने बताया कि खेतों में मूंग की फसल पकने को है, जबकि नरमा और कपास की चुगाई का काम शुरू हो चुका है। आंधी और बारिश के कारण इन फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है।

दो कारों से शराब जब्त

डूंगरपुर, (निसं)। धंबोला थाना पुलिस ने अवैध कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को अंग्रेजी शराब जब्त की है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

घटनाक्रम के अनुसार मुखबिर के जरिये मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने थाने के बाहर नाकेबंदी के दौरान शराब से भरी दो लग्जरी कारों को रोका और उनकी तलाशी लेने पर दोनों कारों के बोनट में छिपाकर रखी शराब की 140 बोतल जब्त की है। वहीं, तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर के जरिए सागवाड़ा से सीमलवाड़ा होकर गुजरात शराब तस्करी की सूचना मिली थी। सूचना पर थाने के बाहर नाकेबंदी की गई। इस दौरान दो कारें आगे पीछे आते हुए दिखाई दी। पुलिस ने दोनों कारों को रुकवाकर तलाशी ली। इस दौरान दोनों कारों के बोनट में शराब छिपाकर रखी हुई थी। जिस पर पुलिस ने दोनों कारों को जब्त किया। एक कार से शराब की 69 बोतल व दूसरी कार से 71 बोतल शराब बरामद की। पुलिस ने उदयपुर निवासी विजय सिंह, डूंगरपुर जिले के बांदेला निवासी सुभाष चंद्र लबाना और डूंगरपुर के निठाउवा निवासी दिलीप लबाना को गिरफ्तार किया है।

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टीम में 'साहसी मानसिकता' को बढ़ावा दिया है, जिसमें ''हार का कोई विकल्प नहीं होता''। उन्होंने लगभग तीन साल टीम से बाहर रहने के बाद अपनी अंतर्राष्ट्रीय वापसी का श्रेय गंभीर और टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव को भी दिया। - वरुण चक्रवर्ती

भारतीय गेंदबाज, कोच गौतम गंभीर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **ब्रायन लारा**

वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने टीम की हालिया गिरावट के लिए धन और तकनीक की कमी को ज़िम्मेदार ठहराया, लेकिन साथ ही खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन के लिए और ज़्यादा जुनून दिखाने का आह्वान भी किया। अहमदाबाद में पहले टेस्ट में भारत से वेस्टइंडीज की करारी हार के बाद, टेस्ट कप्तान रॉस्टन चेज ने कैरेबियाई टीम में 'बुनियादी ढांचे की समस्याओं' और 'वित्तीय संघर्ष' की निरंतर समस्या पर प्रकाश डाला। क्रिकेट वेस्टइंडीज की क्रिकेट रणनीति से संबंधित समिति, जिसके लारा और चेज दोनों सदस्य हैं, ने इस पर चर्चा की थी।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और वेस्टइंडीज एक दूसरे से 142 मैचों में भिड़ीं। भारत ने 72 मैच जीते जबकि वेस्टइंडीज 64 मैचों में विजयी हुई 4 मैचों में कोई नतीजा नहीं निकला 2 मैचों बराबरी पर छूटे।

बेथ मूनी के शतक से ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को 107 रनों से हराया

कोलम्बो, 8 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में बुधवार को पाकिस्तान पर 107 रन की जीत दर्ज की। यह ऑस्ट्रेलिया की इस टूर्नामेंट में दूसरी जीत है। कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 222 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 36.3 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। सिद्रा अमीन ने सबसे ज्यादा 35 रन बनाए। किम गर्थ को 3 विकेट मिले। मेगन शूट और एनाबेल सदरलैंड को 2 विकेट मिले। टॉस हारकर पहले बैटिंग कर रही ऑस्ट्रेलिया ने 76 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। ऐसे में बेथ मूनी ने शतकीय पारी खेलकर 50 ओवर में टीम स्कोर 221/9 पहुंचा दिया। बेथ मूनी ने 114 बॉल पर 109 रन की पारी खेली। इस पारी में 11 चौके शामिल रहे। मूनी ने अलाना किंग के साथ 9वें विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी की। यह विमेंस वनडे क्रिकेट के इतिहास में 9वें नंबर की सबसे बड़ी साझेदारी है। पाकिस्तानी स्पिनर नाशरा संधू ने 3 विकेट झटके। कप्तान फातिमा सना और रमीन शमीम ने 2-2 विकेट लिए।

भारतीय रेसलर अमन सेहरावत पर लगा एक साल का बैन, एशियन गेम्स से भी रहेंगे बाहर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। पेरिस ओलंपिक 2024 ब्रॉन्ज मेडलिस्ट अमन सेहरावत मुश्किल में आ गए हैं। उनके ऊपर भारतीय कुश्ती महासंघ ने एक साल का बैन लगाया है। दरअसल, हाल ही में क्रोएशिया के जाग्रेब में आयोजित सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में वह डिस्क्वालीफाई कर दिए गए थे। उन्हें 57 किलोग्राम वर्ग में वजन सीमा से 1.7 किलो ज्यादा पाया गया था। इसी कारण उनके ऊपर नियम तोड़ने का आरोप लगा। अब उनके ऊपर एक साल के लिए बैन लगा दिया गया है।अमन अगले साल 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। वह अब भारतीय खेल इतिहास के पहले ऐसे एथलीट बन गए हैं जिनके ऊपर ओलंपिक मेडल जीतने के बाद भी होम फेडरेशन ने बैन लगाया है। उनका ये बैन 23 सितंबर 2025 से 22 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। ओलंपिक पदक विजेता और दो बार के जूनियर वर्ल्ड चैंपियन अमन सेहरावत के लिए ये एक बड़ा झटका है। वहीं अमन के बैन पर कुश्ती महासंघ ने एक पत्र में कहा कि, आपको कारण बताओ नोटिस की तिथि से एक साल की अवधि के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कुश्ती से जुड़ी सभी गतिविधियों से निलंबित कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि ये निर्णय अंतिम है।

राजस्थान अंडर-23 टीम घोषित रोहन राजभर को टीम की कप्तानी व राज उपकप्तान

जयपुर 8 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 23 क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम का चयन राजस्थान सीनियर चयन कमेटी ने आरसीए द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं, चैलेंजर ट्रॉफी व प्रैक्टिस मैचों में खिलाडियों के प्रदर्शन के आधार पर किया। राजस्थान अंडर 23 टीम के चयनित खिलाडी :-सचिन यादव, धर्मवीर सैनी, रोहन राजभर (कप्तान), राज शर्मा (उपकप्तान), करण लाम्बा, दर्शन जैन, अनिरुद्ध सिंह चौहान, मोहित छांगरा, चेतन शर्मा, दीपेंद्रसिंह, गणेश सुथार, शोभित मिश्रा, भगवान सिंह, आयुष अमेरिया, सर्वज्ञ पानेरी, मिनाफशेख।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर होंगे जसप्रीत बुमराह-साई सुदर्शन, टीम इंडिया की संभावित प्लेइंग 11

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 10 अक्तूबर से दिल्ली में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। अब 10 अक्तूबर से दिल्ली में होने वाले सीरीज के दूसरे और आखिरी टेस्ट मैच में भारत 1-0 की बढ़त के साथ उतरेगा। कप्तान शुभमन गिल की नजरें जहां होंगी बतौर कप्तान पहली टेस्ट सीरीज जीतने पर। वहीं प्लेइंग 11 में भी कुछ बदलाव इस मुकाबले में नजर आ सकते हैं। दो खिलाड़ी जिनको बाहर करने की संभावना है वो हैं जसप्रीत बुमराह और साई सुदर्शन। वहीं देवदत्त पडिक्कल की एंट्री हो सकती है अगर सुदर्शन को प्लेइंग 11 से बाहर किया गया।

दरअसल, जसप्रीत बुमराह की बात करें तो एशिया कप2025 का फाइनल उत्सव को चिह्नित किया। उन्होंने 28 सितंबर को खेला था। इसके बाद वह सीधे टीम के साथ अहमदाबाद पहुंच गए थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में उन्होंने शानदार गेंदबाजी भी की थी। अब दिल्ली टेस्ट में वर्कलोड मैनेजमेंट के चलते बुमराह को आराम दिया जा सकता है। 19 अक्तूबर से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से भी वह बाहर हैं और 29 अक्तूबर से होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज में मैदान पर उतरेंगे। अभी ऑस्ट्रेलिया के कठि दौरे से पहले उनको आराम देकर प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया जा सकता है। बुधवार को अभ्यास सत्र में भी कृष्णा ने लंबे समय तक बुमराह, सिराज और रेड्डी के साथ गेंदबाजी की।

साई सुदर्शन ने जरूर कप्तान शुभमन गिल और कोच गौतम गंभीर कि चिंता बढ़ा रखी होगी। उन्होंने अपनी 7 टेस्ट पारियों में सिर्फ 147 रन ही बनाए हैं। अहमदाबाद टेस्ट में भी वह फ्लॉप रहे थे। ऐसे में अब दिल्ली टेस्ट में उनको आखिरी मौका मिलेगा। या फिर कप्तान व कोच देवदत्त पडिक्कल को आजमाना चाहेंगे। पडिक्कल की बात करें तो वह हाल ही में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनाधिकारिक टेस्ट मैच में 150 रन की पारी खेलकर आए हैं। इसके अलावा उन्होंने तीन टेस्ट पारियों में भारत के खिलाफ एक अर्धशतक भी लगाया है। जबकि सुदर्शन सात पारिया खेलकर सिर्फ एक पचासा लगा पाए हैं।

भारत की संभावित प्लेइंग 11

यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल/साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह/प्रसिद्ध कृष्णा/ अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

ओडिशा ने महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ को 3-0 से हराया

नारायणपुर, 8 अक्टूबर। 30वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप (राजमाता जिजाबाई ट्रॉफी) के फाइनल राउंड में ओडिशा ने छत्तीसगढ़ को 3-0 से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। ओडिशा की टीम ने मंगलवार शाम खेले गए इस मैच में शुरू से ही आक्रामक फुटबॉल खेलकर दबदबा कायम रखा। पहले हाफ में ओडिशा ने दो गोलों की बढ़त बना ली। 23वें मिनट में जसोदा मुंडा ने पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि 42वें मिनट में सुमित्रा हेंब्रम ने दूसरा गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में छत्तीसगढ़ की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास किया। खिलाड़ी जनवी साहू, मसिपोगु पुष्पा और कप्तान प्रियंका कश्यप ने कुछ बेहतरीन मूव बनाए, लेकिन ओडिशा की मजबूत डिफेंस और गोलकीपर सस्मिता परिदा के शानदार प्रदर्शन के आगे वे गोल नहीं कर सकीं।

गोल्फ खेलने उतरे विंडीज के दिग्गज क्रिकेटर

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। खेल के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक, क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने इस सप्ताह आईजीपीएल द्वारा संचालित एक विशेष क्रिकेट वेस्टइंडीज गोल्फ डे के साथ अपनी विरासत को सीमाओं से परे ले जाने का काम किया। वेस्टइंडीज के महान खिलाड़ियों सर विवियन रिचर्ड्स, ब्रायन लारा और सर रिची रिचर्डसन के साथ-साथ वर्तमान सितारे शाई होप और रोस्टन चेज की उपस्थिति में, यह अपनी तरह का पहला नेटवर्किंग अनुभव था जो क्रिकेट के दिग्गजों, वैश्विक व्यावसायिक नेताओं और खेल जगत की हस्तियों को एक मंच पर एक साथ लाया। सीडब्ल्यूआई के दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदार, टीसीएम स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम ने खेल की कुछ दुर्जेय ताकतों - जिन्होंने खेल को आकार देने में मदद की - की संगति में वेस्टइंडीज क्रिकेट के

30 साल बाद विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव की भिड़ंत

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद और गैरी कास्परोव 30 साल बाद एक बार फिर शतरंज के मैदान में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर देते हुए दिखेंगे। बुधवार से अमेरिका के सेंट लुई में क्लच शतरंज द लीजेंड्स टूर्नामेंट में आमने-सामने होंगे।इस 12 बाजी वाले शतरंज मुकाबले की कुल इनामी राशि 1,44,000 डॉलर होगी। वहीं इसका आयोजन नवीनीकृत सेंट लुई शतरंज क्लब में किया जाएगा।

साल 1995 में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की 107वीं मंजिल पर क्लासिकल वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच खेलने के बाद खेल के ये दो दिग्गज रैपिड एंव ब्लिट्ज प्रारूप में एक बार फिर आमने-सामने होंगे जिसे हाल ही में फ्रीस्टाइल शतरंज नाम दिया गया है।

बता दें कि, गैरी कास्परोव ने आनंद के खिलाफ उस मुकाबले में दबदबा बनाया था और 20 बाजी का मुकाबला 10.5-7.5 से जीता था। 2004 में संन्यास लेने के बाद से कास्परोव केवल प्रदर्शनी या ब्लिट्ज प्रतियोगिताओं में ही खेले हैं जबकि आनंद अब कभी कभार टॉप प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते हैं। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रतिदिन चार बाजी होंगी जिसमें दो रैपिड और दो ब्लिट्ज बाजी होंगी। पहले दिन जहां चार अंक दांव पर होंगे तो वहीं दूसरे दिन ये दोगुने हो जाएंगे। प्रत्येक जीत पर दो अंक मिलेंगे। तीसरे दिन प्रत्येक बाजी जीतने पर तीन अंक मिलेंगे।

वहीं विजेता को 70,000 डॉलर यानी लगभग 62 लाख रुपये मिलेंगे जबकि हारने वाले को 50,000 डॉलर यानी लगभग 44 लाख रुपये मिलेंगे। अगर 12 बाजी के बाद मैच बराबरी पर रहता है तो इनामी राशि आधी-आधी बांटी जाएगी जिसमें प्रत्येक खिलाड़ी को 60,000 डॉलर यानी करीब 35 लाख रुपये मिलेंगे। साथ ही 12 बाजी के लिए 24,000 डॉलर यानी करीब 12 लाख रुपये की बोनस राशि भी मिलेगी।

संजू को सिएट पुरुष टी-20 बल्लेबाज का पुरस्कार

मुंबई, 8 अक्टूबर।भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मंगलवार शाम सिएट क्रिकेट अवाड्र्स 2025 में सिएट पुरुष टी20आई बल्लेबाज के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मिलाने पर सैमसन ने कहा,मैं यह पुरस्कार अपनी पत्नी चारु को समर्पित करना चाहूंगा, जो मेरे जैसे ही सफर पर है। मैं यह पुरस्कार दुनिया भर के उन सभी उत्साही क्रिकेट प्रशंसकों को भी समर्पित करना चाहूंगा जिनकी वजह से हम जहाँ भी जाएँ, सुपरस्टार की तरह व्यवहार कर पाते हैं और उनके बिना यह शो चलाना नामुमकिन है। उन्होंने कहा, मैं इस अवसर पर सिएट को इतने शानदार आयोजन के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा जहां हम अपने व्यस्त कार्यक्रम से एक रात के लिए रुकते हैं, और हम क्रिकेटरों को मैदान पर उनकी उपलब्धियों के लिए सराहा जाता है। सैमसन ने कहा, इस समय, मैं खुद की भी सराहना करना चाहूंगा। मेरे जैसा एक व्यक्ति जो चुपचाप, धैर्यपूर्वक काम करता रहा और अपने सामने आने वाली सभी चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद मानसिक और शारीरिक रूप से मेहनत करता रहा। लेकिन हमेशा प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित किया और बाहरी शोर पर ध्यान देने के बजाय हमेशा अपने अंतर्मन पर ध्यान केंद्रित किया।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में सिराज और रवीन्द्र जडेजा ने किया कमाल, कुलदीप-राहुल ने लगाई बड़ी छलांग

नई दिल्ली, 8 अक्टूबर। आईसीसी ने बुधवार को टेस्ट प्लेयर्स की ताजा रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में कमाल की उठापटक देखने को मिली। भारत के धाकड़ तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने नया कारनामा अंजाम दिया है। उन्होंने अहमदाबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद इस अपने करियर की बेस्ट रेटिंग हासिल की है। सिराज के खाते में फिलहाल 718 रेटिंग अंक हैं। वहीं वह तीन पायदान के फायदे से 12वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वहीं कुलदीप यादव ने सात स्थानों की छलांग लगाई है। वह अब संयुक्त रूप से 21वें पायदान पर आ गए हैं। उनके और पाकिस्तान के स्पिनर साजिद खान के 644-644 अंक हैं। कुलदीप ने अहमदाबाद टेस्ट में चार विकेट अपने नाम किए। मैच में तीन विकेट लेने वाले स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह टॉप पर बरकरार हैं। उनके 885 अंक हैं। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा 851 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं जबकि न्यूजीलैंड के मैट हनरी 846 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर हैं।

टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव हुआ। अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है। उनके 644 अंक हैं। वह 6 स्थान की छलांग लगाकर 25वें पर पहुंच गए हैं। 36 वर्षीय जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में नाबाद शतक जड़ने के अलावा चार विकेट लिए थे। वह प्लेयर ऑफ द मैच रहे। दाएं हाथ के बल्लेबाज केएल राहुल ने भी शतक जमाया था और वह टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में चार स्थान चढ़कर 35वें स्थान पर चले गए हैं। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट की बादशाहत कायम है। वह 908 अंकों के साथ टॉप पर हैं।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर अंडर-19 चार दिवसीय सीरीज 2-0 से जीती

मैकाय, 8 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 और भारत अंडर 19 के बीच दूसरे चार दिवसीय मैच में शुरू से अंत तक तेज गेंदबाज़ों और स्पिनरों दोनों का दबदबा रहा। यह मैच महज दो दिनों के अंदर ही समाप्त हो गया। भारतीय टीम ने इस मुक़ाबले में जबरदस्त जीत हासिल की है। पहले मैच में ब्रिस्बेन की परिचित परिस्थितियों में भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ी इकाई ने ख़ास प्रदर्शन नहीं किया था। उस मैच में उन्होंने पहली पारी में 243 और फिर 127 रन बनाए थे। उस मैच में मेजबान टीम को एक पारी और 58 रनों की बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि उस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कई मौक़ों पर वापसी का अच्छा प्रयास किया था। हालांकि दूसरे मैच में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला। सिर्फ़ विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एलेक्स ली यंग ही बल्ले से अपनी क्लास दिखा पाए, लेकिन उन्हें अन्य किसी खिलाड़ी का साथ नहीं मिला।

भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले के लिए तैयार

विशाखापत्तनम, 8 अक्टूबर। क्रिकेट प्रेमियों के लिए कल एक शानदार मौका है जब भारतीय महिला टीम डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में आईसीसी महिला विश्व कप के एक अहम मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं से भिड़ेगी। मैच दोपहर 3 बजे शुरू होगा और देखने से लग रहा है कि पहला गेंद फेंके जाने से काफी पहले ही ड्रामा शुरू हो जाएगा।

भारत की उम्मीदें स्मृति मंधाना पर टिकी हैं, जो एक ऐसी बल्लेबाज हैं जो इतनी शानदार बल्लेबाजी करती हैं कि कम ही लोग उनकी बराबरी कर पाते हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे में 54 की औसत और तीन शतकों और पांच अर्धशतकों के साथ मंधाना न सिर्फ फॉर्म में हैं, बल्कि पूरी तरह से नियंत्रण में भी हैं। प्रतीका रावल शीर्ष क्रम में उनका साथ देंगी और टीम को मजबूती प्रदान करेंगी, जबकि लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली हरलीन देओल तीसरे स्थान पर रहेंगी।

हरमनप्रीत कौर, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष का मध्यक्रम पलक झपकते ही मैच पलटने की ताकत रखता है, लेकिन उन्हें प्रोटियाज की फॉर्म में चल रही गेंदबाजी का धैर्य और संयम से सामना करना होगा। फॉर्म की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका की कमान अजेय ताजमिन ब्रिट्स के हाथों में होगी। अपनी पिछली पांच विश्व कप पारियों में चार शतक-जी हाँ, चार!

ब्रिट्स क्रीज पर तूफानी रही हैं, और भारतीय गेंदबाजों को उनकी लय को थामने के लिए कुछ खास करना होगा। लॉरा वोल्वार्ट और सुने लुस लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं, जबकि मारिज़ैन काप का ऑलराउंड प्रदर्शन और नॉनकुलुलेको म्लाबा की सटीकता प्रोटियाज को संतुलन प्रदान करती है। वीडीसीए की पिच सभी के लिए कुछ न कुछ प्रदान करती है। बल्लेबाजों को अपने स्ट्रोक्स का शुरुआती फायदा मिलता है। लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ता है, सतह धीमी होती जाती है, जिससे स्पिनरों को ज़्यादा मदद मिलती है। इतिहास गवाह है कि लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को बढ़त हासिल होती है-यहां पंद्रह में से दस वनडे मैच दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली टीम के खाते में गए हैं।

जयपुर की जीत के हीरो रहे पद्मनाभ सिंह

जयपुर, 8 अक्टूबर। पीपीसी पोलो ग्राउंड पर पहला मैच डायनामिक अचीवर्स ओर सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम के बीच खेला गया जिसमें डायनामिक अचीवर्स ने सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम को 3 के मुकाबले 6 गोल से हराया।सुहाना ऑल स्टार पोलो टीम की ओर से ध्रुवपाल गोदारा ने 2 गोल ओरलियोरेट ने अपनी टीम के लिए 1 गोल किया। डायनामिक अचीवर्स की ओर से सवीर मेहराज ने 2 गोल, डेनियल ओटमेडी ने 3 गोल किए जबकि शमशीर अली ने अपनी टीम के लिए 1 गोल कर जीत पक्की कर दी। रामबाग पोलो ग्राउंड पर जयपुर पोलो ओर कानोता पोलो टीम के बीच मैच खेला गया जिसमें जयपुर पोलो टीम ने कानोता पोलो टीम को 2 के मुकाबले 8 गोलों से हराया। जबकि कानोता पोलो टीम की ओर से प्रताप सिंह ओर डीनो धनखड़ ने 1-1 गोल किए। जयपुर पोलो टीम की ओर सेदेवरथ सिंह ओर लांस वाटसन ने 1-1 गोल, महाराज पद्मनाभ सिंह ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए 6 गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

श्री गुर इकबाल स्मृति पुरुष एवं (स्व.) नरेन्द्र कौर भुल्लर स्मृति (महिला) सिक्स-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता आरंभ

जयपुर, 8 अक्टूबर। एस. एम.एस स्टेडियम जयपुर पर खेली जा रही इन प्रतियोगिताओं में महिला वर्ग का पहला मैच रैड रेन्जर बनास पिंकसिटी क्लब के मध्य खेला गया, मैच नो गोल रहित रहा। पुरुष वर्ग का पहला मुकाबला प्रताप क्लब बनाम वीर शिवा क्लब का था। तेजगति से खेला गया यह मुकाबला भी गोलरहित रहा।

पुरुष वर्ग का दूसरा मुकाबला रायल क्लब डस्टार क्लब के बीच खेला गया। खेल के तीसरे मिनट में स्टार क्लब ने गोल कर 1-0 से बढ़त बनाली। चौथे मिनट मे रायल क्लब ने गोल बराबर कर स्कोर 1-1 बराबर कर लिया। स्टार क्लब खिलाड़ी तीसरा गोल कर स्कोर 2-1 कर लिया। स्टार क्लब ने 12वे व 16वे मिनट में गोल कर स्टार क्लब: 5 व रायल क्लब 2 परिणाम रहा।

इस प्रतियोगिता के पुरुष वर्ग में 8 टीमें जबकि महीला बर्ग में 6 टीमें भाग ले रही है। इन टीमों को प्रत्येक वर्ग मे पुलों में बांटा गया है। प्रत्येक वर्ग (पुरुष व महिला) में दोनो पुलों की विजेता टीमों के मध्य फाइनल मुकाबला खेला जायेगा।

इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन मेजर जनरल (रिटा)संजय गुप्ता द्वारा किया गया तथा स्व- गुर इकबाल सिंह भुल्लर एवं स्वं मरेन्द्र कौर भुल्लर के चित्रों पर पुष्पास्नान अर्पित की गई। आयेजन सचिव एवं पूर्व अन्तराष्ट्रीय हॉकीखिलाडी दलजीत सिंह ने समस्त खिलाडियों एवं आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया गया।

बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी-20 ट्रॉफी में राजस्थान ने पॉन्डिचेरी को हराया

राजस्थान की जीत में सुमित्रा जाट चमकी

जयपुर, 8 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार आज नागपुर में खेले गए बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी20 ट्रॉफी मैच में राजस्थान ने पॉन्डिचेरी को 8 विकेट से हराया। राजस्थान की जीत में सुमित्रा जाट का शानदार प्रदर्शन।

उत्तराखंड पारी 97/5, टीम के लिए सालोंकार नाबाद 44 व दिव्या 18 रन - राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 15/2, अक्षिता माहेश्वरी, सुमन मीणा व शानू प्रत्येक 1-1 विकेट। राजस्थान पारी 99/2, टीम के लिए सुमित्रा जाट नाबाद 43, आयुषी गर्ग 26 व डिम्पल कँवर नाबाद 18 रन। उत्तराखंड की गेंदबाज अमृता 21/1 विकेट। राजस्थान - उत्तराखंड अंडर 19 वीमेन प्रैक्टिस मैच :- आरसीए अकादमी - राजस्थान - उत्तराखंड अंडर 19 वीमेन अभ्यास मैच (उत्तराखंड जीती), उत्तराखंड पारी152/2, टीम के लिए दृति आनंद नाबाद 63, सोना 35 व तन्वी 32 रन, राजस्थान की गेंदबाज प्रीत व निष्ठा 1-1 विकेट। राजस्थान पारी145/5, राजस्थान के लिए धृति माथुर नाबाद 55, प्रतीक्षा 25 रन। उत्तराखंड के गेंदबाज तन्वीतोमर, प्रिया 2 - 2 विकेट।

अंडर 16 प्रतियोगिता (आज खेल गए मैच) जीआरग्राउंड बूंदी -राजसमंद (राजसमंद 11 रन से जीती), राजसमंद पारी 72 आल आउट। टीम के लिए प्रियवंश राजपुरोहित 20 रन। बूंदी के गेंदबाज समीर चौधरी 15/5 व भव्य माहेश्वरी 21/4 विकेट। बूंदी पारी 61 आल आउट। टीम के लिए समीर चौधरी 17 रन, राजसमंद के गेंदबाज दिलेक भटनागर 16/4, भरत साल्वी 10/3 व भीष्म 1/2 विकेट।

अरावली ग्राउंड टोंक - जालोर (टोंक 139 रन से जीती) - टोंक पारी 255 आल आउट, टीम के लिए सईद अजीन 46, अभिनव शर्मा 34, आर्यन 32 व यश शर्मा 22 रन, जालोर के गेंदबाज सुमित 31/3, अक्षय 40/2 विकेट। जालोर पारी 116 आल आउट, टीम के लिए भूरा राम 39, अक्षय वैषणव 22 रन, टोंक के गेंदबाज आरव चोपड़ा 28/4, आर्यन सिंह 0/3 विकेट।

जोकोविच शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

शंघाई, 8 अक्टूबर। नोवाक जोकोविच ने अपने बाएँ टखने के दर्द, शंघाई की उमस और जौम मुनार की चुनौती को पार करते हुए 11वीं बार शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दो घंटे 40 मिनट तक चले मुकाबले के दौरान सर्बियाई खिलाड़ी को पैर की समस्या के कारण कई बार मेडिकल टाइमआउट मिले और मंगलवार को 82 प्रतिशत से ज़्यादा उमस के साथ, उन्होंने मैच बदलने के दौरान बार-बार अपने सिर पर बर्फ़ का तौलिया रखा।

राज्य सब जूनियर हैंडबॉल में जयपुर की लड़कियां चैम्पियन

जयपुर, 8 अक्टूबर। जयपुर की लड़कियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बुधवार को हनुमानगढ़ में संपन्न हुई 30वी राजस्थान राज्य सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में मेजबान हनुमानगढ़ को 26-21 से हराकर ख़िताब जीता। मध्यांतर तक विजेता टीम 11-08 से बढ़त बनाये हुए थी। वही जयपुर के बालको ने तीसरे स्थान के लिए हुए मैच में सीकर को 17-13 (8-9) से हराया।

बालक वर्ग के फाइनल में बीकानेर ने गंगानगर को 25-22 (14-12) से हराया। बालिका वर्ग में तीसरे टोंक रही। जिसने भीलवाड़ा को 7-0 (01-00) से हराया। जयपुर की कप्तान एकता कंवर बालिका वर्ग की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी तथा बालक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बीकानेर का गोविंद रहा। दोनों खिलाड़ियों को स्वर्गीय अमृत कुमार नाटा एवं स्वर्गीय इरफ़ान अली गौड़ की स्मृति में राज्य हैंडबॉल संघ द्वारा 2100-2100 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जयपुर जिला हैंडबॉल संघ के अध्यक्ष डा. मनीष अग्रवाल, मानद सचिव अरुण प्रताप सिंह सहित समस्त कार्यकारिणी ने बालिका एवं बालक टीम की उपलब्धि की सराहना करते हुए सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को बधाइयाँ दी है।

जयपुर की टीमे:- बालक वर्ग:- नाहर सिंह (कप्तान), यश यादव, रोशन यादव, हनुमान मीना,यश कुमार मीना, रुद्राक्ष प्रताप सिंह, राहुल कुमार, ब्रज मोहन, दिव्य शर्मा, रवि चौधरी, सुरेश कुमार व तनीश सैनी।

बालिका वर्ग:- एकता कंवर (कप्तान), काजल गुर्जर, वर्षा जाखड़, विशाखा जाट, अन्नू कंवर, अस्मिता गुर्जर, भव्या राजावत, अक्षरा चौहान, भावना, अनंता सिंह, जीविका दास व ऋग्वेदिका प्रधान।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सूरत में प्रवासी राजस्थानियों के साथ राउंड टेबल मीटिंग की

मीटिंग में उद्यमियों ने विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में संयुक्त उद्यमों व निवेश के प्रति उत्साह दिखाया

सूरत/जयपुर, 8 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गुजरात के सूरत में "प्रवासी राजस्थानी मीट" के तहत आयोजित सेक्टोरल राउंड टेबल मीटिंग की अध्यक्षता की। उन्होंने टेक्सटाइल, सिरेमिक, फार्मास्यूटिकल्स, पेट्रोकेमिकल्स और रत्न एवं आभूषण उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में निवेश को लेकर चर्चा की।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधियों को भीलवाड़ा, जयपुर, बाँसवाड़ा, भिवाड़ी, नीमराना, अलवर तथा अन्य क्षेत्रों में उद्योग लगाने के लिए आमंत्रित किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को सूरत में "प्रवासी राजस्थानी मीट" के तहत आयोजित सेक्टोरल राउंड टेबल मीटिंग में उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में निवेश को लेकर चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान के मजबूत औद्योगिक आधार, सुदृढ़ बुनियादी ढांचे, सुविधाएं और निवेशक-अनुकूल नीतियां प्रदेश को निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाती हैं। शर्मा ने टेक्सटाइल क्षेत्र के प्रतिनिधियों से कहा कि भारत के वस्त्र निर्यात में राजस्थान 10 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने उद्यिमयों को भीलवाड़ा, जयपुर और बांसवाड़ा सहित राजस्थान के कपड़ा समूहों के साथ कार्य करने के लिए आमंत्रित किया।

शर्मा ने फार्मास्यूटिकल क्षेत्र के प्रतिनिधियों से कहा कि भिवाडी, नीमराना और अलवर के फार्मा क्लस्टर, समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के जरिए निर्बाध कनेक्टिविटी से मजबूत हुए हैं। साथ ही, उन्होंने पचपदरा रिफाइनरी और राजस्थान पेट्रो जोन का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश रसायन और पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। उन्होंने जयपुर के बुनियादी निर्यात ढांचे और सीतापुरा विशेष आर्थिक क्षेत्र (सेज) पर भी प्रकाश डाला और उद्यमियों को रत्न और आभूषण उद्योग के साथ साझेदारी करने के लिए आमंत्रित किया।

शर्मा ने सूरत के उद्यिमयों से "राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स)-2024" सहित राज्य की निवेशक-अनुकूल नीतियों के तहत, निवेश की संभावनाओं को तलाशने का आ ान किया। साथ ही, राउंड टेबल मीटिंग के दौरान, उद्योग प्रतिनिधियों ने भी प्रदेश के विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में संयुक्त उद्यमों और निवेश के अवसरों पर उत्साह प्रकट किया।

अमित शाह ने स्वदेशी ईमेल का उपयोग शुरू किया

नयी दिल्ली, 08 अक्टूबर। गृह मंत्री अमित शाह ने आधिकारिक तौर पर अपने ईमेल संचार के लिए स्वदेशी ई मेल सॉफ्टवेयर सेवा ज़ोहो मेल का इस्तेमाल शुरू कर दिया है।

शाह ने बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में ज़ोहो मेल पर अपना नया ईमेल पता साझा किया और अनुरोध किया कि भविष्य में सभी पत्राचार इसी ई मेल पर किये जाएं।

- **वे ज़ोहो मेल का उपयोग कर रहे हैं।**

उन्होंने कहा, "सभी को नमस्कार मैंने ज़ोहो मेल का उपयोग शुरू कर दिया है। कृपया मेरे ईमेल पते में हुए बदलाव पर ध्यान दें। मेरा नया ईमेल पता अमितशाह.बीजेपीजोहोमल.इन है।

उल्लेखनीय है कि ज़ोहो एक भारतीय बहुराष्ट्रीय तकनीकी कंपनी है जो क्लाउड-आधारित व्यावसायिक सॉफ़्टवेयर के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखती है। इसकी शुरूआत 1996 में श्रीधर वेम्बू और टोनी थॉमस ने की थी। ज़ोहो के प्रमुख मैसेजिंग ऐप अराटाई पर पिछले तीन दिन में नए साइन-अप में भारी वृद्धि देखी गई है, जो प्रतिदिन 3,000 से बढ़ कर 3,50,000 हो गई है। इसने ऐप को सोशल नेटवर्किंग श्रेणी में भारत में एप्पल ऐप स्टोर के शीर्ष पर पहुंचा दिया है।

स्थानीय मान्यताएँ व इकोलॉजी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाइपोथर्मिया के लक्षण दिखाई देने लगे।

अक्टूबर के चीनी त्योहारी मौसम के दौरान, भारी संख्या में पर्यटक हिमालय के पूर्वी ढलानों के ऊँचे हिस्सों में ट्रेकिंग करने निकले थे।

वहीं दूसरी तरफ, नेपाल में, बरसात शुरू होते ही पर्वतारोहण परमिट रोक दिया जाता है। नेपाल के लोग हिमालय के मौसम चक्र से परिचित हैं और सदियों पुरानी प्रथाओं का पालन करते हैं।

लेकिन चीनी अधिकारी हिमालय से अपरिचित हैं। बीजिंग से आए उच्च अधिकारी अपने एक समान विकास मॉडल को तिब्बत और पर्वतों पर भी लागू करने की कोशिश कर रहे थे और इसी के परिणामस्वरुप, यह विनाशकारी हादसा हुआ।

तिब्बत पर कब्जा करने और तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में बड़ी संख्या में हान चीनी लोगों को लाने के बाद, चीनियों ने तिब्बत के नाज़ुक हिमालयी क्षेत्रों में भी उसी तरह का नासमझी भरा विकास करने की कोशिश की। मेनलैण्ड चीनी लोगों ने 16,000 फीट से ऊपर के क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए व्यापक पर्यटन सुविधाओं का निर्माण किया है।

नतीजा यह हुआ कि अनभिज्ञ लोग इन अति संवेदनशील और कठिन इलाक़ों में घुस गए, जिससे पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ रहा है। पर्वत इतने बड़े पैमाने पर पर्यटन का बोझ नहीं उठा पा रहे हैं, क्योंकि पर्यटक हर तरह की सुविधाओं की मांग करते हैं, ऐसे इलाके में, जहाँ पर वह सब उपलब्ध नहीं है।

हिमालय के ऊपरी हिस्से में वनस्पति नहीं है। यहाँ भारी बर्फ़बारी होती है और रात में तापमान माइनस 30 डिग्री तक गिर सकता है। तेज़ हवाएँ तापमान को और घटा देती हैं।

माउंट एवरेस्ट और हिमालय का मौसम चक्र अनोखा है। मानसून के महीनों में यहाँ बारिश होती है और मानसून के बादल भारतीय उपमहाद्वीप के कोने-कोने में छाए रहते हैं। मानसून हिमालय में बर्फीले तूफानों के रूप में फैलता है।

यह चेतावनी नई नहीं है। लगभग 100 साल पहले, 1920 के दशक में जब ब्रिटिश लोग एवरेस्ट पर चढ़ने की योजना बना रहे थे, तब भी विशेषज्ञों ने चिंता जताई थी कि इस क्षेत्र में बहुत अधिक लोग आने से खतरा बढ़ सकता है।

उस समय रॉयल जियोग्राफिकल सोसाइटी की टीमें एवरेस्ट पर चढ़ाई के मामले में बेहद सतर्क थीं।

बिहार चुनाव में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। लेकिन समानता यहीं तक सीमित है।

आप एक जन आंदोलन से पैदा हुई थी, जबकि जन सुराज पार्टी महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर आधारित एक दीर्घकालिक सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन लाने का प्रयास कर रही है। जहाँ, केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद पाने की जल्दी थी, वहीं, प्रशांत किशोर लंबी राजनीतिक यात्रा के लिए तैयार दिखाई देते हैं। केजरीवाल ने भ्रष्ट नेताओं पर प्रहार करते हुये, 'भ्रष्टों की गैलरी' जारी करके भ्रष्ट नेताओं पर निशाना साधा था और अदालती मामलों के बाद उन्हें अपने आरोप वापस लेने पड़े थे। वहीं, प्रशांत किशोर ने भी भाजपा और जदयू नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर एवं सनसनीखेज आरोप लगाए हैं और अपने आरोपों के समर्थन में दस्तावेजी सबूत भी पेश किए हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में लालू प्रसाद यादव की आरजेडी ने भाजपा के खिलाफ आप के समर्थन में अपने उम्मीदवार नहीं उतारे थे। लेकिन बिहार में आप ने आरजेडी के लिए वैसा ही सम्मान नहीं दिखाया है। हालांकि इससे न तो आरजेडी और महागठबंधन को कोई खास फर्क पड़ने की सम्भावना है, और न जन सुराज पार्टी को।

बार-बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चौधरी ने अदालत को बताया कि कमल सिंह चौधरी नवंबर, 1985 में उच्च शिक्षा में बतौर शिक्षक नियुक्त हुआ था। वहीं, जुलाई, 1992 में उसे इस पद पर नियमित किया गया। इस पर उसने यूजीसी के पे-स्केल के आधार पर वेतन देने के लिए एकलपीठ में याचिका पेश की। जिसे अदालत ने साल 2013 में स्वीकार करते हुए विभाग को प्रथम नियुक्ति तिथि से गणना कर यूजीसी का पे-स्केल देने को कहा। इस आदेश के खिलाफ दायर विभाग की अपील को भी हाईकोर्ट की खंडपीठ ने जनवरी, 2016 में खारिज कर दिया था।

एसआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की एसएलपी पर 24 सितंबर के आदेश से हाईकोर्ट की खंडपीठ के 8 सितंबर के उस अंतरिम आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं खंडपीठ को कहा था कि वह इस मामले में दायर अपीलों का निपटारा तीन महीने में करे। इसके अलावा यह भी स्पष्ट किया था कि खंडपीठ के समक्ष मूल अपीलों में अंतिम फैसला नहीं होने तक किसी भी चयनित अभ्यर्थी को ट्रेनिंग नहीं दी जाए।

जैसे-जैसे चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। कई वर्षों के प्रयासों के बावजूद, भाजपा के कड़े विरोध के कारण टीएमसी त्रिपुरा में अपनी मजबूत पकड़ नहीं बना सकी।

दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने इस समय चुनाव आयोग द्वारा की जा रही मतदाता सूची संशोधन की प्रक्रिया पर सवाल उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य की स्थिति पर निशाना साध रहे हैं और इन घटनाओं से निपटने के लिए "विशेष कदम" उठाने की बात कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ने कहा कि गृह मंत्री 2025 के चुनावों में व्यापक चुनावी जोड़-तोड़ के जरिए विपक्षी नेताओं को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने अमित शाह की तुलना "आधुनिक मीर जाफर" से की।

हाल के दिनों में अमित शाह लगातार हमलावर रुख में हैं। ममता बनर्जी को आशंका है कि अगर केन्द्र सरकार के प्रस्ताव मान लिए गए, तो उनका जनाधार प्रभावित हो सकता है।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका में अधिवक्ता सुमन शर्मा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को राजस्थान विश्वविद्यालय का कर्मचारी होने के आधार पर विवि प्रशासन ने एक साल के लिए आवास आवंटित किया था। एक साल की अवधि पूरी होने के बाद उसे आवास खाली करने का नोटिस दिया गया और उस पर करीब डेढ लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि विवि प्रशासन की ओर से उसके साथ भेदभाव किया जा रहा है।

कितागावा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अवधारणाओं का एक ढाँचा भी शामिल है, जिसने इस पूरे क्षेत्र की स्थापना को आगे बढ़ाया है।

रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज द्वारा हर साल रसायन विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट खोजों के लिए दस दिसंबर को दिया जाता है। नोबेल प्राप्त करने वाले वैज्ञानिकों को इनाम के तौर पर कुल 11 मिलियन स्वीडिश क्राउन (साढ़े आठ करोड़ रुपये) की राशि सम्मान के रूप में दी जाती है। अगर एक जैसी खोज के लिए एक से अधिक वैज्ञानिकों को भागीदारी में नोबेल प्राइज मिलता है तो इस स्थिति में पुरस्कार राशि को उनमें वितरित कर दिया जाता है।

जुबीन का चचेरा भाई डीएसपी संदीपन गिरफ्तार

गुवाहाटी, 08 अक्टूबर। सिंगापुर में समुद्र में हुई एक दुर्घटना में असम के प्रतिभाशाली गायक जुबीन गर्ग की दुखद और रहस्यमयी मौत को बुधवार को 20 दिन पूरे हो गए। यह मामला अभी भी रहस्य में डूबा हुआ है। इस बीच बुधवार को असम पुलिस ने मामले में पांचवीं गिरफ्तारी की।

इसके अलावा, असम पुलिस की सीआईडी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) सिंगापुर में रहने वाले सात गैर-निवासी असमियों को दूसरी बार नया समन जारी करने वाली है, जो नौका पार्टी के आयोजन में शामिल थे और जुबीन की मौत के दौरान मौजूद थे।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार को गिरफ्तार किया गया शख्स संदीपन गर्ग है, जो जुबीन गर्ग का चचेरा भाई है और असम पुलिस सेवा (एपीएस) में पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद पर कार्यरत है। वह जुबीन की मौत के समय उसके साथ था।

संदीपन गर्ग की गिरफ्तारी के साथ, जुबीन गर्ग की मौत के समय उनके साथ मौजूद अब तक कुल पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सीआईडी के विशेष पुलिस महानिदेशक और एसआईटी प्रमुख मुन्ना प्रसाद गुप्ता ने इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने मीडिया को बताया, कि संदीपन को अदालत में पेश किया और आगे की पूछताछ के लिए 14 दिनों की पुलिस हिरासत मांगी। लेकिन कामरूप सीजेएम कोर्ट ने एसआईटी को संदीपन गर्ग के लिए 14 दिनों के बजाय सात दिनों की पुलिस रिमांड दी।"

कांग्रेस ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अयोग्य करार दिया गया और पिछले दिनों उनकी विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी थी। भाया गत विधानसभा चुनाव में मीणा से चुनाव हार गये थे। अब उपचुनाव में उन्हें फिर मौका दिया गया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600